जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 | वर्षः 17 संख्याः 249 | प्रभात | चूरू, सोमवार 5 जनवरी, 2026 | पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

उपराष्ट्रपति डेल्सी ने वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला

वेनेज़ुएला सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश ने लोगों से अमेरिकी कार्यवाही का विरोध करने के लिए कहा

काराकास, 04 जनवरी। वेनेज़ुएला के सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार शनिवार देर रात उप राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने तत्काल प्रभाव से कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाल लिया है।

यह आदेश अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन, एब्सोल्यूट रिजॉल्व, के तहत राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी सैनिकों द्वारा गिरफ्तारी के बाद आया।

सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश कैरिस्लिया रोड्रिग्ज़ ने सरकारी टीवी चैनल वीटीवी पर प्रसारित एक बयान में कहा था, "राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अपहरण से उत्पन्न असाधारण स्थिति को देखते हुए यह आदेश दिया जाता है कि गणतंत्र की कार्यकारी उपराष्ट्रपति कार्यवाहक क्षमता में राष्ट्रपति पद की सभी शक्तियों, कर्तव्यों और कार्यों को संभालें। यह निर्णय प्रशासनिक निरंतरता और राष्ट्र की व्यापक रक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।"

- **मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रोड्रिग्ज़ ने मंत्रियों व अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय रक्षा परिषद के सत्र की अध्यक्षता की तथा अमेरिकी ऑपरेशन को अंतर्राष्ट्रीय कानून व वेनेज़ुएला की संप्रभुता का खुला उल्लंघन बताया।**

वेनेज़ुएला का संविधान अनुच्छेद 233 और 234 के तहत ऐसी स्थितियों का प्रावधान करता है, जो राष्ट्रपति की अस्थायी या पूर्ण अनुपस्थिति की स्थिति में उपराष्ट्रपति को पदभार संभालने की अनुमति देते हैं।

मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को हिरासत में लिए जाने के कुछ ही घंटों बाद, जस्टिस रोड्रिग्ज़ ने मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय रक्षा परिषद के सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने मादुरो दंपति की तत्काल रिहाई की मांग की और अमेरिकी ऑपरेशन की निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और वेनेज़ुएला की संप्रभुता का खुला उल्लंघन बताया।

जस्टिस रोड्रिग्ज़ ने इस बात पर जोर दिया कि मादुरो ही वेनेज़ुएला के एकमात्र वैध राष्ट्रपति हैं। उन्होंने वेनेज़ुएला के लोगों से इस ऑपरेशन का विरोध करने का आग्रह किया और मध्य अमेरिकी देशों की सरकारों से इसकी निंदा करने की अपील की।

सुप्रीम कोर्ट ने वेनेज़ुएला के लोगों और क्षेत्र के खिलाफ अमेरिका द्वारा किए गए गंभीर सैन्य हमले और मादुरो और उनकी पत्नी के अपहरण की कड़ी निंदा की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई वेनेज़ुएला के संविधान, अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन है, जिसका उद्देश्य वेनेज़ुएला के रणनीतिक संसाधनों पर कब्जा करना है।

चीन ने वेनेज़ुएला पर अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए अमेरिका से मांग की है कि वह मादुरो दंपती को तत्काल रिहा करे। चीन ने चेतावनी दी है कि किसी संप्रभु राष्ट्र के खिलाफ बल का ऐसा प्रयोग अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन है। चीनी विदेश मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान में अमेरिका से वेनेज़ुएला की सरकार को अस्थिर करने की कोशिशें बंद करने और विवाद का समाधान बातचीत के जरिए निकालने का आग्रह किया गया है।

इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने शनिवार को घोषणा की कि वह वेनेज़ुएला के खिलाफ अमेरिकी अभियान पर सोमवार को एक आपातकालीन बैठक आयोजित करेगी।

कांग्रेस ने राष्ट्रपति मादुरो की गिरफ्तारी पर कड़ी आपत्ति जताई

नयी दिल्ली, 04 जनवरी। वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में गिरफ्तारी पर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस सैन्य हस्तक्षेप पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन करार दिया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को आधिकारिक बयान जारी कर अमेरिका की कार्रवाई को वैश्विक सिद्धांतों के विरुद्ध बताया।

- **महासचिव जयराम रमेश ने सैन्य हस्तक्षेप को अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन बताया।**

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, "भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पिछले 24 घंटों में वेनेज़ुएला को लेकर अमेरिका द्वारा की गई कार्रवाइयों पर अत्यंत गंभीर चिंता व्यक्त करती है। अंतरराष्ट्रीय कानून के स्थापित सिद्धांतों का इस तरह से एकतरफा उल्लंघन नहीं किया जा सकता।"

कांग्रेस का यह बयान वैश्विक संप्रभुता और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के प्रति पार्टी के पुराने रुख को दोहराता है।

पाकिस्तानी आकाओं से संपर्क के लिए घोस्ट सिम का उपयोग कर रहे हैं आतंकी

लाल किला ब्लास्ट केस की जाँच में यह चौंकाने वाला तथ्य उजागर हुआ

नई दिल्ली, 04 जनवरी। दिल्ली के लाल किले के पास पिछले साल 10 नवंबर को हुए धमाके की जांच में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। पता चला है कि एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं से संपर्क में रहने के लिए घोस्ट सिम कार्ड और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप का इस्तेमाल कर रहा था। ये आतंकी बहुत पढ़े-लिखे थे, जिनमें डॉक्टर भी शामिल थे। वे अपनी पहचान छिपाने के लिए गैर-कानूनी तरीके से हासिल किए गए या धोखाधड़ी से जारी करवाए गए सिम कार्ड और कई मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते थे।

इस जांच के नतीजों के आधार पर ही दूरसंचार विभाग ने 28 नवंबर को एक बड़ा आदेश जारी किया। इस आदेश के मुताबिक, वॉट्सऐप, टेलीग्राम और सिग्नलजैसे ऐप-आधारित कम्युनिकेशन सर्विस को हमेशा डिवाइस में लगे एक एक्टिव फिजिकल सिम कार्ड से जुड़ा रहना होगा।

- **दूरसंचार विभाग ने इस संदर्भ में आदेश जारी किया है। वाट्सऐप, टेलीग्राम व सिग्नल जैसी ऐप आधारित कम्यूनिकेशन सर्विस को अब हमेशा डिवाइस में लगे एक एक्टिव फिजिकल सिम कार्ड से जुड़ा रहना होगा।**

सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, यह एक ऐसा मोबाइल कनेक्शन होता है जिसे गैर-कानूनी तरीके से जारी किया जाता है या धोखाधड़ी से एक्टिवेट किया जाता है, और यह असली यूजर से जुड़ा नहीं होता।

अधिकारियों ने बताया कि जांच में इस मॉड्यूल की ओर से अपनाए जाने वाले एक खास, दो फोन वाले तरीके का खुलासा हुआ। हर आतंकी के पास दो से तीन मोबाइल फोन होते थे। एक मोबाइल उनके अपने नाम पर रजिस्टर्ड होता था, उसका इस्तेमाल वे अपनी रोजमर्रा की निजी और पेशेवर बातचीत के लिए करते थे ताकि किसी को शक न हो। दूसरा फोन, जिसे आतंकी फोन कहा गया, उसका इस्तेमाल वे सिर्फ पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं से वॉट्सऐप और टेलीग्राम के जरिए एन्क्रिप्टेड तरीके से बात करने के लिए करते थे।

अधिकारियों ने बताया कि इन दूसरे फोन में इस्तेमाल होने वाले सिम कार्ड उन आम नागरिकों के नाम पर जारी किए गए थे जिनके आधार डिटेल्स का दुरुपयोग किया गया था। इसी के साथ, जम्मू और कश्मीर पुलिस ने भी एक अलग रैकेट का पर्दाफाश किया, जिसमें नकली आधार कार्ड का इस्तेमाल करके सिम कार्ड जारी किए जा रहे थे। गिरफ्तार किए गए लोगों में मुजम्मिल गनाई और अदील राथर शामिल थे। वहीं, एक मुख्य आरोपी डॉ. उमर-उन-नबी लाल किले के पास विस्फोटकों से लदे वाहन में गाड़ी चलाते समय मारा गया था। पाकिस्तान में बैठे आकाओं की पहचान उकासा, फैजान और हाश्मी जैसे कोड नामों से हुई।

कांग्रेस व इंडिया गठबंधन 2026 में एक चौराहे पर खड़े हैं, दिशा भ्रम के कारण?

यह दिशा भ्रम का जाल तोड़ने के लिए, आवश्यक है कि 2026 में कांग्रेस को नए सिरे से राजनीतिक रणनीति बनानी होगी तथा राजनीतिक "जिद" छोड़कर वोटर से फिर जुड़ने का प्रयास करना होगा

- जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। यह तीखा और बेबाक विश्लेषण कहता है कि "इंडिया" ब्लॉक, खासकर कांग्रेस, खुद की बनाई हुई उलझनों के जाल में फंसा हुआ है। बार-बार की चुनावी हार के बावजूद, विपक्ष अपनी रणनीति बदलने को तैयार नहीं है और ईवीएम के फर्जीवाड़े की कहानी, पहचान की राजनीति और विदेशी स्वीकार्यता जैसे खारिज हो चुके मुद्दों पर अड़ा हुआ है।

अपने सिकुड़ते भौगोलिक दायरे से लेकर विचारधारा पर चयनात्मक आक्रोश, संसद में व्यवधान डालने और पार्टी नेतृत्व को लेकर गांधी परिवार के भ्रामक संकेतों तक, कांग्रेस मतदाताओं की असलियत से दिन पर दिन कटती जा रही है। इस विश्लेषण का कहना है

- **कांग्रेस की ट्रेजेडी यह है कि उसके समक्ष मुद्दों की कमी नहीं है, पर, अंतर विरोध की संख्या, मुद्दों से कहीं ज्यादा है।**
- **कांग्रेस एक भाजपा विरोधी पार्टी बनकर रह गई है और उसकी पहचान अब सुदृढ़ राजनीतिक विकल्प के रूप में फिर से उभारनी पड़ेगी।**
- **वाकई में ऐसा लगता है, यह राजनीतिक विश्लेषण कांग्रेस विरोधी तत्वों द्वारा प्रस्तुत किया गया है। पर, इसे यह संज्ञा देकर नज़रअदांज न करके उठाये गए मुद्दों पर गंभीरता से सोचना तो चाहिए ही।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका गांधी असम स्क्रीनिंग कमेटी की प्रमुख बनीं

नयी दिल्ली, 04 जनवरी। कांग्रेस ने वायनाड से लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को असम में पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी का प्रमुख नियुक्त किया है।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के लिए बीके हरिप्रसाद को स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरमैन बनाया है। केरल के लिए यह जिम्मेदारी मधुसूदन मिस्त्री, और तमिलनाडु और पुडुचेरी की जिम्मेदारी टीएस सिंह देव को दी गई है।

- **हरिप्रसाद को पश्चिम बंगाल, मधुसूदन मिस्त्री को केरल तथा टी.एस. सिंह देव को तमिलनाडु की जिम्मेदारी सौंपी गई है।**

वाड्रा को पहली बार पार्टी ने स्क्रीनिंग कमेटी की जिम्मेदारी दी है। इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममदानी के उमर खालिद को लिखे हस्तलिखित नोट ने अमेरिकी सिनेटरों को प्रेरित किया

अमेरिका के इन जनप्रतिनिधियों ने भारत के राजदूत मोहन क्वात्रा को पत्र लिखकर चिंता जताई, उमर खालिद पाँच साल से भारत में जेल में है तथा अभी उसे न तो चार्जशीट दी गई है और न ही सुनवाई शुरु हुई है

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम और दक्षिण एशियाई मेयर ज़ोहरान ममदानी ने जेल में बंद भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता उमर ख़ालिद के लिए तेज़ और निष्पक्ष मुकदमे की माँग करते हुए, नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ एक कूटनीतिक अभियान छेड़ दिया है। ममदानी का ख़ालिद के नाम हाथ से लिखा नोट जब सोशल मीडिया पर डाला गया, उसके बाद अमेरिका के आठ सांसदों ने वॉशिंगटन में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा को एक पत्र भेजा। इसमें उन्होंने छात्र नेता उमर ख़ालिद की बिना ट्रायल के लंबे समय से चल रही हिरासत पर चिंता जताई, जिन्हें लगभग पाँच साल से यूएपीए कानून के तहत जेल में रखा गया है।

पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में सांसद जेम्स पी. मैकगवर्न और जैमी रैस्किन, सीनेटर क्रिस वैन होलन और पीटर वेल्च तथा कांग्रेस सदस्य प्रमिला जयपाल, रशीदा तलैब, लॉयड डॉगेट और जेन शाकॉव्स्की शामिल हैं।

दूसरी ओर, भाजपा ने इसे "भारत विरोधी अनर्थकारी साजिश" करार देते हुए आरोप लगाया है कि इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी शामिल हैं और यह साजिश अमेरिका की धरती पर रची गई है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने 2024 में राहुल गांधी और जान शाकॉव्स्की की मुलाकात को कांग्रेस नेता के भारत विरोधी संबंधों का सबूत बताते हुए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल गांधी, शाकॉव्स्की और भारत विरोधी रुख रखने वाली इल्हान ओमर की एक तस्वीर पोस्ट की। भंडारी ने कहा, "जब भी विदेशों में भारत विरोधी कहानी चलती है, तो पृष्ठभूमि में राहुल गांधी का नाम सामने आता है। जो लोग भारत को बदनाम करना चाहते हैं, चुनी हुई सरकार को कमज़ोर करना चाहते हैं और भारत विरोधी आतंक सम्बन्धी कानूनों को कमज़ोर करना चाहते हैं, वे अनिवार्य रूप से उनके आसपास ही जुटते हैं।

भंडारी ने आगे दावा किया कि राहुल की 2024 में शाकॉव्स्की और ओमर से मुलाकात का संबंध विदेशों में कानूनी प्रयासों से था। उन्होंने 2025 में शाकॉव्स्की द्वारा पेश किए गए "कॉम्बैटिंग इंटरनेशनल इस्लामोफोबिया एक्ट" का हवाला

- **जैसा कि विदित ही है, उमर खालिद, शारजील इमाम, गुल फिशा फातिमा व मीरान हैदर, 2020 के दिल्ली दंगों में भारी "साजिश" रचने के आरोप में जेल में हैं, यू.ए.पी.ए. कानून के अंतर्गत।**
- **भाजपा के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी व भारतीय राजदूत क्वात्रा को पत्र लिखने वाली अमेरिकी कांग्रेस की सदस्य जैन शकाओस्की मिलकर भारत विरोधी अभियान चलाते आए हैं तथा राहुल गांधी का नाम सदा उभरकर आता है, जब भी विदेश में भारत विरोधी किसी गतिविधि की कोई खबर आती है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डेरा प्रमुख राम रहीम को फिर से 40 दिन की पैरोल मिली

नयी दिल्ली, 04 जनवरी। अपनी दो शिष्याओं के साथ बलात्कार के मामले में 20 साल की जेल की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को एक बार फिर 40 दिनों की पैरोल दी गई है।

- **अगस्त 2017 में बलात्कार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद से यह 15वीं बार होगा जब राम रहीम को पैरोल या फरलो पर जेल से रिहा किया जाएगा।**

बलात्कार और हत्या के मामलों में दोषी राम रहीम हरियाणा के रोहतक की सुनारिया जेल में बंद है। उसके पैरोल को रोहतक संभागीय आयुक्त ने मंजूरी दी है और उम्मीद है कि उसे रविवार या सोमवार को रिहा कर दिया जाएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय फायनैंशियल एजेंसियां अगले दो दशक भारत की ग्रोथ के नाम लिख रही हैं

इस समाचार की ध्वनि कर्णप्रिय और सुखद तो है, पर पूर्णतया सत्य होगी, यह अभी पूरे विश्वास से नहीं कहा जा सकता

-सुकुमार साह-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जनवरी। अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले दो दशकों में भारत दुनिया के सबसे शक्तिशाली आर्थिक वृद्धि-इंजनों में से एक के तौर पर उभरेगा। इसके पीछे सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं में दबदबा, तेज़ डिजिटलाइज़ेशन, फलता-फूलता स्टार्ट-अप, इकोसिस्टम और अनुकूल जनसांख्यिकी (डैमोग्राफिक्स) जैसे कारण बताए जाते हैं। हाल की एक अर्न्स्ट एंड यंग (ई.वाय.) रिपोर्ट भी लगातार ऊँची वृद्धि की तस्वीर पेश करती है और कहती है कि भारत बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए दुनिया का दफ़्तर बनने और ग्लोबल वैल्यू चेन का एक प्रमुख केन्द्र बनने की अनोखी स्थिति में है। लेकिन गहराई से देखने पर लगता है कि ये कारक भले ही वास्तविक हों, लेकिन जितने मज़बूत बताए जाते हैं, उतने स्थायी और भरोसेमंद नहीं हैं।

भारत का ग्लोबल आई.टी. और सर्विस हब के रूप में उभरना उसकी दीर्घकालिक कहानी का सबसे मज़बूत स्तंभ माना जाता है। समय के साथ यह उद्योग सस्ती आउटसोर्सिंग से आगे बढ़कर, अधिक वैल्यू वाली डिजिटल इंजीनियरिंग, कंसल्टिंग और इनोवेशन पर आधारित काम तक पहुँचा है। लेकिन वैश्विक टैक्नॉलजी दुनिया खुद बड़े बदलाव से गुज़र रही है। ऑटोमेशन, जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और नियर-शोरिंग, भारत की आई.टी. सफलता का आधार रहे पारंपरिक मजदूरी लाभ मॉडल को खत्म करने लगे हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अब अपने देश के पास छोटी, अत्यधिक कुशल टीमों से ज़्यादा काम करवाना चाहती हैं। ऐसे में बड़े पैमाने पर ऑफ़शोर विस्तार की गुंजाइश घट सकती है, जब तक कि भारत तेज़ी से और व्यापक स्तर पर उच्च-स्तरीय उत्पाद विकास (हाई एंड प्रॉडक्ट डवलपमैंट) और बौद्धिक संपदा-आधारित सेवाओं में प्रवेश न करे। यह क्षेत्र अभी कुछ ही कंपनियों के हाथ में है।

डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी भारत की बड़ी संरचनात्मक ताक़त माना जाता है। यू.पी.आई. जैसे प्लेटफ़ॉर्म ने लेन-देन की लागत (ट्रांज़ैक्शन कॉस्ट) घटाई है, पारदर्शिता बढ़ाई है, और अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण को तेज किया है, जिससे इस प्रक्रिया में वित्तीय समावेशन (फायनैंशियल इन्क्लूज़न) बढ़ा है। पर डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म अपने-आप उत्पादकता नहीं बढ़ाते। शिक्षा की गुणवत्ता, कौशल निर्माण और फिज़िकल इन्फ्रास्ट्रक्चर में समानांतर सुधार के बिना डिजिटलाइज़ेशन से मिलने वाला लाभ सीमित रह सकता है। यह भी खतरा है कि डिजिटल दक्षता ज़्यादातर खपत और सेवाओं को ही बढ़ावा दे, न कि बड़े पैमाने के औद्योगिक और उत्पादक परिवर्तन को।

ई.वाय. का मानना है कि हाई ग्रोथ बनाए रखने के लिए तेज़ क्रैडिड बढ़ाना और कॉरपोरेट बॉन्ड बाज़ार को मजबूत करना अहम है। यहाँ भी एग्ज़ियूशन

- **आई.टी. सैक्टर में भारत की भारी सफलता को बड़ा आधार माना जाता है, भारत के अगले दो दशक में छाने का। पर, इस बात को ध्यान में रखना होगा कि इस क्षेत्र में भारत की सफलता की काफी कुछ वजह भारत में आई.टी. प्रोफेशनल्स की प्रचुर मात्रा है।**
- **पर, अब, विश्व का आई.टी. सैक्टर बदल रहा है, अंतर्राष्ट्रीय बड़ी-बड़ी कंपनियां अब छोटे-छोटे आई.टी. प्रोफेशनल्स की कंपनियों के साथ काम करने में ज्याद विश्वास करने लगी हैं और प्रचुर मात्रा में आई.टी. प्रोफेशनल होना कोई खास महत्व की बात नहीं रह गई। इन "हाईली एकैडमिक प्रोफेशनल्स" के छोटे-छोटे ग्रुप को जब काम दिया जाता है तो वे बिना बड़ी कंपनियों के "लाग-लपेट" के काम करते हुए जल्दी समाधान ढूंढ़कर पेश कर देते हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जैसलमेर में सरहद के पास संदिग्ध मौलवी गिरफ्तार

जैसलमेर, (नि.सं.)। भारत-पाकिस्तान सरहद पर जैसलमेर जिले में एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड ने एक संदिग्ध मौलवी को पकड़ा है। गणतंत्र दिवस से पहले हुई इस कार्रवाई ने सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं।

- **एंटी टैररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) कई दिनों से मौलवी की गतिविधियों पर नज़र रखे हुए था।**

आतंकवादी गतिविधियों के खुफिया इनपुट के आधार पर टीम ने शनिवार को तनोट-किशनगढ़ क्षेत्र में कुरिया बेरी गांव में दबिश दी। मौलवी को जयपुर ले जाया गया, जहां उससे पूछताछ होगी।

सूत्रों के अनुसार, आतंकवादी गतिविधियों के शक में पकड़ा गया मौलवी अलीखान बीकानेर में छत्तरगढ़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

आज के कष्ट का सामना करने वाले के पास आगामी कल के कष्ट आने से घबराते हैं। –अज्ञात

भारत के गिग श्रमिक: न्याय और मानवीय गरिमा के आकांक्षी

बेरोज़गारी भारत की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। आज़ादी के बाद से हर राजनीतिक दल और हर सरकार ने इस समस्या को अपनी–अपनी तरह से हल करने के सुझाव दिए और प्रयास किए, लेकिन मोटे तौर पर यह समस्या अभी भी बरक़रार है। 'मोटे तौर' पर अभिव्यक्ति का प्रयोग मैं जानबूझकर कर रहा हूं। असल में जब हम रोज़गार की बात करते हैं तो मुख्यत: हमारा आशय ऐसी नौकरी से होता है जिसमें आप किसी एक जगह बैठकर दस से पांच बजे तक काम करें। या इसी तरह की कोई और परिकल्पना होती है। नौकरी के सिवा किया जाने वाला काम हमें रोज़गार लगता ही नहीं है। लेकिन यह भी एक यथार्थ है कि कोई भी सरकार सभी आकांक्षियों को नौकरी नहीं दे सकती। जो लोग अपनी आजीविका के प्रति गम्भीर हैं वे नौकरी से इतर भी कुछ करते हैं और अपना जीवन यापन करते हैं। बहुत बार ऐसे लोग वह सब भी हासिल कर लेते हैं जो कोई भी नौकरी उन्हें नहीं दे सकती थी। लेकिन ऐसे लोग बहुत ज़्यादा नहीं होते हैं।

इधर इक्कीसवीं सदी के भारत में रोज़गार का एक नया चेहरा बहुत तेज़ी से उभरा है। आप किसी भी ठीक–ठाक सी आबादी वाले कस्बे में, नगर में या महानगर में ऐसे लोगों को देख सकते हैं को अपने दोपहिया वाहन और स्मार्टफ़ोन के माध्यम से सम्मानजनक आजीविका जुटा कर जीवन यापन कर रहे हैं। किसी भी लोकप्रिय रेस्तरां के बाहर स्विगी, ज़ोमैटो जैसे नाम लिखे बैग़ों वाले अनगिनत वाहन आपको नज़र आ जाएंगे। एक नागरिक के रूप में भी हम पाते हैं कि इस तरह की सेवा देने वालों ने हमारा जीवन बहुत सुगम कर दिया है। दिन हो या रात, कभी भी हम अपना मनपसंद ख़ाना अपने घर पर मंगवा लेते हैं। न केवल खाना, परचूनी सामग्री, फल सब्ज़ियां कुछ भी मंगवा लेते हैं। यही नहीं, अगर हमें कहीं कोई दस्तावेज़, पैकेट या कुछ भी भेजना है तो सुगमता से भेज देते हैं। इधर कुछ बरसों से उबर, ओला जैसी सेवाओं ने हमारे स्थानीय यातायात का चेहरा भी बदल कर रख दिया है। आपको अपने सौंदर्य को संवारना है या घर की किसी छोटी–मोटी तकनीकी असुविधा से मुक्ति पानी है, यहां तक कि कुछ देर के लिए किसी सेवा कर्मी की ज़रूरत हो– सब आसानी से हो जाता है। ये जो लोग इस तरह की सेवाएं हमें प्रदान करते हैं ये सभी नए भारत की तेज़ी से उभरती गिग इकोनॉमी के चेहरे हैं। आज भारत दुनिया के सबसे बड़े गिग वर्कर फोर्स वाले देशों में अग्रणी है। नीति आयोग की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, सन 2030 तक भारत में गिग श्रमिकों की संख्या 2.35 करोड़ तक पहुंच जाएगी।

भारत में गिग इकोनॉमी का यह त्वरित विकास जनसांख्यिकी और बदलती कार्य संस्कृति के मेल का अनुपम उदाहरण है। सस्ते और सुलभ डेटा युक्त स्मार्टफ़ोन ने इस प्लेटफोर्म इकॉनॉमी को देश के दूर दराज़ के इलाकों तक पहुंचा दिया है। कोविड–19 ने इस प्रक्रिया को और गति दी और संकट से जूझते लोगों को ख़ुद को बचाए रखने का एक मज़बूत विकल्प भी दिया। आज भारत का युवा नौकरी तलाश करने की बजाय किसी एप पर ऑनलाइन काम करके अपना पेट भरने लगा है। भले ही सरकारें सबको उनका मनचाहा रोज़गार सुलभ नहीं करा सकी, इस नई व्यवस्था ने बहुतों के सामने खड़ी बेरोज़गारी की विकराल समस्या को जैसे ख़त्म कर दिया। मैं प्राय: इस तरह की सेवाएं लेता हूं और हर बार यह भी प्रयास करता हूं कि जो ये सेवाएं दे रहे हैं उनसे उनके अनुभव जानूं। मैंने पाया है कि जो निष्ठापूर्वक काम करते हैं वे संतोषप्रद कमाई भी कर लेते हैं और खुश हैं।

इस गिग इकोनॉमी सिस्टम की एक ख़ासियत इसका लचीलापन है। आप अपना कोई और काम करते हुए, मसलन युवा पढ़ाई करते हुए या गृहिणी अपने पारिवारिक दायित्व निबाहते हुए भी पैसा कमा सकते हैं। आप अपने काम के घण्टे और काम का समय ख़ुद निश्चित कर सकते हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत में इस गिग वर्कफोर्स में महिलाओं की हिस्सेदारी भी 28 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। यह जानना भी कम रोचक नहीं है कि यह क्षेत्र कुशल, अकुशल सभी तरह के लोगों को रोज़गार सुलभ करा रहा है। घरेलू सेवा करने वालों से लगाकर केवल वाहन चलाकर इधर से उधर सामान पहुंचाने वालों से लगाकर सॉफ्ट्वेयर डेवलपमेण्ट, ग्राफ़िक डिज़ाइनिंग और मार्केटिंग डिज़ाइन जैसे काम भी इस तरह से किए जा रहे हैं।

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बन गया है या बनने वाला है तो हमारा ध्यान केवल ट्रिलियन वाले आंकड़ों पर होता है। बेशक हमारे देश में कुछ लोगों का वैभव चमत्कारी रूप से बढ़ा है, लेकिन इस बात को समझा जाना ज़रूरी है कि अंततः किसी देश की असल कामयाबी उस देश के सबसे नीचे वाले पायदान पर खड़े व्यक्ति की खुशहाली से ही प्रकट होगी।

लेकिन इस व्यवस्था में सब कुछ उजला–उजला हो ऐसा भी नहीं है। यह काम करने वालों को समय पर माल पहुंचाने के दबाव में अंधाधुंध वाहन चलाने पड़ते हैं और इस तरह उन्हें हर पल ख़तरों से खेलना पड़ता है। उपभोक्ता को इस बात से प्राय: कोई लेना–देना नहीं रहता है कि जो व्यक्ति उसका मंगाया सामान लेकर आ रहा है उसे ट्रैफ़िक जाम से भी जूझना पड़ा होगा। वह तो दस मिनिट में सामान चाहता है। असल में इस व्यवस्था के सारे सूत्र मनुष्यों के हाथ में न होकर एल्गोरिद्म के हाथ में हैं। उसी से यह निर्धारित होता है कि किसको काम मिलेगा और किसका काम छूट जाएगा। हमारी दी हुई रेटिंग या कोई तकनीकी गड़बड़ किसी की भी रोज़ी रोटी छीन सकती है। इसके अलावा, इस तरह का काम करने वालों के पास कोई सामाजिक सुरक्षा तो है ही नहीं। इनसे काम करवाने वाली कम्पनियां प्रॉविडेण्ट फण्ड, बीमा, पेंशन और सवैतनिक अवकाश जैसे लाभ इन्हें देने से बचती हैं। एक रिपोर्ट बताती है कि लगभग 90 प्रतिशत गिग वर्कर्स के पास आपातकालीन स्थितियों के लिएकोई वित्तीय बचत ही नहीं है।

लेकिन ऐसा भी नहीं है कि सरकारों का ध्यान इस तरफ नहीं गया है। राजस्थान देश का ऐसा पहला राज्य है जिसने गिग वर्कर्स (पंजीयन और कल्याण) अधिनियम पारित किया है। इस व्यवस्था की सबसे क्रांतिकारी विशेषता कल्याण शुल्क है। प्रत्येक ट्रांजेक्शन पर एक से दो प्रतिशत का मामूली शुल्क लिया जाता है जो सीधे एक समर्पित कल्याण कोष में जमा होता है और इससे इन गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। यही नहीं इस तरह का काम करने वाला अपनी यूनिक आईडी के माध्यम से एक कंपनी छोड़कर दूसरी कंपनी में जाने पर अपने लाभ बनाए रख सकता है। इसे बेनेफ़िट पोर्टेबिलिटी कहा जाता है। इस अधिनियम के तहत एग्रीगेटर कम्पनियों को अपने प्लेटफॉर्म पर सक्रिय सभी श्रमिकों का डेटा सरकार के साथ साझा करना ज़रूरी कर दिया गया है। इससे कंपनियों की मनमानी पर लगाम कसी जा सकी है। इस अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि अगर कोई कंपनी इस अधिनियम के प्रावधानों की अनदेखी करती है तो उस पर भारी ज़ुर्माना लगाया जा सकता है। यह एक सराहनीय पहल है। वैसे पूरी दुनिया में गिग वर्कर्स के अधिकारों पर विमर्श होरहा है। ब्रिटेन की सुप्रीम कोर्ट ने उबर ड्राइवरों को श्रमिक का दर्ज़ा दे दिया है, भारत में भी सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 के क्रियान्वयन का इंतज़ार है। यह जानना सुखद है कि भारत सरकार ने गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ देने के लिए श्रम संहिता के सामाजिक कोड 2020 के दायरे में नए नियमों का ड्राफ़्ट ज़ारी किया है। इन नियमों के लागू हो जाने से इन कार्मिकों को न्यूनतम मज़दूरी, स्वास्थ्य लाभ, व्यावसायिक और सामाजिक सुरक्षा जैसे ज़रूरी अधिकार मिल जाएंगे।

समग्रत: यह गिग इकोनॉमी पूरी दुनिया के लिए और ख़ास तौर पर भारत के लिए बहुत बड़ा अवसर है। असल में जब हम यह चर्चा करते हैं कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बन गया है या बनने वाला है तो हमारा ध्यान केवल ट्रिलियन वाले आंकड़ों पर होता है। बेशक हमारे देश में कुछ लोगों का वैभव चमत्कारी रूप से बढ़ा है, लेकिन इस बात को समझा जाना ज़रूरी है कि अंतत: किसी देश की असल कामयाबी उस देश के सबसे नीचे वाले पायदान पर खड़े व्यक्ति की खुशहाली से ही प्रकट होगी। हमारा गिग वर्कर केवल एक यांत्रिक एल्गोरिद्म का अंश न होकर एक जीता–जागता व्यक्ति है और उसके भी अपने अधिकार और सपने हैं। इन्हें बचाने का काम अंतत: सरकार को ही करना होगा। बेशक तकनीक ने हम सबका जीवन सुखद बनाया है, जिन्हें रोज़गार की तलाश है उनको रोज़गार भी दिया है। लेकिन यह हम सबकी साझी ज़िम्मेदारी है कि इस तकनीक को शोषण का औज़ार बनने से रोकें। बेशक लोगों को काम मिले, उनसे मुकम्मल सेवा की अपेक्षा की जाए, लेकिन इसी के साथ यह भी कि किसी भी तरह उनका शोषण न हो।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

सोमनाथ : अटूट आस्था के 1000 वर्ष (1026-2026)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

सोमनाथ... ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है...सौराष्ट्रे सोमनाथं च...यानि ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। ये इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है। शास्त्रों में ये भी कहा गया है :

सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥

अर्थात्, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वो पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है। दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था।

वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था। सोमनाथ हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है। फिर भी, एक हजार वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है।

साल 1026 के बाद समय–समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुन:निर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण सम्पन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वो समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे।

1026 में एक हजार वर्ष पहले सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्त्रोतों में विस्तार से मिलता है। जब इन्हें पढ़ा जाता है तो हृदय कांप उठता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, ये ऐसा दु:ख है जिसकी पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है।

हम कल्पना कर सकते हैं कि इसका उस दौर में भारत पर और लोगों के मनोबल पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा होगा। सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा था। ये बड़ी संख्या में लोगों को अपनी ओर खींचता था। ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी। हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर–दूर तक ले जाते थे।

सोमनाथ पर हमले और फिर गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से ये कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है। ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, ये हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है।

1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार–बार सोमनाथ पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया। यह हमारे लोगों और हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था। लेकिन हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया। और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुन: जीवंत किया। महमूद गजनवी लूटकर चला गया, लेकिन सोमनाथ के प्रति हमारी भावना को हमसे छीन नहीं सका। सोमनाथ से जुड़ी हमारी आस्था, हमारा विश्वास और प्रबल हुआ। उसकी आत्मा लाखों श्रद्धालुओं की भीतर सांस लेती रही। साल 1026 के हजार साल बाद आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है, कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है। वो आज भी हमारी प्रेरणा का स्त्रोत है, वो आज भी हमारी शक्ति का पुंज है।

ये हमारा सौभाग्य है कि हमने उस धरती पर जीवन पाया है, जिसने देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति को जन्म दिया। उन्होंने ये सुनिश्चित करने का पुण्य प्रयास किया कि श्रद्धालु सोमनाथ में पूजा कर सकें। 1890 के दशक में स्वामी विवेकानंद भी सोमनाथ आए थे, वो अनुभव उन्हें भीतर तक आंदोलित कर गया। 1897 में चेन्नई में दिए गए एक व्याख्यान के दौरान उन्होंने अपनी भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिर और गुजरात के सोमनाथ जैसे मंदिर आपको ज्ञान के अनगिनत पाठ सिखाएंगे। ये आपको किसी भी संख्या में पढ़ी गई पुस्तकों से अधिक हमारी सभ्यता की गहरी समझ देंगे।

इन मंदिरों पर सैकड़ों आक्रमणों के निशान हैं, और सैकड़ों बार इनका पुनर्जागरण हुआ है। ये बार बार नष्ट किए गए, और हर बार अपने ही खंडहरों से फिर खड़े हुए। पहले की तरह सशक्त। पहले की तरह जीवंत। यही राष्ट्रीय मन है, यही राष्ट्रीय जीवन धारा है। इसका अनुसरण आपको गौरव से भर देता है। इसको छोड़ देने का मतलब है, मृत्यु। इससे अलग हो जाने पर विनाश ही होगा। ये सर्वविदित है कि आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का पवित्र दायित्व सरदार वल्लभभाई पटेल के सक्षम हाथों में आया। उन्होंने आगे बढ़कर इस दायित्व के लिए कदम बढ़ाया। 1947 में दीवाली के समय उनकी सोमनाथ यात्रा हुई। उस यात्रा के अनुभव ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, उसी समय उन्होंने घोषणा की कि यहीं सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण होगा। अंतत: 11 मई 1951 को सोमनाथ में भव्य मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

उस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे। महान सरदार साहब इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे, लेकिन उनका सपना राष्ट्र के सामने साकार होकर भव्य रूप में उपस्थित था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वो नहीं चाहते थे कि माननीय राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया।

सोमनाथ मंदिर का कोई भी उल्लेख के.एम. मुंशी जी के योगदानों को याद किए बिना अधूरा है। उन्होंने उस समय सरदार पटेल का प्रभावी रूप से समर्थन किया था। सोमनाथ पर उनका कार्य, विशेष रूप से उनकी पुस्तक 'सोमनाथ, द श्राइन इटरनल', अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। जैसा कि मुंशी जी की पुस्तक के शीर्षक से स्पष्ट होता है, हम एक ऐसी सभ्यता हैं जो आत्मा और विचारों की अमरता में अटूट विश्वास रखती है। हम विश्वास करते हैं– नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावक:। सोमनाथ का भौतिक ढांचा नष्ट हो गया, लेकिन उसकी चेतना अमर रही।

इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढ़ने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वो हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है। अनादि काल से सोमनाथ जीवन के हर क्षेत्र के लोगों को जोड़ता आया है। सदियों पहले जैन परंपरा के आदरणीय मुनि कलिकाल सर्वज्ञ हेमचंद्राचार्य यहां आए थे और कहा जाता है कि प्रार्थना के बाद उन्होंने कहा,

भवबीजाङ्कुरजनना रागाद्याः क्षयमुपगता यस्य।

अर्थात्, उस परम तत्व को नमन जिसमें सांसारिक बंधनों के बीज नष्ट हो चुके हैं। जिसमें राग और सभी विकार शांत हो गए हैं।

आज भी दादा सोमनाथ के दर्शन से ऐसी ही अनुभूति होती है। मन में एक ठहराव आ जाता है, आत्मा को अंदर तक कुछ स्पर्श करता है, जो अलौकिक है, अव्यक्त है। 1026 के पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद 2026 में भी सोमनाथ का समुद्र उसी तीव्रता से गर्जना करता है और तट को स्पर्श करती लहरें उसकी पूरी गाथा सुनाती हैं। उन लहरों की तरह सोमनाथ बार–बार उठता रहा है। अतीत के आक्रमणकारी आज समय की धूल बन चुके हैं। उनका नाम अब विनाश के प्रतीक के तौर पर लिया जाता है। इतिहास के पन्नों में वे केवल फुटनोट हैं, जबकि सोमनाथ आज भी अपनी आशा बिखेरता हुआ प्रकाशमान खड़ा है। सोमनाथ हमें ये बताता है कि घृणा और कट्टरता में विनाश की विकृत ताकत हो सकती है, लेकिन आस्था में सृजन की शक्ति होती है। करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए सोमनाथ आज भी आशा का अनंत नाद है। ये विश्वास का वो स्वर है, जो टूटने के बाद भी उठने की प्रेरणा देता है।

अगर हजार साल पहले खंडित हुआ सोमनाथ मंदिर अपने पूरे वैभव के साथ फिर से खड़ा हो सकता है, तो हम हजार साल पहले का समृद्ध भारत भी बना सकते हैं। आइए, इसी प्रेरणा के साथ हम आगे बढ़ते हैं। एक नए संकल्प के साथ, एक विकसित भारत के निर्माण के लिए। एक ऐसा भारत, जिसका सभ्यतागत ज्ञान हमें विश्व कल्याण के लिए प्रयास करते रहने की प्रेरणा देता है।

जय सोमनाथ !

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

राजस्थान का शैक्षणिक संकट : वेंटिलेटर पर विश्वविद्यालय

अशोक कुमार

राजस्थान के शैक्षणिक परिदृश्य से संबन्धित 27 दिसम्बर 2025 को दैनिक भास्कर मे अर्पित शर्मा की एक रिपोर्ट चौंकाने वाली और विचलित करने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के 18 सरकारी विश्वविद्यालयों में से 10 विश्वविद्यालय ऐसे हैं जहाँ 100 प्रतिशत पद खाली हैं। इसका सीधा अर्थ यह है कि इन संस्थानों में एक भी नियमित शिक्षक या कर्मचारी तैनात नहीं है। शेष विश्वविद्यालयों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है, क्योंकि वे भी केवल 40 प्रतिशत स्टाफ के भरोसे जैसे–तैसे चल रहे हैं। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक विफलता को दर्शाती है, बल्कि उन लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ भी है जो बेहतर कल की उम्मीद में इन संस्थानों में प्रवेश लेते हैं।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इनमें से कुछ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद द्वारा ए प्लस ग्रेड प्राप्त हैं। नैक ग्रेडिंग किसी संस्थान की गुणवत्ता, शोध और बुनियादी ढांचे का पैमाना होती है। यदि ए प्लस ग्रेड वाले संस्थानों में भी शिक्षकों के 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत पद खाली हैं, तो यह दो बड़े सवाल खड़े करता है:–

पहला, क्या ये ग्रेडिंग केवल कागजी आंकड़ों और पुराने रिकॉर्ड्स के आधार पर दी गई है? दूसरा, बिना नियमित फैकल्टी के ये संस्थान अपनी गुणवत्ता को आने वाले समय में कैसे बरकरार रख पाएंगे? बिना शिक्षकों के शोध और नवाचार की कल्पना करना असंभव है। एक उच्च शिक्षण संस्थान केवल ईंट–गारे की इमारत नहीं, बल्कि विचारों का आदान–प्रदान करने वाला जीवंत केंद्र होता है, जो शिक्षकों के बिना मृतप्राय है।

राजस्थान विश्वविद्यालय से लेकर तकनीकी संस्थानों तक प्रदेश के सबसे प्रतिष्ठित राजस्थान विश्वविद्यालय में टीचिंग के 1016 स्वीकृत पदों में से 608 पद खाली हैं। वहीं नॉन–टीचिंग के 1692 में से 1034 पद खाली हैं।

अन्य संस्थानों की स्थिति और भी भयावह है: एमबीएम विश्वविद्यालय, जोधपुर: यहाँ टीचिंग के 147 और नॉन–टीचिंग के 253 पदों में से सभी (100 प्रतिशत) पद खाली हैं। यह एक तकनीकी विश्वविद्यालय है जहाँ प्रयोगात्मक ज्ञान की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। लॉ यूनिवर्सिटी और कोटा यूनिवर्सिटी: यहाँ भी रिक्त पदों का प्रतिशत शत–प्रतिशत के करीब है। संस्कृत विश्वविद्यालय: जहाँ अक्टूबर 2024 में भर्ती की स्वीकृति मिली थी, वहां भी परिणाम शून्य रहा है।

रिक्तियों का कारण केवल पदों की कमी नहीं है, बल्कि प्रशासनिक जटिलताएं और इच्छाशक्ति का अभाव है। भर्ती की प्रक्रिया कहीं रोस्टर प्रणाली के विवाद में फंसी है, तो कहीं वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति की फाइलों में दबी हुई है। सिंडिकेट से प्रस्ताव पारित न होना और सरकार द्वारा समय पर नियुक्तियां न करना, शिक्षा व्यवस्था को पंगु बना रहा है। पिछले दो वर्षों से कई संस्थानों में कोई नई भर्ती नहीं हुई है, जबकि छात्र संख्या निरंतर बढ़ रही है। कोठारी कमीशन के अनुसार, एक आदर्श शिक्षण व्यवस्था में शिक्षक–छात्र अनुपात 1:20 होना चाहिए। लेकिन राजस्थान के इन विश्वविद्यालयों में यह अनुपात पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। जब शिक्षक ही नहीं होंगे, तो:

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा: छात्रों को केवल डिग्रियां बांटी जा रही हैं, ज्ञान नहीं। बिना क्लासरूम टीचिंग के छात्र केवल गाइड और शॉर्ट–कट्स के भरोसे परीक्षा पास कर रहे हैं।

नई शिक्षा नीति कौशल विकास, अंत: विषय शिक्षा और शोध पर जोर देती है। इसे लागू करने के लिए अधिक ऊर्जावान और स्थायी शिक्षकों की आवश्यकता है। बिना स्टाफ के केवल एक कागजी दस्तावेज बनकर रह जाएगी। नियमित शिक्षकों के अभाव में गेस्ट फैकल्टी या संविदा कर्मियों से काम चलाया जाता है, जिससे शिक्षा में निरंतरता की कमी आती है और छात्रों का भविष्य अनिश्चितता में रहता है। तदर्थ व्यवस्था का मोह: सरकारें स्थायी भर्ती के भारी वित्तीय बोझ से बचने के लिए गेस्ट फैकल्टी या विद्या संबल जैसी योजनाओं पर निर्भर हो गई हैं। ये शिक्षक मेहनती हो सकते हैं, लेकिन संस्थान के प्रति उनकी कोई दीर्घकालिक जवाबदेही नहीं होती और न ही वे शोध कार्यों में योगदान दे पाते हैं।

भारत सरकार नई शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव का दावा कर रही है। राजस्थान में भी इसे लागू करने की तैयारी है। लेकिन वास्तविकता यह है कि बिना शिक्षकों के केवल एक कागजी पुलिंदा है।

बहु–विषयक शिक्षा: एनइपी के तहत छात्र अलग–अलग विषयों का चुनाव कर सकते हैं, लेकिन जब मूल विषयों के ही शिक्षक नहीं हैं, तो ऐच्छिक विषयों को कौन पढ़ाएगा?

यदि सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन वाकई शिक्षा के स्तर को सुधारना चाहते हैं, तो निम्नलिखित कदम उठाने अनिवार्य हैं:

मिशन मोड में भर्ती: अगले 6 महीनों के भीतर सभी रिक्त पदों को भरने के लिए एक विशेष अभियान एनइपी चलाया जाना चाहिए। रोस्टर और वित्तीय स्वीकृतियों की बाधाओं को दूर करने के लिए एकल खिड़की प्रणाली अपनाई जाए।

तदर्थ नियुक्तियों पर रोक: केवल कामचलाऊ व्यवस्था के बजाय स्थायी नियुक्तियों पर ध्यान दिया जाए ताकि शिक्षकों की जवाबदेही तय हो सके।भर्ती प्रक्रियाओं में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

विश्वविद्यालय केवल डिग्री बांटने वाले कारखाने नहीं बनने चाहिए। यदि जल्द ही इन रिक्त पदों को नहीं भरा गया, तो प्रदेश के युवाओं की बौद्धिक क्षमता और रोजगार की संभावनाओं को अपूरणीय क्षित होगी। ए प्लस ग्रेड की चमक तब तक फीकी रहेगी जब तक कि क्लासरूम में शिक्षक और छात्र के बीच संवाद नहीं होगा।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 5 जनवरी, 2026

माघ मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, पुष्य नक्षत्र दिन 1:25 तक, विष्कुम्भ योग रात्रि 10:47 तक, गर करण प्रात: 4:57 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–धनु, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–धनु, बुध–धनु, गुरू–मिथुन, शुक्र–धनु, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 1:25 तक है। भद्रा रात्रि 8:59 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:39 तक, शुभ 9:56 से 11:14 तक, चर 1:50 से 3:08 तक, लाभ–अमृत 3:08 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:43

मेष
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन: स्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी और अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वभाव पर नियंत्रण रखें।

मकर
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मीन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

जरूरतमंदों को कंबल बांटे

झुंझुनूं, (निसं)। बगड़ रोड स्थित पंसारी लॉयंस अस्पताल के समीप रविवार को श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था एवं लॉयंस क्लब झुंझुनूं के संयुक्त तत्वावधान में झुंझुनूं निवासी स्वर्गीय शारदा देवी मगंतूराम जालान की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र मुंबई प्रवासी देवेंद्र जालान के सौजन्य से जरूरतमंदों को कंबल वितरण कार्यक्रम में उपस्थित बतौर अतिथि गायत्री अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, प्रीति मोदी एवं रीजन चेयरमैन डॉ. एनएस नरूका द्वारा किया गया। इस दौरान अतिथियों का स्वागत श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था एवं लॉयंस क्लब झुंझुनूं की ओर से दुपट्टा ओढाकर प्रतीक चिह्न भेंटकर किया गया। इस अवसर पर श्रीश्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के ट्रस्टी डॉ. डीएन तुलस्यान, लॉयंस क्लब झुंझुनूं अध्यक्ष डॉ. देवेंद्रसिंह शेखावत, सचिव गोपालकृष्ण गुप्ता, स्पेशल कैबिनेट सेक्रेटरी एमजेएफ लॉयन नरेंद्र व्यास, एमजेएफ लॉयन रघुनाथप्रसाद पोद्दार, प्रहलाद अग्रवाल, श्यामसुंदर मोदी, विशाल अग्रवाल, मुबारिक अली पठान, महिपाल सिंह, विनिता शर्मा एवं रामप्रताप कुमावत सहित अन्य लॉयन सदस्य उपस्थित थे। अतिथियों ने कंबल वितरण के इस कार्य के लिए दानदाता एवं आयोजक संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सर्दी के इस मौसम में कोई न ठिठुरे अभियान निस्संदेह अनुकरणीय है। विदित है कि श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के कंबल वितरण अभियान आगामी 14 जनवरी मकर संक्रांति तक पांच हजार कंबल वितरण के लक्ष्य के साथ स्थानीय, प्रवासी एवं अप्रवासी दानदाता व भामाशाहों के सहयोग से लगातार जारी रहेगा।

विद्यालय भवन को जर्जर बताने के आदेश का विद्यालय प्रबंधन समिति ने विरोध किया

पाटन (निसं)। शिक्षा विभाग द्वारा करजो खरकड़ा गांव के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के भवन को जर्जर बताते हुए विद्यालय को बेगा की नांगल गांव के विद्यालय में मर्ज करने के आदेश के बाद गांव में असंतोष व्याप्त है। इस संबंध में करजो खरकड़ा गांव की विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित कर सरकार के इस निर्णय का विरोध दर्ज कराया गया।बैठक में समिति सदस्यों ने स्पष्ट किया कि विद्यालय भवन पूरी तरह सुरक्षित है और बच्चों की पढ़ाई बिना किसी जोखिम के संचालित की जा सकती है। समिति ने कहा कि विद्यालय को लगभग 7 किलोमीटर दूर रामपुरा बेगा की नांगल गांव में स्थानांतरित करने से छोटे बच्चों को आवागमन में गंभीर परेशानी होगी, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित होगी।विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने भी शिक्षा विभाग को पत्र भेजकर अवगत कराया है कि विद्यालय भवन जर्जर नहीं है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि वे स्वयं तथा उनकी अध्यापिका टीम विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण में शिक्षण कार्य कराने की पूरी जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं। साथ ही विद्यालय को अन्यत्र मर्ज नहीं करने की मांग की गई है। विद्यालय प्रबंधन समिति एवं ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग से मांग की है कि जमीनी वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए आदेश पर पुनर्विचार किया जाए तथा करजो गांव में ही विद्यालय का संचालन यथावत रखा जाए।

फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन

बिसाऊ (निसं)। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, बिसाऊ के सौजन्य से डॉ अरविन्द सैनी के जन्मदिवस के मोके पर फ्री कैंप का आयोजन बालाजी समिति वार्ड न 22 बिसाऊ मे आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीकिशन स्वामी ने की कार्यक्रम की शुरुआत पूजा अर्चना के साथ शुरू की। इस मौके पर ट्रस्ट द्वारा डॉ साहब का दुप्पटा पहनाकर रामकुमार सैनी ने स्वागत किया अध्यक्ष श्रीकिशन स्वामी का श्याम लाल सैनी, बालाजी समिति के सदस्य राजेंद्र सिंह परिहार का स्वागत सुरेश कुमार सैनी, श्री कुंदन एवं छगन लाल जी का स्वागत श्याम लाल सैनी किया इस मोके पर 70 से ज्यादा मरीजों ने स्वास्थ्य जाँच, दवाई निःशुल्क करवाई गई जिसमे शुगर, बी पी, इसपाइरो मशीन से सांस, सर्दी जुकाम आदि की जाँच निःशुल्क की गई इस मोके पर 20 डायबटीज के मरीजों को डॉ अरविन्द सैनी श्री धर्मनाथ क्लिनिक चूरू द्वारा निः शुल्क ग्लूकोमीटर वितरित किये गए मोके पर नन्दलाल सैनी, राजकुमार स्वामी, गौरव चौहान, समीर रायन, मोहम्मद आदिल आदि मौजूद थे

कॉलेज रतनगढ़ के टेनिस सितारे वेस्ट जोन में बिखेरेंगे जलवा

रतनगढ़ (निसं)। केपीएस कॉलेज, रतनगढ़ के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र वासुदेव बिजारणियां एवं अमित कुमार गोदारा का चयन लॉन टेनिस (पुरुष वर्ग) में वेस्ट जोन 2025-26 के अंतर्गत महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर की विश्वविद्यालय टीम के प्रतिनिधित्व हेतु हुआ है।चयनित खिलाडी विश्वविद्यालय टीम के साथ 7 जनवरी से 10 जनवरी 2026 तक कोल्हापुर (महाराष्ट्र) में आयोजित होने वाली वेस्ट जोन लॉन टेनिस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रतियोगिता हेतु विश्वविद्यालय टीम को 3 जनवरी 2026 को रतनगढ से रवाना किया गया। टीम को केपीएस कॉलेज के निदेशक डॉ. ओम प्रकाश गोदारा ने शुभकामनाओं के साथ रवाना करते हुए खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संत सम्मेलन आयोजित

पाटन (निसं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर आयोजित संत सम्मेलन मे घुघाडी धाम के मंहत श्रीश्री 108 अवध बिहारी दास महाराज ने नीमकाथाना का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह गोपाल कृष्ण ने सभी संतो को संबोधित करते हुए कहा की संत समाज को हमारी संस्कृति ओर धर्म को बचाने के लिए समाज को एकजुट करना होगा और सभी क्षेत्रों में आम नागरिक की भूमिका यह भी रहेगी कि सभी सामाजिक कार्य, गाय को बचाना व गरीबों की सहायता करना तथा धार्मिक आयोजनों में सच्ची निष्ठा के साथ कार्य करने वालों का सम्मान करने का कार्यक्रम रखें। और जनहित की जागरूकता जारी रखें और सामाजिक कार्य में ज्यादा से ज्यादा भूमिका निभाए। जिसमें पुरानी परंपराओं के अनुसार आज भी सच्ची निष्ठा के साथ मानवता जिंदी रहे ऐसा कार्य करें।

मंत्री जोराराम कुमावत का स्वागत किया

झुंझुनूं, (निसं)। केबिनेट मंत्री पशुपालन एवं देवस्थान विभाग जोराराम कुमावत से उनके झुंझुनूं प्रवास के दौरान रविवार दोपहर कुम्हार समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्री गोपाल गोशाला के अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया, मंत्री प्रदीप पाटोदिया एवं निवर्तमान मंत्री नेमी अग्रवाल ने भेंट की एवं उन्हें गौशाला की ओर से ज्ञापन दिया। जिसमें लिखा गया है कि श्री गोपाल गौशाला झुंझुनूं में गौवंश की संख्या काफी बढ़ गई है। जिसके कारण गौशाला में बीमार व दुर्घटनाग्रस्त गौवंश के इलाज के लिए एक स्थाई तौर पर सरकारी डॉक्टर की आवश्यकता है। ज्ञापन में गौशाला की ओर से निवेदन किया गया है कि यदि सरकारी सर्जन डॉक्टर स्थाई तौर पर लगा दिया जाता है तो काफी गौवंश को बचाने में मदद मिलेगी। इस कार्य को प्राथमिकता दी जाकर जल्द से जल्द स्थाई सरकारी डॉक्टर हो सके तो सर्जन लगवाए जाने की की कृपा करें।

श्रीकृष्ण रासलीला का मंचन सात से

रतनगढ़ (निसं)। भाईजी श्री हनुमानप्रसाद पोद्दार के नोहर में उनकी स्मृति महोत्सव के अंतर्गत पंच दिवसीय श्री कृष्ण रासलीला महोत्सव का आयोजन 7 से 11 जनवरी तक होगा।श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार स्मृति न्यास के सदस्य विष्णुदत्त चौधरी ने बताया कि रासलीला का मंचन अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वृंदावन से आई श्रीनिकुंज बिहारी रास मंडली के कलाकार करेंगे। रासलीला का समय सायं 7 बजे से रखा गया है। इसी क्रम में पंचदिवस पद रत्नाकर के पदगान का भी आयोजन प्रति दिवस 11 बजे से संत चितरंजनदास महाराज के सानिध्य में होगा तथा महाराज द्वारा प्रति दिवस संकीर्तन कराकर नगर प्रभात फेरी भी निकाली जाएगी।कार्यक्रम आयोजन की तैयारी में न्यास के किशनलाल पंसारी, कुलदीप चौधरी,ललित चौधरी सहित भाईजी के परिकर लगे है।

योग एवं पौषबड़ा कार्यक्रम मनाया

झुंझुनूं, (निसं)। रामादेवी महिला महाविद्यालय नूआं में चल रहे सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेविकाओं ने योग से शिविर की शुरूआत की। प्राचार्या डॉ. आशा मिश्रा, उप प्राचार्या डॉ. शहला सयीद एवं एनएसएस प्रभारी द्वितीय डॉ. नरेश नैण ने स्वयंसेविकाओं को योग क्रियाएं करवाई। उसके बाद स्वयंसेविकाओं ने पौषबड़ा कार्यक्रम के तहत पकौड़े बनाए और सभी को वितरित किए। ये सभी कार्यक्रम एनएसएस प्रभारी डॉ. नीतू सिंह के निर्देशन में हुए।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह सीकर प्रवास पर रहे

■ भारत रत्न स्व. वाजपेयी के नेतृत्व में देश ने अनेक उपलब्धियां हांसिल की : भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह

सीकर, (निसं)। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व राज्यसभा सदस्य अरूण सिंह रविवार को सीकर प्रवास पर रहे। वे भाजपा कार्यालय में आयोजित एसआईआर, पीबीजी राम जी, विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), संगठन सशक्तिकरण पखवाडा और अटल स्मृति वर्ष अभियान की कार्यशाला में मुख्य वक्ता थे। जिलाध्यक्ष मनोज बाटड की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, जिलाध्यक्ष मनोज बाटड, किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां, पूर्व जिलाध्यक्ष इंद्रा चौधरी, मनोज सिंघानिया, पूर्व विधायक केडी बाबर, मधु कुमावत आदि मंचस्थ रहे। पदाधिकारियों ने माँ भारती व पार्टी के संस्थापकों के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कार्यालय का शुभारंभ किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व राज्यसभा सदस्य अरूण सिंह ने कहा कि भाजपा के संस्थापक रहे स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में देश ने अनेक उपलब्धियां हासिल की थी। कहा कि स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा निरंतर आगे बढ़ती का काम किया। कहा कि अटलजी की सोच भारत को सशक्त, सक्षम व मजबूत बनाने की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्व. वाजपेयी के इन्हीं सपनों को साकार करने का काम रहे हैं। कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता अटलजी के सपनों का भारत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नरेगा में खड्डे खोदने का काम किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने संविधान में संशोधन करके पीबीजी राम जी नाम करके मजदूरों को अब 125 दिन को रोजगार तय करके उनका बेहतर भविष्य बनाने का काम किया है। अब इसी में नए तालाब, स्कूल, डिस्पेंसरियां, डेम आदि बनेंगे।

कांग्रेस पर प्रहार करते हुए श्री सिंह ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय में नरेगा के समय काम ही नहीं हुआ था, प्रोजेक्ट बने ही नहीं, मनरेगा के नाम पर एक सडक़ को कई बार बनाया गया। कहा कि कांग्रेस पार्टी नकारात्मक राजनीति करके भ्रम फैलाने में लगी हुई है, इसीलिए उसकी लगातार हार हो रही है और वह आज भी हार का ही सामना कर रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन में बेहतर कार्य किया जा रहा है। कहा कि राजस्थान में चल रहे एसआईआर में ध्यान से काम करने की जरूरत हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति पार्टी नीति, नियत व कार्ययोजना को लेकर चुनाव जीतती है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकारें अच्छा काम कर रही है।

अरूण सिंह के कार्यशाला में पहुंचने पर जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़ के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पार्टी का दुपट्टा, साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। इससे पहले पार्टी कार्यालय पहुंचने पर रास्ते में जेसीबी के ऊपर से फूलों की बरसात करके व मुख्य द्वार पर बड़ी माला पहनाकर राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह का स्वागत किया गया।

जिला मीडिया संयोजक जितेंद्र माथुर ने बताया कि इस दौरान रामावतार रूंथला, नेमीचंद कुमावत, बनवारीलाल यादव, पूर्णमल गुर्जर, प्रभुसिंह सेवद, रमेश जलधारी, सजन सैनी, सुमन वर्मा, श्रीहरि बियाणी, करण सिंह, सुल्तान खीचड, राजकुमार महला, मुलचंद रणवां, प्रभुसिंह गोगावास, अनुराधा, कंचन अग्रवाल, अनिता शर्मा, स्वदेश शर्मा, सुरेश सैनी, मुस्ताक अहमद, दिनेश भादवासी, यश जलधारी, जयदीप रेपसवाल, जितेश शर्मा, जयदीप त्रिलोकपुरा, धनराज, त्रिभुवन सिंह, ओमेंद्र चारण, मनोज धाबाई, इंद्र शर्मा, परमेश्वर शर्मा, सुशील शर्मा, विजयपाल चिराणियां, सुभाष भामू, जितेंद्र सिंह मंढा, मदन मावलिया, फूलचंद बाजिया, जितेंद्र बाजिया, नंदकिशोर सैनी, भंवरलाल जांगिड, डॉ. बीएल रणवां, वरूण कुशलेश शर्मा, मनोहरलाल सैनी, नरेंद्र कौशिक, गजेंद्र सिंह, भंवरी खोखर, सजन सिंह निर्वाण, सोनू सोनी, रामप्रसाद मिश्रा, प्रियंका बाजिया, भजनलाल टेलर, जावेद किरडोली, मदन जांगिड आदि मौजूद रहे।

राजस्थान भाजपा से कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता का भव्य स्वागत

■ चूरू जिले में भाजपा की राजनीति में नए समीकरण बनने की होने लगी है सुगबुगाहट

चूरू (निसं)। चूरू जिला मुख्यालय पर भाजपा संगठन के राजस्थान के पुनः कोषाध्यक्ष बनने पर चूरू तहसील के हर समुदाय के व्यक्ति पंकज गुप्ता का जगह जगह स्वागत कर रहे है।

पंकज गुप्ता की बेदाग छवि व ईमानदारी से कार्य करने वाले भाजपा के धरातल से जिसे हुए कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते है और यही कारण है कि चूरू तहसील में उनका जगह जगह स्वागत किया जा रहा है। रविवार को अंतरराष्ट्रीय व्यापारी व पूर्व चेयरमैन रहे गौरी शंकर ने अपने होटल में अग्रवाल समाज के व्यक्तियों की ओर से पंकज गुप्ता के स्वागत में समाज की ओर से जोरदार स्वागत किया और अग्रवाल समाज के अनेक बड़े बड़े व्यापारी के साथ अग्रवाल समाज के सैकडों व्यक्ति जिले भर से आकर पंकज गुप्ता का स्वागत किया। इससे पूर्व चूरू शहर में भी अग्रसेन भवन में पंकज गुप्ता का जोरदार स्वागत किया।

जिला मुख्यालय पर व्यापारी समुदाय के लोगों ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पंकज गुप्ता विधानसभा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराए तो इसमें कोई आश्चर्यजनक बात नहीं होगी। यहां यह भी ज्ञातव्य रहे कि गौरी शंकर मंडावेवाला ने जब वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री थी तो अपने निवास स्थान पर अपनी धर्म की बहन बनाकर राजे के धर्म भाई बने थे। अब पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे चाहे प्रदेश में मुख्यमंत्री नहीं है लेकिन उनकी लोकप्रियता ओर कार्यशैली से आम जनता में अभी भी पकड़ है।

आगामी विधानसभा चुनाव में व्यापारी समुदाय पंकज गुप्ता के पीछे खड़ा है और उनसे आग्रह कर रहा है कि वो विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुट जाए उन्हें अग्रवाल समाज का भरपूर समर्थन मिलेगा। पंकज गुप्ता का बढ़ता कद चूरू विधायक हरलाल सहारण व राठौड गुट को टक्कर देगा। उल्लेखनीय रहे कि पंकज गुप्ता आरएसएस के माने जाते है।

कांग्रेस नेताओं ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट लगाए जाने पर थाना प्रभारी को ज्ञापन दिया

राजलदेसर (निसं)। मीडिया पर अनुसूचित जनजाति एवं बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी की मांग की।

नगर कांग्रेस कमेटी, राजलदेसर यह कड़े शब्दों में निंदा करती है कि सोशल मीडिया पर एक असामाजिक तत्व द्वारा अनुसूचित जनजाति समाज एवं भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के विरुद्ध अत्यंत आपत्तिजनक, घृणास्पद एवं भड़काऊ भाषा का प्रयोग किया गया है। यह कृत्य न केवल समाज की भावनाओं को आहत करता है बल्कि कानूनन गंभीर अपराध भी है।

नगर कांग्रेस कमेटी ने आज पुलिस थाना राजलदेसर में ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि उक्त व्यक्ति को तत्काल गिरफ्तार किया जाए तथा उसके सोशल मीडिया अकाउंट एवं आपत्तिजनक सामग्री पर शीघ्र कानूनी रोक लगाई जाए। कांग्रेस कमेटी ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कठोर कार्यवाही नहीं की गई तो पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

मीडिया पर अनुसूचित जनजाति एवं बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी की मांग की।

नगर कांग्रेस कमेटी यह स्पष्ट करना चाहती है कि बाबा साहब और संविधान का अपमान किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए। ज्ञापन देने कांग्रेस नगर अध्यक्ष मोहम्मद जब्बार खोखर, पूर्व नेताप्रतिपक्ष मोहन लाल मेघवाल, मोहम्मद शरीफ छींपा, पार्षदगण और प्रतिनिधि भागीरथ रैगर, नब्बीबकस निर्बान, इदरीश खत्री, शरीफ बेहलीम, मिर्जाराम मेघवाल, गोविंद सिंह कठोड, डॉक्टर रतनलाल वाल्मीकि, राजेश स्वामी, भोजराज मेघवाल, रिजवान बगड, अशफाक बगड, कालू राम मेघवाल, संजय बारूपाल, चंद्रजीत वाल्मीकि, दीपाराम कडवासरा, बैनी माधव, इस्माइल खत्री, महबूब खत्री, सरवन मेघवाल, जाकिर हुसैन बगड, गुलाम बाबा काजी, गिरधारी लाल मेघवाल, रतनलाल मेघवाल, भंवरलाल मेघवाल, अनवर गौरी, असलम काजी, करीम बक्स छींपा, अन्य सभी समाज के लोग और पार्टी के सदस्यगण मौजूद रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

चूरू (निसं)। एन.एच. 52 स्थित एक निजी होटल में रविवार को चूरू जिला रावणा राजपूत संस्थान की ओर से रावणा राजपूत समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह व दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बजरंग सिंह ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दलपत सिंह के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर व पुष्प अर्पित कर किया। समाज के 27 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले महिला-पुरुषों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दिवंगत पूर्व पालिका अध्यक्ष मेघराज की पत्नी शिरू देवी, सुरजीत सिंह के पौत्र भगवान सिंह, भंवर सिंह चौहान की पत्नी सत्यवती और भवानी सिंह दांदू की पत्नी किरण कंवर को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये।

रावणा राजपूत समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

कलश यात्रा से भागवत कथा का आगाज

चूरू (निसं)। शहर के प्रतिभा नगर स्थित सोती भवन में केशव सेवा प्रन्यास की ओर से रविवार को भागवत कथा शुरू हुई। कथा से पूर्व प्रातः 11 बजे बद्रीनारायण मंदिर से ध्वज के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा मुख्य मार्गों से होती हुई सोती भवन पहुंची। इस अवसर पर कथावाचक हरिशरण महाराज ने कहा कि लोग विवेक का इस्तेमाल नहीं करते। विवेक से हर समस्या का समाधान संभव है। कथावाचक हरिशरण महाराज ने भागवत को मोक्षदायिनी बताते हुए कहा कि इसका आयोजन और श्रवण सौभाग्य की बात है। इसमें वेद-पुराण का सार है।

जरूरतमंदों को कंबल वितरण करना बहुत पुण्य का कार्य : रिणवां

राजलदेसर (निसं)। राजलदेसर युवा विकास समिति की प्रेरणा से कस्बे के भामाशाह छत्रसिंह बोथरा ने अपनी माता स्वर्गीय किरण देवी बोथरा पिता स्वर्गीय बाबूलाल बोथरा की स्मृति में गांव पंचायत बंडवा एवं बिनादेसर में जरूरतमंद महिलाओं एवं पुरुषों को श्री राम अक्षय गौशाला में 150 कंबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, नथू सिंह, युवा विकास समिति के अध्यक्ष रतन लाल बारूपाल, संरक्षक पूनम चंद्र गर्ग, पूर्व सरपंच करणी सिंह , हनुमाना राम सुथार के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व देवस्थान मंत्री रिणवां ने कहा अपने माता-पिता की याद में जो पुत्र इस सर्दी के मौसम में जरूरतमंद परिवार जनों को जो कंबल वितरण का कार्यक्रम लगातार कर रहे हैं उसके लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं है पूर्व मंत्री राजकुमार ने कहा भविष्य में भी इसी तरह छतर सिंह बोथरा परिवार जरूरतमंद परिवार जनों की सेवा करते रहे।

■ बोथरा परिवार ने 150 कंबल वितरित

जरूरतमंदों को कंबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में युवा विकास समिति के अध्यक्ष रतनलाल बारूपाल ने समिति के द्वारा अब तक कराए गए कार्यों की जानकारी दी एवं भामाशाह छतर सिंह बोथरा का आभार प्रकट करते हुए कहा कि लगातार 3 वर्षों से प्रतिवर्ष जितनी कंबल जरूरतमंदों को चाहिए उनके द्वारा मदद की जा रही है। उन्होंने छतर सिंह बोथरा परिवार का आभार जताया।

कार्यक्रम में कृष्ण गोपाल दाधीच ने कहा बोथरा परिवार के द्वारा बंडवा गांव के अंदर पहली बार कंबल वितरण का जो कार्यक्रम आयोजित किया है उसके लिए पूरे ग्राम वासियों की ओर से आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का बालाजी महाराज का लॉकेट पहनाकर सम्मान किया एवं जरूरतमंद महिला व पुरुषों ने छतर सिंह बोथरा का आभार बताया कार्यक्रम में युवा विकास समिति के मंत्री मदन दाधीच, रमेश सारस्वत, विनोद भाटिया, लालचंद सारस्वत, शिव भगवान सोनी,अशोक गर्ग, विकास दाधीच सहित अनेकों ग्रामवासी उपस्थित थे।

सार-समाचार

देवाराम चोधरी सचिव व अनिल सैनी सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष बने

चूरू (निसं)। राजस्थान मेडिकल एंड सेल्स रिप्रजेंटेटिव यूनियन का वार्षिक सम्मेलन व नव निर्वाचित कार्यकारिणी का गठन रविवार को दक्ष प्रजापति भवन में आयोजित किया गया। देवाराम चोधरी को सचिव व अनिल सैनी को कोषाध्यक्ष चुना गया। रविवार को आर एम एस आर यू के चूरू सब यूनिट का वार्षिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ। मीडिया प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्टेट के वाइस प्रेजिडेंट संजय माथुर थे। वहीं राज्य सचिव सवाईदान चारण, वर्किंग कमेटी के मैंबर सुनील गहलोत व धीरज सिंह विषिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि संजय माथुर ने बताया कि ये चार लेबर कोड किस तरह श्रमिक विरोधी है। इन श्रमिक विरोधी कोड के विरोध में एफ एम आर ए आई ओर श्रमिक संगठनों के आव्हान पर 12 फरवरी 2026 को सभी साथी हड़ताल पर जा रहे है। इस अवसर पर वार्षिक सम्मेलन में निवर्तमान सचिव ईश्वर सिंह ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अनिल सैनी ने ट्रेजरार रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसे सभी सभा मे आये साथियों द्वारा सर्वसम्मति से सराहा गया। इसके पश्चात सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें देवाराम चोधरी को सचिव ओर अनिल सैनी को ट्रेजरार चुना गया। विष्णु चौहान को जॉइंट सचिव चुना गया। मीडिया प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया की इस वार्षिक सम्मेलन में केमिस्ट एसोसिएषन से रामसिंह, राजपाल दहिया, सतीश कुमार, कमल जोशी, विष्णु चौहान, सुरजीत, नरेंद्र, विकास, मुकेश तंवर, राकेश जाट, महेंद्र, नरेंद्र चोधरी, दिवाकर व अन्य साथी उपस्थित थे।

64 रोगियों की निःशुल्क जांच की

झुंझुनूं, (निसं)। बगड रोड स्थित पंसारी लॉयंस अस्पताल में लॉयंस क्लब झुंझुनूं के तत्वावधान में स्वर्गीय छगनलाल मोदी एवं स्वर्गीय परमेश्वरीदेवी की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र पदमचंद एवं गजानंद मोदी के आर्थिक सौजन्य से मधुमेह चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। मधुमेह चिकित्सा शिविर में परामर्शकर्ता लॉयन डॉ. एनएस नरूका एवं लॉयन डॉ. अनिल अग्रवाल के परामर्श पर पंजीकृत किए गए 64 रोगियों की बीपी, शुगर, ब्लड की निःशुल्क जांच की गई। परामर्शकर्ता लॉयन डॉ. एनएस नरुका एवं लॉयन डॉ. अनिल अग्रवाल के परामर्श पर लिखी गई दवाइयां रोगियों को एक माह की निःशुल्क प्रदान की गई। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लॉयन डॉ. देवेंद्रसिंह शेखावत, सचिव लॉयन गोपाल कृष्ण गुप्ता, कोषाध्यक्ष लॉयन भागीरथप्रसाद जांगिड़, पीडीजी एमजेए लॉयन एसके केजड़ीवाल, स्पेशल केबिनेट सचिव एमजेएफ लॉयन नरेंद्र व्यास, एमजेएफ लॉयन रघुनाथप्रसाद पोद्दार, लॉयन कैलाश सिंघानिया, एमजेएफ लॉयन डॉ. मनोजसिंह टीकेएन, शिविर संयोजक लॉयन महिपाल सिंह, लॉयन विनिता शर्मा, लॉयन शिवरतन शर्मा, लॉयन मांगीलाल वर्मा, लॉयन महिपाल सिंह सहित अन्य जन उपस्थित रहे। मधुमेह चिकित्सा शिविर के संयोजक लॉयन महिपाल सिंह एवं बहुउद्देशीय चिकित्सा शिविर की संयोजिका लॉयन विनिता शर्मा थी।

पूर्व विधायक फूलचंद गुर्जर के निधन पर शोक, नेताओं ने श्रद्धांजलि दी

पाटन (निसं)। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा एवं सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष व पूर्व विधायक प्रेमसिंह बाजोर ने नीमकाथाना के पूर्व विधायक फूलचंद गुर्जर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस अवसर पर यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा एवं सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजोर ने स्वर्गीय फूलचंद गुर्जर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि फूलचंद गुर्जर सादगी, सहजता और जनसेवा के प्रतीक थे। नीमकाथाना से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर दो बार विधायक निर्वाचित होकर उन्होंने क्षेत्र के विकास में अहम योगदान दिया।पूर्व विधायक फूलचंद गुर्जर के आवास पर शोक संवेदना प्रकट करने के लिए दिनभर जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों का तांता लगा रहा। शोक व्यक्त करने वालों में पाटन प्रधान सुवालाल सैनी, पाटन सरपंच मनोज चौधरी, पूर्व जिला परिषद सदस्य फूलचंद खटाणा, एडवोकेट रामसिंह गुर्जर सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने स्वर्गीय गुर्जर के सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

चेतना महारैली 12 को

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी (निसं)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी सयुंक्त महासंघ की ओर से 12 जनवरी को चेतना महारैली का आव्हान किया गया है। महासंघ की उपशाखा की रविवार को उपशाखा अध्यक्ष महबूब अली की अध्यक्षता में आयोजित मीटिंग में 12 जनवरी को होने वाली चेतना महारैली को सफल बनाने का निर्णय लिया। मीटिंग में पंचायत समिति के सहायक अभियंता वीरेन्द्र सिंह, लेखाधिकारी बलबीर सिंह ढुकिया, प्रेम सिंह डोटासरा व रामावतार फगेडिया मंचस्थ अतिथि थे। वक्ताओं ने 12 जनवरी को चेतना महारैली में ज्यादा से ज़्यादा संख्या में कर्मचारी पहुंचे व महारैली को सफल बनाने का आव्हान किया। मीटिंग में परमेश्वर लाल बेनीवाल, रिछपालसिंह, महेन्द्र सिंह नर्सिंग स्टाफ से, नारायण गोदारा पटवारी संघ,केसरा राम, राजेन्द्र सिंह, शुभम शर्मा वीडिओ संघ, पीएचईडी से लक्ष्मी कांत, एलडीसी पंचायत से सन्दीप ढुकिया, महेश गढ़वाल, दिनेश बगडिया, सन्दीप जांगिड़, मनोज महला शिक्षक संघ से कमल जोशी लेखासहायक संघ, आईटी संघ आदि से कर्मचारी उपस्थित रहे। मीटिंग के बाद पोस्टर विमोचन किया गया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

झुंझुनूं, (निसं)। रामादेवी महिला पीजी महाविद्यालय नूआं में राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक शिविर के चौथे दिन परिसर विकास-स्वच्छ एवं हरा-भरा परिसर के तहत महाविद्यालय में श्रमदान, मेहंदी तथा केश सज्जा प्रतियोगिता आयोजन हुआ। सर्वप्रथम स्वयंसेविकाओं ने परिसर के उद्यान की साफ-सफाई की उसके बाद मेहंदी और केश सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया। मेहंदी प्रतियोगिता में बारह और केश सज्जा में दस छात्राओं ने भाग लिया। प्राचार्या डॉ. आशा मिश्रा और उप प्राचार्या डॉ. शहला सैयद ने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की। निर्णायक के रुप में सुनिता जाखड, सपना स्वामी, अनीशा बानो ने निष्पक्ष परिणाम दिए। एनएसएस प्रभारी डॉ. नीतू सिंह, प्रियंका, डिम्पल मील, ज्योति, मनीषा मोदी एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

टोंक में जमीन की खुदाई के दौरान सोने जैसी धातु से भरा घड़ा निकला

पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों का दावा है कि इस घड़े में कुछ धातु जैसे टुकड़े हैं

टोंक, (निसं)। निवाई उपखण्ड के सीदड़ा गांव में एक सुनसान जमीन से निकले रहस्यमयी घड़े को लेकर क्षेत्र व जिलेभर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों का दावा है कि इस घड़े में कुछ धातु जैसे टुकड़े हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि ये सोने जैसे दिखते हैं, खुदाई में सोने से भरे घड़े की अफवाह फैलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई, कुछ देर के लिए लूटपाट जैसी स्थिति हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मामला निवाई थाना क्षेत्र के सीदड़ा गांव की चारागाह भूमि पर शनिवार शाम का है, जहां स्थानीय लोगों ने बताया कि मेटल का ये घड़ा काफी पुराना है, क्योंकि अब इस तरह के घड़े चलन में नहीं है। शनिवार को गांव की एक चारागाह जमीन पर पूजा-अर्चना का सामान मिला था, जिसके बाद स्थानीय लोगों को यहां कोई खजाना गड़ा होने की आशंका हुई।

मौके पर पहुंचे तहसीलदार ने यहां जेसीबी से खुदाई शुरू की तो 100- 150 किलो वजनी काफी पुराना धातु का करीब 2 फीट ऊंचाई और डेढ़ फीट चौड़ाई का घड़ा

मौके पर तहसीलदार ने जेसीबी से खुदाई शुरू कराई तो घड़ा निकला।

- घड़े को प्रशासन ने ट्रेजरी ऑफिस में रखवाया है और जांच करवाई जा रही है
- घड़े की अफवाह फैलते ही भीड़ जमा हो गई, कुछ देर के लिए लूटपाट जैसी स्थिति हो गई

निकला, जिसमें सोने जैसी धातु के टुकड़े थे। घड़ा निकलने के बाद लोगों की भीड़ अनियंत्रित हो गई, जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने मशक्कत के बाद हालात को नियंत्रण में लिया। वहां मौजूद अधिकारियों ने बताया कि ये घड़ा करीब 10 फीट की गहराई से मिला है, इसका वजन भी काफी ज्यादा है, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह खुदाई किसने करवाई थी और क्या वाकई में यह गड़े धन का मामला है या और कुछ? फिलहाल घड़े को प्रशासन ने ट्रेजरी ऑफिस में रखवाया है, इसकी जांच करवाई जा रही है।

धोखे से जमीन बेची, मामला दर्ज : उदयपुर के नाई थाना पुलिस ने आरोपी व साथियों के खिलाफ धोखे से पीड़ित की जमीन अन्य व्यक्ति को बेचने एवं रूपये हड़पने का प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित मन्नाराम पुत्र नानाजी गमेती निवासी डामरिया भीलवाड़ा लखावली सुखेर ने हीरालाल पुत्र भेरूलाल डांगी निवासी थलफला बुझड़ा, हिम्मतलाल पुत्र नारायण रमेश गमेती निवासी बुझला के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने बुझड़ा में स्थित जमीन बेचने का प्रस्ताव रखा तथा उक्त जमीन 17 लाख 81 हजार रूपये में खरीदने का सौदा तय कर 3 लाख रूपये एडवांस देकर 26 जून 2025 को रजिस्ट्री करवा दी। गत दिनों की गई पड़ताल में आरोपियों द्वारा थलफला बुझड़ा निवासी काउडी नामक महिला की जमीन को धोखे से बेचने की जानकारी सामने आई है। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। इससे पूर्व आरोपियों को बड़गांव थाना पुलिस ने धोखे से जमीन बेचने के मामले में गिरफ्तार किया था।

एमपी जा रहे दंपती को कंटेनर ने चपेट में लिया, पत्नी की मौत

टोंक, (निसं)। जयपुर से अपने गांव मध्यप्रदेश जा रहे दंपती को कंटेनर ने चपेट में ले लिया। हादसे मं पत्नी की मौत हो गई, जबकि पति बाल-बाल बच गया। पत्नी के सिर से कंटेनर का टायर निकल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसा शनिवार को टोंक सदर थाना क्षेत्र से गुजर रहे जयपुर कोटा नेशनल हाईवे 52 पर मध्य प्रदेश राज्य के श्योपुर निवासी उर्मिला (50) व रामदयाल बैरवा जो जयपुर से मोटरसाईकिल पर ही सवार होकर

- बाइक से जयपुर से अपने गांव मध्यप्रदेश जा रहे थे पति-पत्नी, पति बाल-बाल बचा

अपने गांव जा रहे थे। इस दौरान जयपुर कोटा नेशनल हाईवे 52 पर कामधेनु सर्किल के पास बाइक के पास से गुजर रहे कंटेनर से बाइक चला रहे रामदयाल का संतुलन बिगड़ गया और दंपती गिर पड़े, इस दौरान पत्नी उर्मिला का सिर कंटेनर के टायर के नीचे आ गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति रोड किनारे की ओर गिर पड़ा, इससे वह बाल-बाल बच गया। इस दौरान पति का रो-रो कर बुरा हाल रहा, उधर हादसे के बाद कंटेनर को लोगों ने थोड़ी दूर ही रुकवा लिया। बाद में सूचना पर पहुंची सदर थाना पुलिस ने बाइक और कंटेनर को अपने कब्जे में ले लिया तथा शव को सआदत चिकित्सालय ले जाकर पोस्टमार्टम करवाकर पति को सौंप दिया। मामले में थाना पुलिस द्वारा कार्यवाही जारी है।

कुंड में गिरने से नवविवाहित दम्पती की मौत

तारानगर, (निसं)। तारानगर कस्बे के निकटवर्ती गांव किरसाली काँधलान में कुंड में गिरने से एक नवविवाहित पति-पत्नी की मौत हो गयी।

पुलिस के मुताबिक पप्पूराम पुत्र छोटूराम मेघवाल निवासी किराड़ा बड़ा हाल ढाणी लक्ष्मणसिंह राजपूत निवासी तारानगर वार्ड 29 ने रिपोर्ट दी कि वह अपने परिवार सहित तारानगर की रोही के किरसाली काँधलान में स्थित लक्ष्मणसिंह के खेत को हिस्से में लेकर काश्त करता है। करीब 2 साल से खेत में ढाणी बनाकर अपने परिवार सहित रहता है। रविवार सुबह करीब करीब 11 बजे वह उसका पुत्र सुनील व सुनील की पत्नी पूनम तीनों चने की फसल में खरपतवार कर रहे थे।

उस दौरान सुनील की पत्नी पूनम खेत में बने कुंड से पानी निकालने के लिए गई तो पानी निकालते समय अचानक पैर फिसल जाने से वह कुंड में गिर गई। जब पूनम ने अपने पति सुनील को आवाज लगाई तो उसका पति सुनील भाग कर आया और कुंड से अपनी पत्नी को निकालने की कोशिश की तो उसका भी पैर फिसल गया एवं वह भी कुंड में गिर गया और पानी में डूबने से दोनों की मौत हो गयी तभी आवाज सुनकर पप्पूराम एवं आसपास के किसान वहां आए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के सहयोग से परिजनों ने दोनों मृतकों के शवों को कुंड से बाहर निकाला एवं तारानगर के अस्पताल में लेकर आए, पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने मृतक सुनील के पिता की रिपोर्ट पर दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया एवं मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

40 लाख की सायबर ठगी, जालौर से आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह द्वारा सायबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रतापनगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इम्पर्सोनेशन (प्रतिरूपण) कर ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य ईश्वर मेघवाल (32) को जालौर से गिरफ्तार किया है।

प्रतापनगर थाना अधिकारी राजपाल सिंह ने बताया कि 28 जुलाई 2025 को परिवादी मिट्ठू लाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी के पास एक व्हाट्सएप कॉल आया, जिसकी डीपी पर प्रतिष्ठित व्यक्ति पृथ्वीराज कोठारी की फोटो थी। ठग ने खुद को कोठारी बताते हुए झांसे में लिया और अहमदाबाद में हवाला के जरिए 40

गिरफ्तार आरोपी

- आरोपी ने व्हाट्सएप पर नामी व्यक्ति की फोटो लगा ठगी की

लाख रुपये डलवा लिए। पुलिस टीम ने मोबाइल नंबर और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। सुराग मिलने पर टीम जालौर पहुंची और आरोपी ईश्वर मेघवाल निवासी मोदरा, रामसीन को डिटेन किया। पूछताछ में सामने आया है कि यह गिरोह राजस्थान के अलावा गुजरात, महाराष्ट्र और दिल्ली में भी सक्रिय है।

इस खुलासे में कांस्टेबल रामनिवास का विशेष योगदान रहा। टीम में सीआई राजपाल सिंह, एएसआई उदयलाल, हेड कांस्टेबल सुनील कुमार, कांस्टेबल नरेंद्र सिंह और प्रकाश शामिल थे।

मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। डबोक थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ कोडिन, गांजा परिवहन करने में प्रयुक्त वाहन जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, सहायक पुलिस अधीक्षक आशिमा वासवानी के सुपरविजन में डबोक थानाधिकारी हुकमसिंह मय टीम ने नान्दवेल नाहर मगरा रोड़ पर नाकाबंदी के दौरान पुलिस को देख भागने वाले स्कूटी चालक को पिछा कर दबोचा। पूछताछ में उसने अपना नाम विष्णु पुत्र कन्हैयालाल निवासी गंदोली घासा होना बताया। इस पर स्कूटी की तलाशी ली तो डिक्की में कोडियन युक्त सीरम की 26 शिशियां, 91.66 ग्राम अवैध गांजा मिला। इस पर मादक पदार्थ मय स्कूटी जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

सादुलपुर में हाईवे पर गैस टैंकरों से कॉमर्शियल सिलेंडर भरने का पर्दाफाश, एक गिरफ्तार

एक साल से रात के अंधेरे में हो रही थी गैस टैंकरों से गैस चोरी

सादुलपुर, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर गत एक वर्ष से भी अधिक समय से गैस टैंकरों से रात के अंधेरे में खाली कॉमर्शियल सिलेंडर भरने तथा गैस चोरी कर बिक्री करने जैसे मामले का राजगढ़ थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में एक पिकअप जीप में भरे 30 गैस सिलेंडर कॉमर्शियल को बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

एस आई सुरेश कुमार यादव ने बताया कि हरियाणा सीमा पर स्थित गोठ्या बड़ी गांव के पास पुलिस ने एक पिकअप जीप चालक को जांच के लिए रोककर पूछताछ की तो वह घबरा गया।

- पुलिस ने गोठ्या बड़ी से पिकअप जीप व 30 कॉमर्शियल सिलेंडर जब्त किये

चालक से पूछताछ में गैस सिलेंडरों के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया, जिस पर पुलिस ने आरोपी पर गैस सिलेंडरों सहित पिकअप जीप को जब्त करने की कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष जयपुर में गैस टैंकर में लगी आग जैसे बड़े हादसों को रोकने के लिए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी देवीलाल जाखड निवासी चुली बगडियान आदमपुर हरियाणा को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि गत एक वर्ष से आरोपी अपने साथियों के साथ हाईवे पर स्थित होटल पर पिकअप जीप को खड़ा कर रुकता था तथा गैस टैंकर चालकों से सम्पर्क कर और मिलीभगत कर पिकअप जीप में रखे खाली सिलेंडरों को गैस टैंकर से गैस चोरी कर सिलेंडरों को भर लेता। बाद में भरे हुए गैस सिलेंडरों को हिसार हरियाणा व अन्य क्षेत्रों में बिक्री कर देता था।

उन्होंने बताया कि गत वर्ष आरोपी को भरे हुए गैस सिलेंडरों के साथ भिवानी जिला हरियाणा पुलिस ने भी पिकअप जीप और सिलेंडरों के साथ गिरफ्तार किया था। यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी दुधवा खारा गांव के पास हाइवे किनारे एक किराए का मकान लेकर रहते थे। एसआई सुरेश कुमार ने बताया कि टैंकरों से गैस चोरी करते समय गैस का प्रेशर अधिक होता है, अगर मामूली सी भी चूक हो हो गई तो टैंकर सहित आसपास के क्षेत्र में धमाके के साथ जयपुर जैसा बड़ा हादसा गठित हो सकता है। पुलिस ने ऐसे हादसों को रोकने के लिए आरोपी को गिरफ्तार कर 30 गैस कॉमर्सियल सिलेंडरों सहित पिकअप जीप को जप्त करने की कार्रवाई की है।

परिवार से रंजिश का बदला लेने के लिये बच्चे की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलवर में 7 साल के बच्चे की गला दबाकर हत्या करने का मामला सामने आया है। वारदात के बाद आरोपी ने शव को सरसों के खेत में फेंक दिया। रैणी थाना इलाके के अहीर बास गांव में शनिवार देर रात करीब तीन बजे बच्चे का शव मिला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पीड़ित परिवार से रंजिश थी। इसका बदला लेने के लिए वह शनिवार दोपहर बच्चे को बहला-फुसलाकर ले गया और उसे मार डाला। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक अन्नु आसीन के पिता फखरू ने बताया कि मैं शनिवार दोपहर दवा

- बच्चे को बहला-फुसलाकर साथ ले गया आरोपी, मारकर खेत में फेंकी लाश
- रैणी थाना इलाके के अहीर बास गांव में बच्चे का शव मिला, जांच शुरु

लेकर अपनी झोपड़ी में रेस्ट कर रहा था। इस दौरान मेरा बेटा अन्नु आसीन पास ही स्थित ईंट-भट्टे पर ईंट रखने गया था। थोड़ी देर रेस्ट करने के बाद मैं ईंट-भट्टे पर काम करने चला गया। जब देर शाम बेटा घर नहीं लौटा तो हमने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान मेरे साथ ईंट-भट्टे पर काम करने वाले एक मजदूर ने बताया कि उसने दोपहर करीब एक बजे आरोपी अजरू (25) को अन्नु आसीन को बहला-फुसलाकर ले जाते हुए देखा था। इसके बाद हमने अजरू को पकड़ लिया। वह नशे की हालत में था।

अजरू को पकड़ने के बाद बच्चे के पिता ने पिनान पुलिस चौकी को सूचना दी। सूचना पर रैणी थाना और पिनान पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने आरोपी को डिटेन कर लिया। पुलिस के पूछताछ करने पर आरोपी घटनास्थल पर लेकर गया। वहां देर रात करीब तीन बजे खेत में बच्चे का शव मिला। पुलिस ने आरोपी अजरू को अरेस्ट कर लिया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिता फखरू ने बताया कि आरोपी अजरू उत्तर प्रदेश के मथुरा में मेरे ही गांव लेचोरी (दौलतपुर) का रहने वाला है। वह यहां अहीर बास गांव में हमारे साथ ईंट-भट्टे पर काम करता था। लेचोरी गांव में अजरू का परिवार हमारा पड़ोसी है। करीब ढाई महीने पहले दोनों परिवारों की महिलाओं में कहासुनी और मारपीट हो गई थी। अजरू छह दिन पहले ही भाई शौकीन के साथ बदले की भावना से अहीर बास गांव आया था।

सूने मकानों से जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। अम्बामाता थाना क्षेत्र में सूने मकान का चोर ताला तोड़ कर जेवर व नकदी चुरा ले गए। अन्यत्र पाटिया थाना क्षेत्र में सूने मकान से चोर जेवर व नकदी चुरा ले गए। अम्बामाता थाना क्षेत्र आजाद नगर सज्जन नगर रोड़ निवासी अरशद खां ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि मैं 30 दिसंबर को बाहर गया था एवं 2 जनवरी को लौटा तो मकान का ताला टूटा था। तलाशी ली तो अलमारी से सोने की अंगूठी, चेन तथा 25 हजार रूपये नकदी गायब थी। इसी तरह जिले के पाटिया थाना क्षेत्र झांझरी गांव निवासी दिपक असोड़ा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि 29 दिसंबर को मेरे सूने मकान का चोर ताला तोड़कर अलमारी से 25 हजार रूपये नकदी तथा 300 ग्राम चांदी के जेवरात चुरा ले गए।

राजगढ़ का आदर्श गांव कांधरान बना अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन का नया केंद्र

सादुलपुर, (निसं)। चूरू जिले की राजगढ़ तहसील का आदर्श गांव कांधरान अब अंतर्राष्ट्रीय पहचान की ओर तेजी से बढ़ रहा है। गांव की स्वच्छता, हरियाली और सामाजिक एकता ने विदेशियों को भी आकर्षित करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में रविवार को जर्मनी से पहला विदेशी पर्यटक दल आदर्श गांव कांधरान की खूबसूरती निहारने पहुँचा, जिससे पूरे क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है।

ग्रामवासी कृष्ण कुमार पूनियां ने बताया कि विदेशी पर्यटक दल ने सोशल मीडिया के माध्यम से गांव की तस्वीरें और जानकारी देखकर यहां आने का निर्णय लिया। गांव में प्रवेश

- गांव की स्वच्छता, हरियाली और सामाजिक एकता ने विदेशियों को आकर्षित किया, जर्मनी से पहला विदेशी पर्यटक दल आदर्श गांव कांधरान की खूबसूरती निहारने पहुंचा

करते ही साफ-सुथरी गलियां, चारों ओर फैली हरियाली, घने पेड़-पौधे और अनुशासित जीवनशैली देखकर वह अत्यंत आश्चर्यचकित और प्रभावित नजर आये।

इस दौरान पर्यटक दल ने कहा कि भारत के ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह की स्वच्छता, पर्यावरण के प्रति जागरूकता और आपसी भाईचारे का उदाहरण दुर्लभ है। गांव के लोगों की एकता, मिलनसार स्वभाव और सामूहिक प्रयासों ने कांधरान को वास्तव में 'आदर्श' गांव बना दिया है। गांववासियों ने पारंपरिक भारतीय अतिथि सत्कार के साथ विदेशी मेहमान का स्वागत किया। ग्रामीणों का मानना है कि इस तरह के आगमन से आने वाले समय में कांधरान गांव पर्यटन मानचित्र पर एक नई पहचान बनाएगा और अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणा बनेगा।

झुंझुनूं पुलिस ने लाखों की नगदी से भरा एटीएम लुटने से बचाया

ब्लैक स्कॉर्पियो में सवार होकर आए थे बदमाश

मुकुंदगढ़, (निसं)। झुंझुनूं पुलिस ने एक बार फिर एक बड़ी एटीएम लूट की वारदात होने से टाल दिया है। डेढ़ महीने में यह तीसरा एटीएम है जो पुलिस की सतर्कता के कारण लूटने से बच गया।

बीती रात को मुकुंदगढ़ कस्बे के मंडी से झुंझुनूं रोड पर लगा एक्सिस बैंक का एटीएम बदमाशों के निशाने पर था। रात को करीब डेढ़ बजे ब्लेक स्कॉर्पिओ में सवार होकर आए बदमाशों ने पहले तो एटीएम में लगे कैमरों पर ब्लेक स्प्रे किया, इसके बाद मोटी रस्सी बांधकर स्कॉर्पिओ से एटीएम को एक ही झटके में उखाड़ लिया। जब एटीएम उखाड़ा तो एटीएम रूम में लगे कांच के शीशे टूट गए और तेज आवाज हुई। तेज आवाज से पड़ौसी जग गए, जिन्होंने पुलिस को इत्तला दी कि कोई एटीएम के साथ छेड़छाड़ कर रहा है। पुलिस ने भी बिना कोई वक्त गंवाए गश्त की गाड़ी को मौके पर भेजा। तब तक बदमाश एटीएम मशीन को गाड़ी में डालने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन बार-बार नाकामयाब हो रहे थे। पुलिस की गाड़ी देखकर बदमाश मशीन छोड़कर भाग गए। पुलिस ने बदमाशों का मंडी होते

- बदमाशों ने एटीएम उखाड़ा तो एटीएम रूम में लगे शीशे टूट गए और तेज आवाज हुई
- तेज आवाज से पड़ौसी जग गए, पुलिस को इत्तला दी कि कोई एटीएम से छेड़छाड़ कर रहा है
- पुलिस की गाड़ी देखकर बदमाश एटीएम मशीन मौके पर ही छोड़कर भाग गए

हुए कसेरू अंडरपास और हाइवे पर पिछा किया लेकिन इसके बाद बदमाश पुलिस को चकमा देकर जेजूसर होते हुए गायब हो गए, जिनकी तलाश के लिए अभी भी एक श्रेणी की नाकाबंदी करवाई गई है। बताया जा रहा है कि इस एटीएम में ना केवल पैसे निकालने, बल्कि पैसे जमा कराने की सुविधा भी है। बुधवार को एटीएम में बैंक द्वारा 20 लाख रूपए डाले गए थे। वर्तमान स्थिति बाद में पता चलेगी। एटीएम लूट की कोशिश की सूचना पर बैंककर्मी भी देर रात मौके पर पहुंचे। सीआई ताराचंद ने बताया कि आरोपियों की तलाश के लिए टीमें लगी हुई है। एटीएम मशीन क्षितग्रस्त हुई है। कैश पूरी तरह से सुरक्षित है।

15 नवंबर को भी की थी कोशिश, लेकिन पुलिस की सर्तकता पड़ी भारी:- करीब डेढ़ महीने पहले 15 नवंबर 2025 को भी झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ कस्बे में बदमाशों ने दो एटीएम को लूटने की कोशिश की थी, लेकिन सूचना मिलने पर तुरंत मौके पर पहुंचकर पुलिस ने दोनों ही एटीएम को लूटने बचा लिया था। यही नहीं करीब एक महीने की कड़ी मशक्कत के बाद 500 किलोमीटर तक बदमाशों का पीछा कर तीन आरोपियों को धर दबोचा था। जो हरियाणा के मेवात इलाके पलवल और नूंह जिलों के रहने वाले थे। बीते करीब डेढ़ महीने में पुलिस की सतर्कता से ये तीसरा एटीएम है। जो लूटने से बचाया गया है।

पुलिस के हाथ एटीएम रूम के अंदर का सीसीटीवी फुटेज लगा है। जिसमें बदमाशों से जुड़ा अहम सुराग मिला है। फुटेज में एक बदमाश चेहरा ढककर एटीएम के कैमरों पर स्प्रे करते हुए दिखाई दे रहा है। खास बात यह है कि आरोपी के हाथ में चांदी का कड़ा नजर आ रहा है, जिस पर साफ तौर पर इंग्लिश में राजकुमार नाम लिखा हुआ है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस को आशंका है कि बदमाशों के इस गिरोह में राजकुमार नाम का एक सदस्य शामिल हो सकता है। हालांकि पुलिस ने अभी तक आधिकारिक तौर पर नाम की पुष्टि नहीं की है, लेकिन नाम और हुलिए के आधार पर तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस अब राजकुमार नाम के संदिग्धों की जानकारी जुटा रही है। सीसीटीवी फुटेज को आसपास के थानों और जिलों में साझा किया गया है। गैंग के अन्य सदस्यों की पहचान के प्रयास भी तेज कर दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले में और खुलासे हो सकते हैं।

शॉर्ट सर्किट से मकान में आग लगी

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर कस्बे के सिद्धमुख मोड़ पर बीती रात्रि को घर में अचानक आग लग जाने का मामला सामने आया है, जिससे घर में रखा अनाज, कपडे व अन्य सामान जल गया।

नाथूराम ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार की रात्रि को घर के सभी सदस्य सोए हुए थे तभी रात करीब एक बजे नींद खुली तो कमरे से बहुत ज्यादा धुंआ निकलता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद घर की बिजली की लाइन काटकर कपड़ों में लगी आग पर मिट्टी व पानी डालकर आग पर काबू पाया। इसके बाद देखा तो कमरे में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी, जिस कारण कमरे में रखे मूंग, ग्वार, अनाज के कट्टों में आग पकड़ ली, जिससे आग और ज्यादा फैल गई। जिस पर घर के लोगों ने बिजली की लाइन काटकर आगजनी पर काबू पाया।

34 किलो गांजा जब्त

उदयपुर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान पानरवा थानाधिकारी भागीरथ कुमार बुन्देला के नेतृत्व में गठित दल ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर झैर गांव में भौजा पुत्र भुरा निवासी झेर के घर से 34.500 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त किया। पुलिस कार्यवाही का पता चलने पर आरोपी मौका मिलते ही फरार हो गया।

जोधपुर के बासनी गांव में आ रहे दूषित पानी से क्षेत्रवासी परेशान

मामले की शिकायत पीएचईडी विभाग को की, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के बासनी फेज सेकेंड स्थित बासनी गांव के लगभग 500 घरों की बस्ती में पिछले कई दिनों से प्रदूषित आ रहा है। इसकी शिकायत पीएचईडी विभाग को की लेकिन समस्या का कोई समाधान नही हुआ है। लोगों का कहना है कि पानी केमिकल युक्त है। इससे लोग काफी परेशान हैं और कई लोग बीमार भी हो रहे हैं। लोगों ने बताया कि एक महीने से गंदा पानी आ रहा है। ऐसा पानी पीने से हम बीमार हो रहे हैं। बुखार-दस्त हो रखे हैं। पेट में दर्द रहता है। एक महीने से सुनवाई नहीं हो रही है।

एक अन्य निवासी ने बताया कि एक महीने से मोहल्लावासी परेशान हैं। जलदाय विभाग के अधिकारियों लगातार शिकायत कर रहे हैं लेकिन समाधान नहीं हुआ है। वहीं, स्थानीय निवासी कालूराम ने आरोप लगाया कि पेयजल में फैक्ट्रियों के केमिकल का पानी आ रहा है। जनप्रतिनिधियों को भी शिकायत की लेकिन कहीं सुनवाई नही हो रही।

इस समस्या को लेकर स्थानीय

- एक महीने से आ रहे गंदे पानी को पीने से लोग बीमार हो रहे हैं
- आरोप है कि पेयजल में फैक्ट्रियों के केमिकल का पानी आ रहा है, जनप्रतिनिधियों को भी शिकायत की लेकिन कहीं सुनवाई नही हो रही है

पार्षद सुरेश मेघवाल तथा पार्षद रमेश प्रजापत ने भी विभाग के अधिकारियों का अवगत कराया लेकिन समस्या अभी भी बरकरार है। लोगों का कहना है कि दाऊजी की होटल एम्स तिराहे से होते हुए बासनी गांव की तरफ पानी की लाइन आ रही है। इसमें लीकेज के कारण गन्दे नाले में बहने वाला पानी इस लाइन में मिक्स होकर आ रहा है, जिससे लोग बीमार पड़ रहे हैं।

पीएचईडी जेईएन मोहित जैन ने बताया कि मोहल्ले में करीब 20 दिन पहले गंदा पानी आने की शिकायत मिली थी जिस पर चेक किया तो एक नाले में पाइप की क्रॉसिंग हो रही थी जो कि टूटा हुआ पाया गया उसको ठीक कर दिया गया था। उसके बाद पेयजल सप्लाई सही हो गई थी, लेकिन कुछ समय बाद फिर शिकायत आई तो भंवरजी का ढाबा पर क्रॉसिंग में टेक्सटाइल वाटर आ रहा था। वहां चेक करके टेक्सटाइल कनेक्शन काट दिया गया था और लीकेज को हटा दिया गया था। विभाग की टीम पॉसिबल लोकेशन चेक करने में लगी हुई है। मोहित जैन ने बताया किदाऊजी के होटल से लेकर घासीरामजी की गली तक लाइन चेक की जाएगी ताकि लीकेज पकड़ में आ सके। फिर भी पकड़ में नहीं आती है तो सप्लाई काटकर पेयजल सप्लाई की वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। कॉलोनी में टैंकर या अन्य तरीके से पानी पहुंचाया जाएगा। पेयजल लाइन पुरानी होने से भी लीकेज की समस्या आ रही है।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में निवेश के लिए आदर्श गंत्व्य है राजस्थान : कर्नल राठौड़

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री ने किया राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 का उद्घाटन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने रविवार को जयपुर में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 का उद्घाटन किया।

कर्नल राठौड़ ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज प्रौद्योगिकी अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी है। गांव-देहात का व्यक्ति आज आईटी के माध्यम से वैश्विक तन्त्र से जुड़ रहा है। राजस्थान सरकार की आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) एवं तकनीकी नीतियों एवं दक्ष युवा संसाधन की उपलब्धता के कारण आज तकनीकी क्षेत्र में निवेश के लिए राजस्थान एक आदर्श गंतव्य है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सक्षम नेतृत्व में प्रदेश में उद्योग, रोजगार, शिक्षा, कृषि सभी क्षेत्रों एआई के उपयोग को निरन्तर प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

राजस्थान सरकार द्वारा आईस्टार्ट के माध्यम से हजारों स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि उद्यिमयों के सबसे बड़े वैश्विक नेटवर्क टाई द्वारा ग्लोबल समिट के लिए पहली नॉन मेट्रो सिटी के रूप में जयपुर का चुनाव एक एआई हब के रूप में राजस्थान की संभावनाओं को रेखांकित करता है। इस ग्लोबल समिट के माध्यम से नवाचार, निवेश एवं उद्यिमता को एक मंच पर लाया गया है। आगामी तीन दिनों में 100 से अधिक स्टार्टअप्स को वैश्विक निवेशकों के समक्ष पिच करने का अवसर मिलेगा। 35 विश्वविद्यालयों द्वारा एआई एवं तकनीकी क्षेत्र में नए विचारों पर मंथन किया जाएगा।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने रविवार को जयपुर में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 का उद्घाटन किया।

- दक्ष युवा और संसाधनों की प्रचुर उपलब्धता के साथ राजस्थान बन रहा तकनीकी क्रांति में अग्रणी : राठौड़
- समारोह में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग तथा 7 प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच एमओयू भी हुए

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट के माध्यम से नीति निर्माण, रोजगार सृजन, तकनीकी उद्यिमता एवं सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। जयपुर एक नवाचार के हब के रूप में तकनीकी क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। डिजिफेस्ट के माध्यम से स्थानीय स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलने के साथ साथ वैश्विक निवेशकों का देश प्रदेश से जुड़ाव बढ़ेगा। एनवीडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (अमरीका) शंकर त्रिवेदी ने कहा कि एआई के माध्यम से हर क्षेत्र में नए अवसरों का सृजन होता है। एआई के क्षेत्र में नए विचारों पर व्यापक मंथन एवं निवेश हेतु उद्यिमयों के लिए राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट एक शानदार मंच है।

टाई ग्लोबल के अध्यक्ष डॉ. मुरली बुक्कापटनम ने कहा कि टाई के माध्यम से नवोन्मेषी सोच और उद्यम को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। आज एआई सर्वाधिक तेजी से बढ रहा एवं अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है। उन्होंने जयपुर में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट के आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे प्रदेश के युवाओं को वैश्विक मंच पर पहुंचने के अवसर मिलेंगे।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग विभाग के आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए समिट में उपस्थित जनसमूह को विभागीय योजनाओं से अवगत करवाया। उद्घाटन सत्र में उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सुरेश ओला भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग तथा 7 प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच एमओयू का हस्तांतरण भी किया गया। राजस्थान इनोवेशन हब के जोधपुर पोर्टल का लॉन्च किया गया। इस दौरान प्रदेश में आईस्टार्ट की प्रगति तथा एआई एवं प्रौद्योगिकी के विकास संबंधित लघु फिल्में भी प्रदर्शित की गई। इस दौरान विश्व भर से आए तकनीकी उद्यमी एवं विशेषज्ञ, अकादमिक हस्तियां, वक्ता, स्टार्टअप संस्थापक, निवेशक, विद्यार्थी एवं आमजन उपस्थित रहे।

सचिवालय में पार्किंग व्यवस्था का हो रहा कायाकल्प, ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी ने बनाया एक्शन प्लान, सितम्बर माह तक हो जाएंगे सभी सम्बंधित कार्य

जयपुर (कासं)। शासन सचिवालय में पार्किंग व्यवस्था के सुदृढीकरण के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश की पालना में तेजी से कार्य किया जा रहा है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने इस सम्बंध में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय अवधि में नवीन पार्किंग निर्माण और मौजूदा पार्किंग की मरम्मत और सौंदर्यकरण करवाने के निर्देश दिए हैं।

ताजा स्थिति के अनुसार फ्रंट लोन के नीचे दो मंजिला बेसमेंट पार्किंग में पानी रिसाव की समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए थर्ड पार्टी फिजिकल ऑडिट की रिपोर्ट के आधार पर 5 करोड 42 लाख रुपये बजट व्यय कर मरम्मत कार्य करवाया जा रहा है। यह कार्य आगामी सितम्बर माह तक पूर्ण हो जाएगा।

इस मरम्मत कार्य से 550 फोर व्हीलर क्षमता वाली वाली इस पार्किंग की जलरिसाव की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हो जाएगा। यहां पूर्व में हुआ निर्माण कार्य पुराना होने के कारण एक्सपेंशन जॉइंट्स से पानी रिसाव होने पर बीम, कॉलम और पिलर में लगे लोहे के सरियों में जंग लग रही है और सीमेंट और कंक्रीट का जोड कमजोर हो गया है।

इसके साथ ही सचिवालय प्रवेश द्वार के पास बन रहे नार्थ ब्लॉक के नीचे भी 3 मंजिला बेसमेंट में 268 चार पहिया वाहनों का पार्किंग स्पेस है। इस पार्किंग का निर्माण कार्य आगामी जून माह तक पूर्ण हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि शासन सचिवालय, विधानसभा, राजस्थान उच्च न्यायालय, आयकर विभाग समेत कई महत्वपूर्ण संस्थानों के कारण इस एरिया में पार्किंग और ट्रैफिक व्यवस्था में सीधा सम्बंध है।

समुचित पार्किंग के अभाव में कई बार जाम लगने की समस्या हो जाती है। इसी को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने सचिवालय वाहन पार्किंग व्यवस्था में आमूलचूल सुधार के निर्देश दिए थे।

इससे सचिवालय में कार्यरत कार्मिकों के साथ ही राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले परिवादियों, कार्मिकों और गणमान्य लोगों को बडी सुविधा मिलेगी, जाम में लगने वाले समय और ईंधन हानि से राहत मिलेगी।

560 गैस सिलेंडरों से भरे ट्रक के ब्रेक फेल

जयपुर । गढ़ गणेश मंदिर के नजदीक आबादी क्षेत्र गैटोर रोड पर रविवार को बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ब्रह्मपुरी से गुजरते समय गैस सिलेंडरों से भरे ट्रक के ब्रेक फेल हो गए, और ट्रक रिवर्स में आकर एक मकान के चबूतरे से टकरा गया।

इस हादसे में मकान का चबूतरा और एक कार क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन जनहानि नहीं हुई, यह बड़ी राहत की बात रही।

थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि ट्रक में करीब 560 गैस सिलेंडर भरे हुए थे, जो ओवरलोड बताए जा रहे हैं। अगर सिलेंडर फट जाते या लीकेज होते तो पूरे इलाके में बडा हादसा हो सकता था। मौके पर मौजूद लोगों की जान भी बाल-बाल बची। पुलिस ने तुरंत पहुंचकर सिलेंडरों को दूसरी गाड़ियों में शिफ्ट कराया और क्रेन की सहायता से ट्रक को सड़क किनारे हटाया गया। यातायात भी कुछ समय में सुचारू कर दिया गया।

थानाधिकारी ने बताया कि ट्रक ड्राइवर गूगल मैप के अनुसार ब्रह्मपुरी से जा रहा था। चढ़ाई पर ब्रेक फेल होने के कारण ट्रक रिवर्स में चला गया और मकान से टकरा गया। हादसे में एक कार भी क्षतिग्रस्त हुई, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

मुख्य सचिव ने सेना परेड दिवस की तैयारियों का जायजा लिया

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को जगतपुरा में सेना परेड के आयोजन स्थल पर जाकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

जयपुर (कासं)। जयपुर में 8 जनवरी से 15 जनवरी 2026 तक आयोजित होने जा रही सेना दिवस परेड-2026 के दिव्य एवं भव्य आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को महल रोड, जगतपुरा स्थित आयोजन स्थल का दौरा कर सेना दिवस परेड की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने आयोजन स्थल पर पहुंचकर मैप्स एवं चार्ट के माध्यम से विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सेना दिवस परेड का जयपुर में आयोजन पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है और इसे राष्ट्रीय स्तर की गरिमा के अनुरूप आयोजित किया जाना चाहिए। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान सरकार सेना दिवस परेड-2026 के सफल आयोजन हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, दर्शक दीर्घा एवं मंच व्यवस्था, स्वच्छता, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था, पार्किंग, चिकित्सा सेवाएं तथा आपातकालीन प्रबंधन को लेकर विशेष निर्देश दिए। साथ ही, आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पूर्व तैयारी एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशासन एवं सेना के अधिकारियों से फील्ड-लेवल तैयारियों की जानकारी ली तथा आवश्यक सुधारात्मक सुझाव भी दिए। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव नवीन जैन, जयपुर कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, आयुक्त नगर निगम डॉ. गौरव सैनी, मेजर जनरल अमर रामदासानी, मेजर जनरल रोहित मेहरोत्रा, ब्रिगेडियर सुरेन्द्र सिंह शेखावत, ब्रिगेडियर संजय शर्मा एवं कर्नल सुभाष बसेरा सहित प्रशासन एवं सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

डोटासरा भाजपा की चिंता छोड़ें, कांग्रेस की करें : मदन राठौड़

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने गोविंद सिंह डोटासरा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि डोटासरा को इस बात की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है कि मैं क्या कर रहा हूं या क्या नहीं कर रहा हूं। मेरा संगठन और मीडिया यह देख रहा है, वही पर्याप्त है। राठौड़ ने कहा कि उन्हें गोविंद सिंह डोटासरा से किसी प्रकार का सर्टिफिकेट लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि डोटासरा पहले अपना घर संभालें, मेरी पार्टी की चिंता न करें। कांग्रेस की स्थिति ऐसी हो गई है कि उनके नेता मेंढकों की तरह इधर-उधर उछलते फिर रहे हैं।

मदन राठौड़ ने कहा कि डोटासरा का बयान कांग्रेस की हताशा और राजनीतिक दिवालियेपन को दर्शाती है। भाजपा नेताओं पर व्यक्तिगत और स्तरहीन टिप्पणियां करना कांग्रेस की पुरानी आदत रही है, जो अब और उजागर हो गई है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को जनता के सवालों और अपनी विफलताओं का जवाब देने के बजाय अनर्गल बयानबाजी में समय बर्बाद करने की आदत हो गई है। डोटासरा को पहले यह बताना चाहिए कि कांग्रेस शासन में राजस्थान को क्या उपलब्धियां मिलीं और आज उनकी पार्टी क्यों बिखराव की स्थिति में है। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनहित के निर्णय ले रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राजस्थान विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। इसी से घबराकर कांग्रेस नेता तथ्यहीन और हास्यास्पद बयान दे रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस चाहे जितनी बयानबाजी कर ले, लेकिन जनता सच्चाई जानती है।

पॉक्सो एक्ट में 11 माह से वांछित बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । मानसरोवर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में करीब ग्यारह महीने से वांछित चल रहे इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपित से फरार काटने और उसका साथ देने वालों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज राज ने बताया।

पत्नी पर लाखों रुपए और कीमती जेवरात हड़पने का आरोप लगाया

युवक का आरोप है कि पत्नी ने बिना तलाक दिए ही दूसरी शादी भी कर ली

जयपुर। राजधानी के जवाहर नगर थाने में एक पीड़ित पति ने अपनी पत्नी और उसके परिजनों के खिलाफ कूटरचित साजिश कर 75 लाख रुपए समेत लाखों रुपयों के सोने-चांदी के आभूषण हड़पने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर इसकी जांच उच्च अधिकारियों के सुपुर्द कर दी है। गौरतलब है कि दिल्ली निवासी पीड़ित की शादी वर्ष -2009 में जवाहर नगर इलाके में रहने वाली एक महिला से हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही विवाहिता पति का घर छोड़कर दिल्ली चली गई और काफी समझाईश के बाद भी नही लौटी और पति पर दहेज मांगने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करा दिया। लेकिन कुछ दिन बाद ही पीड़ित पति को जानकारी मिली की उसकी पत्नी दूसरी शादी कर चुकी है।

- जवाहर नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर इस प्रकरण की जांच शुरु की

शादी करने के बाद भी वो दहेज प्रताड़ना केस की एवज में 75 लाख रुपए कैश और सोने के जेवर की डिमांड कर रही है। परिवादी का आरोप है कि उसकी पत्नी ने न केवल उसे धोखा दिया, बल्कि अब वह साजिश रचकर उससे मोटी रकम और जेवरात वसूलना चाहती है।पति ने आरोप लगाया है कि पत्नी और उसके परिवार के लोगों ने यह जानकारी छुपाकर रखी। पीड़ित ने बताया कि वह कई बार केस के सिलसिले में जयपुर आता रहा, दिल्ली में उसका काम प्रभावित हुआ, लेकिन उसके बाद भी पत्नी ने या परिवार के किसी भी सदस्य ने कोई जानकारी नहीं दी। जबकि वह अपने रिश्ते को बचाने का प्रयास करता रहा। जवाहर नगर पुलिस ने चार गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। केस में पत्नी और परिवार के चार सदस्यों का नाम शामिल है।

स्मैक तस्कर पकड़ा

जयपुर। आमेर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) जयपुर उत्तर ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले तस्कर दानमल तंवर (25) निवासी अकलेरा जिला झालावाड़ को को गिरफ्तार कर उसके पास से 106 ग्राम 05 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त की है।

प्रधानमंत्री मोदी डायनामिक लीडर : पद्मश्री बॉब ब्लैकमैन

ब्रिटिश सांसद ने कहा ''भारत का पूरी दुनिया में सम्मान और स्वाभिमान बढ़ा''

ब्रिटिश सांसद पद्मश्री बॉब ब्लैकमैन के सम्मान में भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने कांस्टीट्यूशन क्लब में हाई-टी का आयोजन किया।

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत विजन और उनके मजबूत नेतृत्व की ब्रिटेन से लेकर विश्वभर में प्रशंसा करने वाले ब्रिटिश सांसद पद्मश्री बॉब ब्लैकमैन के सम्मान में भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने कांस्टीट्यूशन क्लब जयपुर में हाई-टी का आयोजन किया, जिसमें जयपुर के प्रबुद्धजन शामिल हुए।

ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि, पूरी दुनिया को विश्व शांति और वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डायनामिक लीडर हैं, जिनके नेतृत्व में भारत प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। आज भारत का पूरी दुनिया में सम्मान और स्वाभिमान बढ़ा है, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मजबूत नेतृत्व से संभव हो पाया है। भारत कोविडकाल से लेकर संकट की हर घड़ी में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जरूरतमंद देशों के साथ खड़ा रहा। विकसित देशों के साथ भारत व्यापारिक, आर्थिक रिश्तों को मजबूत किया जा रहा है। वरिष्ठ भाजपा नेता सतीश पूनियां ने कहा कि, भारत के विश्व कल्याण और विश्व शांति की कामना के मंत्र को ब्रिटिश पार्लियामेंट में सांसद बॉब ब्लैकमैन ने गुंजायमान किया। साथ ही भारत-ब्रिटेन के मजबूत संबंधों में महत्वपूर्ण भूमिका भी अदा की।

आवारा डॉग्स को शेल्टर होम भेजने के खिलाफ पशु प्रेमियों का विरोध प्रदर्शन

पशु प्रेमियों ने जयपुर में विरोध-प्रदर्शन कर सुप्रीम कोर्ट से अपना आदेश वापस लेने की मांग की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। देशभर में आवारा डॉग्स को गली-मोहल्लों से उठाकर शेल्टर होम में भेजने के मामले को लेकर जहां 7 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। आवारा डॉग्स को शेल्टर होम भेजने और उन पर हो रहे अत्याचार पर रोक की मांग को लेकर रविवार को देशभर में पशु प्रेमियों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में रोक लगाने की मांग की।

राजधानी जयपुर के अल्बर्ट हॉल के बाहर भी बड़ी संख्या में पशु प्रेमी जुटे और अपने हाथों में तख्तियां तथा बैनर लेकर विरोध दर्ज कराया। पशु प्रेमियों ने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट अपने फैसले पर रोक नहीं लगाता है, तब भी हम देश भर में "करो या मरो" के नारे के साथ आवारा डॉग्स की सुरक्षा की लडाई लडेंगे। काफी देर तक पशु प्रेमियों ने प्रदर्शन और नारेबाजी की।एनिमल एक्टिविस्ट शांता खुराना ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आज आवारा डॉग्स को बचाने के लिए देश के 49 शहरों में राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन हो रहा है, क्योंकि 7 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में सुनवाई होगी। हम चाहते हैं कि पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने एनिमल वेलफेयर लॉबी की सुनवाई नहीं की। अब हम चाहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट हमारी भी सुनवाई करें। सुप्रीम कोर्ट को अपने ही आदेश पर रोक लगानी चाहिए जिसमें कहा गया है कि आवारा डॉग्स को गली-मोहल्लों से हटा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों और जनता की सुरक्षा हम भी चाहते हैं लेकिन सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला है, वो जनता की सेफ्टी बढ़ाएगा नहीं बल्कि घटाएगा। हमने सर्वे किया है, 50 प्रतिशत से ज्यादा घरों में या संस्थानों में बाउंड्री वॉल अच्छी नहीं है, फेंसिंग नहीं है। अगर आप आवारा डॉग्स को हटाओगे तो दूसरे डॉग आ जाएंगे।

आवारा डॉग्स को शेल्टर होम भेजने और उन पर हो रहे अत्याचार के विरोध में रविवार को जयपुर के अल्बर्ट हॉल पर बड़ी संख्या में पशु प्रेमियों ने अपने हाथों में तख्तियां तथा बैनर लेकर विरोध दर्ज कराया।

राजस्थान सरकार भी बनाए पॉलिसी

शांता खुराना ने कहा कि हम राजस्थान सरकार से भी अपील करते हैं कि राजस्थान सरकार भी आगे बढ़कर प्रदेश में एक ऐसी पॉलिसी बनाए जिससे कि आवारा डॉग्स पर अत्याचार नहीं हो। उन्होंने कहा कि नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आवारा डॉग्स पर अत्याचार बढ़ गए है। राजधानी जयपुर के जयसिंहपुरा खोर में किसी ने एक डॉग के आगे-पीछे के पैर बांधकर उसे ट्रांसफॉर्मर पर फेंक दिया था कि वो जलकर मर जाए। मणिपाल यूनिवर्सिटी में भी वहां के सुरक्षा गार्ड्स ने आवारा डॉग्स को पकड कर पीटना शुरू कर दिया था जो ठीक नहीं है।

20 साल में 75 प्रतिशत रेबीज के केस घटे

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को अपने आदेश पर रोक लगानी चाहिए और विशेषज्ञों से राय लेनी चाहिए। खुराना ने कहा कि दुनियाभर में पिछले 20 साल में 75 प्रतिशत रेबीज के केस कम हो गए हैं, वो इसलिए कम हुए क्योंकि हमने नसबंदी और वैक्सीनेशन किए थे। उन्होंने कहा कि साल 2022 से लेकर 2025 तक राजस्थान में एक भी रेबीज का केस रजिस्टर नहीं हुआ है। आवारा डॉग्स को गली-मोहल्ले से उठाना कोई समाधान नहीं है. समाधान यह है कि उनकी नसबंदी की जाए और वैक्सीनेशन की जाए जिससे कि उनकी जनसंख्या नहीं बढ़े। उन्होंने कहा कि जिस गली-मोहल्ले में डॉग्स रहते हैं, नसबंदी और वैक्सीनेशन के बाद उन्हें इसी गली-मोहल्ले में छोड़ दिया जाए। अगर उन्हें वहां से उठाया जाएगा तो दूसरे डॉग्स वहां आ जाएंगे जो कोई समाधान नहीं है।

- एनिमल एक्टिविस्ट शांता खुराना ने कहा कि आज आवारा डॉग्स को बचाने के लिए देश के 49 शहरों में राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन हो रहा है, क्योंकि 7 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में सुनवाई होगी।

डॉग बाइट को लेकर लोग जागरुक नहीं

मरियम अबू हैदरी ने कहा कि हमने जयपुर में सर्वे किया है, यहां पर डॉग बाइट को लेकर अधिकांश लोग जागरुक नहीं है। अगर किसी को डॉग बाइट हुआ है तो उसे बहते पानी और साबुन से उस घाव को अच्छी तरह धोया जाए, लेकिन लोगों को यही पता नहीं है। उन्होंने कहा कि हम इस मामले में चुप नहीं बैठेंगे। अगर सुप्रीम कोर्ट का फैसला हमारे पक्ष में नहीं आया और सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले पर रोक नहीं लगाई तो हम आवारा डॉग्स को बचाने के लिए पूरे देश में सड़कों पर लडाई लडेंगे।

ज्वैलरी शॉप में सेंधमारी कर अंदर घुसे बदमाश

जयपुर । नारायण विहार थाना इलाके में अज्ञात नकबजनों ने एक ज्वैलरी की दुकान पर अपना निशाना साधते हुए उसकी दीवार तोड़कर अंदर घुसे और लाखों रुपयों के सोने-चांदी की ज्वेलरी व नकदी लेकर फरार हो गए। पीडित को वारदात की जानकारी दूसरे दिन दुकान पहुंचने पर चली।

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल टीम की सहायता से घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर नकबजनों की तलाश शुरु की।

जांच अधिकारी एएसआई रामकरण ने बताया कि थाना इलाके में स्थित लवकुश नगर-फर्स्ट में रहने वाले मनोज कुमार सैनी 45 ने मामला दर्ज कराया है कि उसकी मांग्यावास रोड पर मां कृपा ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। बुधवार रात को 9 बजे वो दुकान मंगल कर अपने घर चला गया था।

देर रात अज्ञात नकबजन दुकान के जीने के नीचे की दीवार तोड़कर अंदर घुसे और दुकान में रखे लाखों रुपए के सोने-चांदी की गहने व हजारों की नकदी लेकर फरार हो गए।

देवली में चोरों ने कारोबारी के बंगले में पांच घंटे तक चोरी का प्रयास किया, घटना सीसीटीवी में कैद

चोरों को बंगले में सफलता इसलिए नहीं मिल पाई कि बंगले में चाक चौबंद व्यवस्था बनी हुई थी

वारदात के दौरान चोर सीसीटीवी में कैद हो गये।

कारोबारी का बंगला, जहां पर लूट का असफल प्रयास हुआ।

देवली, (निसं)। इन दिनों शहर में बेखौफ चोरों की एक के बाद एक वारदात ने देवली पुलिस और हनुमान नगर थाना पुलिस पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। देवली में चोरों ने कारोबारी के बंगले में पांच घंटे तक चोरी का प्रयास किया, लेकिन चोर अफल रहे और फरार हो गये।

जानकारी के अनुसार शनिवार की देर रात को देवली शहर में बेखौफ चोरों ने एक कारोबारी के बंगले पर पांच घंटे तक चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो पाए। चोरों को यहां सफलता इसलिए नहीं मिल पाई कि बंगले में चाक चौबंद व्यवस्था बनी हुई थी, लेकिन फिर भी चोरों ने बंगले के बाहर में मेन गेट पर तैनात सुरक्षा गार्ड को बंदी बनाकर रखा और पाच घंटे तक चोरी का प्रयास करते रहे। इस दौरान चोरों ने सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट की और हथियार दिखाकर बंधक बनाए रखा तो वहीं चोरों ने सुरक्षा गार्ड के हाथ-पांव और मुंह को बांध दिया।

- **चोरों ने बंगले के बाहर में मेन गेट पर तैनात सुरक्षा गार्ड को बंदी बनाकर रखा और पाच घंटे तक चोरी का प्रयास करते रहे**

इस दौरान चोरों ने इस घटना की भनक बंगले में सो रहे दंपती तक को नहीं लगने दी, लेकिन पूरी वारदात बंगले परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बेखौफ चोरों का यह घटनाक्रम शनिवार कि देर रात एक बजे से सुबह छह बजे तक चलता रहा, लेकिन चोर बंगले के भीतर घुसने में असफल रहे और खाली हाथ लौट गये। मामले के अनुसार शहर के भामाशाह नवल किशोर मंगल और उनकी पत्नी शनिवार को बंगले के अंदर अपने रूम में सो रहे थे। इसी बीच देर रात एक बजे नकाबपोश चोर बंगला परिसर की दीवार फांदकर अंदर घुस गए और चोरों ने बंगले के गार्ड को हथियार दिखाकर बंधक बना लिया। इस कारण सुरक्षा गार्ड बंगले के मालिक नवल मंगल से संपर्क नहीं कर पाया।

नवल किशोर मंगल ने बताया कि बंगले की मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के चलते चोर बंगले के भीतर प्रवेश करने में असफल रहे। चोरों ने बंगले की छत और अन्य मार्गों से घर के भीतर घुसने की कोशिश की, लेकिन सभी प्रवेश द्वारों पर मजबूत व्यवस्था होने की वजह से चोर अंदर नहीं आ सके। ऐसे में हैरानी की बात तो यह रही कि बेखौफ चोर यहां करीब 5 घंटे तक परिसर में ही मौजूद रहे और सुबह 6:20 बजे मौके से फरार हो गए।

इस घटना पर बंगले के मालिक ने बताया कि 5 घंटे तक चली उक्त घटनाक्रम की उन्हें भनक तक नहीं लगी। लेकिन गार्ड हरिसिंह प्रतिदिन के भांति रविवार की सुबह अखबार और दूध लेकर नहीं आया तब कहीं जाकर उन्हें शंका हुई। इसके बाद नवल मंगल ने बंगले से बाहर निकलकर देखा कि सुरक्षा गार्ड हरि सिंह के हाथ पांव मुंह बंधा हुऐ थे। इस दौरान नवल मंगल बुरी तरह घबरा गए और घायल सुरक्षा गार्ड को संभाला और तुरंत प्रभाव से वारदात को बंगले में लगे हुऐ सीसीटीवी कैमरों के मॉनिटर पर देखा। इस दौरान कैमरो में कैद हुई घटना का पूरा मामला यह सामने आया कि शनिवार की देर रात को नकाबपोश चोरों ने उनके बंगले पर धावा बोला दिया था, लेकिन चोरी करने की वारदात को अंजाम देने में सफल नहीं हो पाये। इस पर रविवार की सुबह बंगले के मालिक ने उक्त घटना की सूचना देवली पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची जहां पुलिस ने साक्ष्यों का संकलन किया। इस मामले में नवल किशोर मंगल के द्वारा पुलिस थाने में लिखित रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है।

लाखों की जुआ राशि सहित 19 जने गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

टोंक, (निसं)। वृताधिकारी टोंक मृत्युजंय मिश्रा एवं डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा शनिवार देर रात टोंक शहर के पुरानी टोंक थाना क्षैत्र में छापा मारकर सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुए 19 आरोपियो गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे दो लाख बहत्तर हजार रूपये की जुआ राशि जब्त की गई। साथ ही जुआ में प्रयुक्त होने वाली ताश पत्ती, 13 मोटरसाइकिल, 20 मोबाइल जब्त किये।

पुलिस ने मोहनलाल, भैरू लाल, महेश माली, उम्मेद गुर्जर, जयकिशन महावर, सद्दाम पुत्र मो.०शरीफ याकुब पुत्र मंजूर, आदित्य बैरवा, माटी पुत्र कल्याणमल माली, विशाल महावर, राजेश महावर, पप्पू गुर्जर, कन्हैया महावर, लोकेश खटीक, पवन खटीक, समसेर अली पुत्र भाकर अली, भूरिया पुत्र सत्तार खान, इन्द्र पुत्र लक्ष्मण चावला एवं हेमराज पुत्र छोटुलाल गुर्जर को गिरफ्तार कर जांच शुरु की।

धोखे से जमीन हड़पी

उदयपुर, (कासं)। फर्जी हकत्याग करने वाले महिला व अन्य के खिलाफ पीड़िता की जमीन हड़पने का पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता गोमतीबाई पत्नी छगनलाल निवासी ब्राम्हणों का कलवाना सायरा ने आरोपी डाकूबाई पत्नी कालुराम निवासी काछवा, बड़ी जोशियों की भागल निवासी देवीलाल, अम्बालाल तथा अशोक जोशी व साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़िता ने बताया कि जसवंतगढ़ स्थित मेरी जमीन को आरोपी डाकूबाई ने 29 दिसंबर को गोमती बाई बनते हुए मेरी जमीन का आरोपियों देवीलाल व अम्बालाल के पक्ष में हकत्याग कर दिया तथा उक्त जमीन को आरोपियों ने अपने नाम करवा अशोक जोशी को बेच दी। इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

नाकाबंदी तोड़कर भाग रही स्कॉर्पियो से डोडा-चूरा बरामद

कोहरे का फायदा उठाकर तस्कर भागने में सफल रहे

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की गुलाबपुरा थाना पुलिस को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई की है। नाकाबंदी तोड़कर भाग रही एक स्कॉर्पियो को जब्त कर भारी मात्रा में डोडा-चूरा बरामद किया है। हालांकि, कोहरे का फायदा उठाकर तस्कर भागने में सफल रहे।

भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में नशा तस्करों पर पुलिस का प्रहार जारी है। इसी कड़ी में

- **गाड़ी में मिले दस्तावेजों के आधार पर पुलिस तस्करों की तलाश कर रही है**

गुलाबपुरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घटना रविवार सुबह की है, जब गुलाबपुरा थाना प्रभारी संजय गुर्जर की टीम नेशनल हाईवे 148-डी पर नाकाबंदी कर रही थी। तभी एक महिंद्रा स्कॉर्पियो वहां पहुंची। पुलिस को देखते ही चालक ने नाकाबंदी तोड़ दी और गाड़ी भगा ले गया। पुलिस टीम ने तुरंत तस्करों का पीछा किया। खुद को घिरता देख तस्कर गागेड़ा सरहद में गाड़ी छोड़कर खेतों की तरफ भाग निकले। घने कोहरे और खेतों में खड़ी फसलों की आड़ का फायदा उठाकर आरोपी फरार होने में कामयाब हो गए।

पुलिस ने 80 किलो 200 ग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद किया।

पुलिस ने मौके से लावारिस हालत में खड़ी स्कॉर्पियो की तलाशी ली, जिसमें से 80 किलो 200 ग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद हुआ। पुलिस ने डोडा-चूरा और गाड़ी को जब्त कर आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है। गाड़ी में मिले दस्तावेजों के आधार पर अब पुलिस तस्करों की तलाश कर रही है।

विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़, पारदर्शी बनाने पर जोर

कोटपूतली, (निसं)। डिस्कॉम चेयरमैन आरती डोगरा ने रविवार को यहां के राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विधालय के सभागार में डिस्कॉम के अधिकारियों व लाईनमैन स्तर के कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी व उपभोक्ता-अनुकूल बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान विभाग में चल रहे तकनीकी नवाचारों की प्रगति की समीक्षा की गई।

चेयरमैन आरती डोगरा ने कहा कि तकनीक का उद्देश्य केवल सिस्टम को स्मार्ट बनाना नहीं है, बल्कि फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं को कम करना और उपभोक्ताओं को बेहतर व समयबद्ध सेवा प्रदान करना भी है। इस मौके पर लाईनमैन व अन्य फील्ड स्टॉफ ने कार्यस्थल से जुड़ी व्यावहारिक समस्यायें, संसाधनों की उपलब्धता, तकनीकी प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरणों से संबंधित मुद्दे बैठक में रखे। चेयरमैन ने कर्मचारियों की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित

- **डिस्कॉम चेयरमैन आरती डोगरा ने अधिकारियों व लाईनमैनों की बैठक ली**

अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि लाईनमैन विद्युत तंत्र की रीढ़ हैं, उनकी सुरक्षा, सुविधायें और सम्मान विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। डिजिटल मीटरिंग पर बोलते हुये चेयरमैन ने कहा कि इससे बिलिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता आयेगी और उपभोक्ताओं का भरोसा मजबूत होगा। वहीं एआई और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से शिकायत निस्तारण प्रणाली को और अधिक तेज, प्रभावी और जवाबदेह बनाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर (रेगुलेशन) दिप्ती माथुर, कोटपूतली-बहरोड़ के सुपरिंटेंडिंग इंजी. मनोज गुप्ता, सभी एरिया एईएन, जेईएन सहित जिले के लाईनमैन व विद्युतकर्मी मौजूद रहे।

आंमा गांव के शमशान घाट पर अव्यवस्थाओं का अंबार

ग्राम पंचायत आंमा का शमशान घाट अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है।

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा के मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत आंमा का शमशान घाट अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है, जहां अपनों को मुखाग्नि देने आए लोगों को नारकीय स्थितियों का सामना करना पड़ता है।

जानकारी के अनुसार आंमा गांव के शमशान घाट में अव्यवस्थाओं का अंबार है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यहां टीनशेड तक नहीं हैं। बारिश के मौसम में दाह संस्कार करना लगभग असंभव हो जाता है और ग्रामीणों को भीगते हुए या तिरपाल का सहारा लेकर अंतिम क्रिया संपन्न करनी पड़ती है। भीषण गर्मी हो या कड़कड़ाती ठंड, बैठने के लिए कोई सुरक्षित स्थान या छाया तक उपलब्ध नहीं है।

कीचड़, गंदगी और कटीली झाड़ियां :- शमशान तक पहुंचने का रास्ता कीचड़ से अटा पड़ा है। तालाब की पाल पर फैली भीषण गंदगी और

- **गंदगी और कीचड़ के बीच शव को अंतिम विदाई देने को मजबूर ग्रामीण**
- **ग्रामीणों को भीगते हुए या तिरपाल का सहारा लेकर अंतिम क्रिया संपन्न करनी पड़ती है**

वहां से उठती असहनीय दुर्गंध ने लोगों का वहां खड़ा होना भी दूभर कर दिया है। शोक संतप्त ग्रामीण कटीली झाड़ियों और कचरे के ढेर के बीच बैठने को मजबूर हैं।

हाल ही में गांव के गणेशलाल जरवाल का निधन हुआ। उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने आए आंमा और आसपास के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। गंदगी और दुर्दशा देख ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। एडवोकेट बालकृष्ण पुरोहित, सुखदेव जरवाल, राधेश्याम तेली सहित दर्जनों प्रबुद्ध नागरिकों ने इस कुप्रबंधन पर गहरा रोष जताया है।

एडवोकेट बालकृष्ण पुरोहित ने बताया कि हम सरपंच गोपाल सुवालका और प्रशासन को कई बार इस गंभीर समस्या से अवगत करा चुके हैं, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। अंतिम समय में परिजनों की पीड़ा अव्यवस्थाओं के कारण और बढ़ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि जहां देश डिजिटल इंडिया और स्मार्ट विलेज की बात कर रहा है, वहीं आंमा में अंतिम सफर का इतना मुश्किल होना सिस्टम पर सवाल खड़े करता है। हालांकि, इस मामले में मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल को अवगत करवाया गया है, जिन्होंने आंमा शमशान की व्यवस्थाएं शीघ्र सुधारने और विकास कार्य कराने का आश्वासन दिया है।

किसानों का सात दिवसीय भ्रमण दल रवाना

झुंझुनूं, (निसं)। रविवार को आत्मा योजनान्तर्गत मुख्यमंत्री बजट घोषणा के तहत 40 कृषकों के सात दिवसीय कृषक भ्रमण दल को कृषि उप निदेशक व आत्मा परियोजना निदेशक शीशराम जाखड़ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

ये किसान 10 जनवरी तक हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश जाकर करीब से कृषि की नई तकनीक को देखेंगे। उन्होंने बताया कि कृषक भ्रमण दल सात दिन में चौधरी चरणसिंह कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान हिसार हरियाणा, नेशनल डेयरी अनुसंधान संस्थान, गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल हरियाणा, केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला हिमाचल प्रदेश, डॉ. वाईएस परमार उद्यानिकी विश्वविद्यालय सोलन हिमाचल प्रदेश, केंद्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान देहरादून उत्तराखंड, सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विवि मेरठ उत्तर प्रदेश व राष्ट्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती अनुसंधान संस्थान गाजियाबाद उत्तर प्रदेश का भ्रमण करेंगे।

ऑल्टो कार में अज्ञात ने आग लगाई

निवाई/गुन्सी, (निसं)। ग्राम गुंसी में शनिवार की मध्य रात्रि को एक बाड़े में खड़ी एक ऑल्टो कार में अज्ञात लोगों ने ज्वलनशील पदार्थ छिड़कर आग लगा दी। जिससे आग में जलकर कार कबाड़ में बदल गई। पीड़ित बाबूलाल माली ने बताया कि उसने अपनी ऑल्टो कार को अपने बाड़े में खड़ी की थी। मध्य रात्रि को करीब पौने एक बजे पड़ौसी रूपनारायण माली ने फोन कर बताया कि कार में आग लग गई है। सूचना पर स्वयं मौके पर पहुंचा तो कार से आग की लपटें उठती हुई दिखाई दी। शोर मचाने पर आसपास के परिवार भी नींद से जाग गए और मौके पर पहुंच कर पानी डालकर आग बुझाई। पीड़ित बाबूलाल ने निवाई सदर थाना में अज्ञात लोगों के विरुद्ध कार जलाने की रिपोर्ट दी है।

पावटा में हरियाणा रोडवेज बस चालक की लापरवाही से पांच यात्री घायल

बीच सड़क पर बस चालक द्वारा यात्री उतारने के दौरान ट्रेलर ने सवारियों को चपेट में लिया

पावटा, (निसं)। कस्बा पावटा स्थित दिल्ली-जयपुर बस स्टैंड पर रविवार दोपहर हरियाणा रोडवेज बस चालक की गंभीर लापरवाही एक बड़े हादसे का कारण बन गई। बीच सड़क पर बस रोककर सवारियां उतारने के दौरान अचानक हुई दुर्घटना में पांच लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, वहीं कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात भी पूरी तरह बाधित हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस चालक ने तय बस स्टैंड या सुरक्षित स्थान पर बस रोकने के बजाय मुख्य सड़क के बीचों-बीच बस खड़ी कर दी। बिना किसी संकेत या सावधानी के सवारियों को उतारा जा रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रहे एक अन्य वाहन ट्रेलर ने अचानक ब्रेक लगाने की कोशिश की, लेकिन संतुलन बिगड़ने से सवारियां उसकी चपेट में आ गई। बस से उतरते समय हादसे में घायल हुए भगतपुरा निवासी राहुल, गीता, किड़ारोद निवासी सुनील, सुरजीत, चांदोली निवासी राजेंद्र को मौके पर मौजूद स्थानीय नागरिकों व राहगीरों की मदद से तुरंत पावटा उपजिला अस्पताल पहुंचाया, जहां सुनील की हालत को देखते हुए उसे कोटपुतली जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया व बाकी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने क्षितठास्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने आक्रोश जताया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसे का मुख्य कारण हरियाणा रोडवेज चालक द्वारा यातायात नियमों की अनदेखी और लापरवाही है। स्थानीय लोगों ने रोडवेज प्रशासन और परिवहन विभाग पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि आए दिन इस तरह की लापरवाहियां यात्रियों की जान जोखिम में डाल रही है। लोगों ने मांग की है कि रोडवेज चालकों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों की पुनरावृत्ति न हो।

- **बस चालक ने तय बस स्टैंड या सुरक्षित स्थान पर बस रोकने के बजाय मुख्य सड़क के बीचों-बीच बस खड़ी कर दी थी**

बीकानेर के 75 गांवों में लगाई जाएंगी 1640 सोलर लाइटें

बीकानेर, (निसं)। केंद्रीय कानून मंत्री तथा बीकानेर सांसद अर्जुन राम मेघवाल की एक और पहल तथा प्रयासों से संसदीय क्षेत्र के गांवों में विभिन्न कंपनियों के कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) मद के तहत 1640 सोलर लाइटें लगाई जा रही हैं। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के दौरों के दौरान ग्रामीणों द्वारा गांवों के प्रमुख स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग की जाती रही है। इसे ध्यान रखते हुए देश की प्रमुख कंपनियों के सीएसआर मद से यह व्यवस्था करवाई गई है। उन्होंने बताया कि इसके तहत संसदीय क्षेत्र 75 गांवों के स्कूलों, मंदिरों, चौराहों और प्रमुख स्थानों पर यह सोलर लाइटें लगाई जाएंगी।

मेघवाल ने बताया कि नोखा, श्रीडूंगरगढ़, लूणकरणसर तथा अनूपगढ़ के 15-15 गांवों में 330-330 तथा खाजूवाला के 15 गांवों में 320 सोलर लाइटें लगाई जाएंगी। इससे आमजन को रात के समय आवागमन में सहूलियत होगी। उन्होंने बताया कि

- **विभिन्न कंपनियों के सीएसआर मद से करवाया जाएगा कार्य, रात में रोशन होंगे गांवों के प्रमुख स्थान**

यह कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। जल्दी ही इसे पूर्ण भी कर दिया जाएगा। मेघवाल ने बताया कि नोखा विधानसभा के पांचू, काकड़ा और रोड़ा में 30-30 तथा किसनासर, सारुंडा, रासीसर पुरोहितान, हिम्मटसर, सलुंडिया, उड़सर, धूपालिया, कुदसू, रातडिया, चरकड़ा, रासीसर और शोभाणा में 20-20 सोलर लाइट लगाई जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा के पूनरासर, पुंदलसर और मोमासर में 30-30 तथा कितासर विदावतान, केऊ, हेमासर, झंझेउ, रीडी, जोधासर, दुलचासर, भोजासर, आडसर, सूरजनसर, जैसलसर और बेनिसर में 20-20 सोलर लाइटें लगाई जाएंगी। इसी प्रकार लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र के सिंथल, कालू और महाजन में 30-30, वहीं जोगियासन, मकड़ासर, फूलदेसर, धीरेरा स्टेशन, खारड़ा, बामनवाली, सहजरासर, नाथूसर, घेसुरा, मलकीसर, करणीसर और कंकड़वाला में 20-20 सोलर लाइटें लगाई जाएंगी। मेघवाल ने बताया कि खाजूवाला विधानसभा के छत्तरगढ़ और नालबड़ी में 30-30 तथा कानासर, उदासर, चार बीएम सरदारपुरा, फलावाली, भुट्टों का कुआं, खारा, धोलेरा, हुसंगसर, पार्वती तलाई, आशापुरा, दंतोर, बलूर और जयमलसर में 20-20 सोलर लाइटें लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि श्रीगंगानगर जिले की अनूपगढ़ विधानसभा की नई घड़साना मंडी, रावला 8 पीएसडी-बी तथा दो एसटीआर में 30-30 सोलर लाइटें लगाई जाएंगी। वहीं 3 एमएलडीबी, 2 एलएमबी, 7 केएनडी, 3 एसटीआर, 1 एमएलकेसी जालवाली, 15 केएनडी-बी, 12 केडी गुजारी, 11 केएनडीबी, 5 बीडीबी, 13 केएनडीसी, 4 एलएम और 14 के में 20-20 सोलर लाइटें लगाई जाएंगी।

मुझे पता है कि हाल के समय में सफेद गेंद क्रिकेट में उनका फॉर्म बहुत अच्छा नहीं रहा है, लेकिन आखिरी बार मैंने उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेलते देखा था, जहां उन्होंने वैसी बल्लेबाजी की थी जैसी मैंने किसी को करते बहुत कम देखा है। - रिकी पोंटिंग

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, विश्वकप स्क्वॉड से ड्रॉप हुए गिल पर हैरानी जताते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **इरफान पठान**

भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर उठ रहे सवालों पर आपत्ति जताई है। इरफान ने कहा- शमी वापसी के बाद अब तक 200 ओवर गेंदबाजी कर चुके हैं, ऐसे में फिटनेस पर सवाल करना समझ से बाहर है। उन्हें अब इसे साबित करने की जरूरत नहीं हैं। पता नहीं चयन समिति क्या चाहती है इरफान ने कहा- अब इससे ज्यादा सुधार क्या चाहिए, यह तो सिर्फ चयन समिति ही जानती है। अगर मैं शमी की जगह होता तो में जाकर नया गेंद संभालता और ऐसा प्रदर्शन करता कि सबको जवाब मिल जाए।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड के महान बल्लेबाज सर जैक हॉब्स ने अपने फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर में कुल 199 शतक लगाए। हॉब्स ने 62 टेस्ट मैचों में 56.94 की औसत से 5,410 रन भी बनाए, जिसमें 15 टेस्ट शतक शामिल हैं।

ज्वेरेव ने जीत के साथ 2026 सीजन की शुरुआत की, जर्मनी के लिए मुकाबला जीता

सिडनी, 4 जनवरी। अलेक्जेंडर ज़्वेरेव ने रविवार को सिडनी में यूनाइटेड कप में नीदरलैंड के खिलाफ जर्मनी को जीत दिलाई, जहां वर्ल्ड नंबर 3 ने टैलन ग्रीक्सपूर को 7-5, 6-0 से हराया। ज़्वेरेव की जीत जर्मनी की ईवा लिस द्वारा ग्रुप ऍफ़ मुकाबले में सुज़ैन लैमेंस को हराने के बाद आई। ज़्वेरेव और ग्रीक्सपूर के मुकाबले के शुरुआती हिस्से में सर्वर को फायदा था, जब तक कि जर्मन खिलाड़ी ने 6-5 पर ब्रेक लेकर पहला सेट जीतने का अहम मौका नहीं भुना लिया। 2026 का अपना पहला मैच खेलते हुए, ज़्वेरेव ने उच्च स्तर का प्रदर्शन किया और शायद ही कभी पीछे मुड़कर देखा, दूसरे सेट में सिर्फ सात अंक गंवाए। ज़्वेरेव ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, "पहला सेट, लय हासिल करना मुश्किल था।एक बार जब मुझे मौके मिले, तो मैंने अच्छा किया और मैं जीत से बहुत खुश हूं।

बुल्गारिया के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी और कोच दिमितार पेनेव का 80 साल की उम्र में निधन

सोफिया, 4 जनवरी। बुल्गारिया के फुटबॉल खिलाड़ी और कोच दिमितार पेनेव, जिन्होंने 1994 के फीफा विश्व कप में राष्ट्रीय टीम को चौथे स्थान पर पहुंचाया था, जो उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था, का 80 साल की उम्र में निधन हो गया, बुल्गारियाई फुटबॉल यूनियन ने शनिवार को यह घोषणा की। फुटबॉल क्लबों, खिलाड़ियों और कोचों के साथ-साथ बुल्गारिया के निवर्तमान प्रधान मंत्री रोसेन ज़ेल्याज़कोव ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। बुल्गारिया के सबसे सफल फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक, क्रिस्टो स्टोइचकोव ने फेसबुक पर लिखा, "वह आदमी जिसने हमें दुनिया में चौथा स्थान दिलाया! वह आदमी जिसने हममें से दर्जनों लोगों को इंसान और एथलीट के रूप में ढाला! शांति से आराम करें, बॉस! आपको कभी नहीं भुलाया जाएगा।" पेनेव ने अपने खेलने के करियर में बुल्गारिया के सबसे सफल फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक, क्रिस्टो स्टोइचकोव ने फेसबुक पर लिखा, सीएसकेए सोफिया के साथ 13 साल बिताए और उन्हें बुल्गारिया के शीर्ष सेंटर-बैक में से एक माना जाता था। उन्होंने 1966, 1970 और 1974 के विश्व कप में राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया, 90 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, और उन्हें दो बार बुल्गारियाई फुटबॉलर ऑफ द ईयर नामित किया गया। एक कोच के रूप में, पेनेव 2012 तक सक्रिय रहे, उन्होंने तीन बुल्गारियाई लीग खिताब, चार बुल्गारियाई कप और एक बुल्गारियाई सुपर कप जीता। वह 2019 में एक सलाहकार के रूप में सीएसकेए सोफिया में लौटे।

बांग्लादेश ने टी-20 विश्वकप के लिए टीम की घोषणा की

ढाका, 4 जनवरी। लिटन कुमार दास फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 में बंगलादेश की कप्तानी करेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रिपोर्ट के अनुसार बंगलादेश अब तक के सभी टी-20 विश्व कप में खेला है, लेकिन कभी भी सेमीफाइनल या उससे आगे नहीं बढ़ पाया है। दास की कप्तानी में बंगलादेश 2026 में इतिहास बदलना चाहेंगे और परिस्थितियों से परिचित होने और मुस्तफिजुर रहमान और तस्कीन अहमद की अनुभवी जोड़ी के नेतृत्व में एक संतुलित गेंदबाजी आक्रमण पर बहुत अधिक निर्भर रहेंगे। ऐसा माना जा रहा है मेहदी हसन, नसुम अहमद और रिशाद हुसैन टर्न वाली पिचों पर बहुत उपयोगी साबित होंगे। वहीं बल्लेबाजी की बात की जाये तो कप्तान लिटन दास, तंजीद हसन और परवेज हुसैन एमोन जैसे खिलाड़ी शीर्ष क्रम बल्लेबाजों पर निर्भर रहेगी। बंगलादेश इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, नेपाल और इटली वाले एक कठिन ग्रुप में हैं। **टी-20 विश्वकप के लिए बंगलादेश की टीम:-** लिटन कुमार दास (कप्तान), तंजीद हसन, मोहम्मद परवेज हुसैन एमोन, मोहम्मद सैफ हसन, तौहीद हृदोय, शमीम हुसैन, काजी नुरुल हसन सोहन, शाक मेहदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद, सैफुद्दीन और शोरिफुल इस्लाम।

एशेज-सिडनी टेस्ट के पहले दिन 45 ओवर का ही खेल, रूट-ब्रुक के बीच नाबाद शतकीय साझेदारी

सिडनी, 4 जनवरी। जो रूट (नाबाद 72) और हैरी ब्रूक (नाबाद 78) की जुझारू पारियों के दम पर इंग्लैंड रविवार को वर्षा प्रभावित एशेज सीरीज के पांचवें और अखिरी टेस्ट मैच के पहले दिन स्टंप्स के समय तीन विकेट पर 211 रन बना लिये है। आज यहां इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को पहला झटका सातवें ओवर में मिचेल स्टार्क ने बेन डकेट को आउट कर दिया। बेन डकेट ने 25 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 27 रन बनाये। इसके बाद 12वें ओवर में माइकल नीसर ने जैक क्रॉली (16) का शिकार कर लिया। अगले ही ओवर में स्कॉट बोलैंड ने जेकब बेथेल (10) को आउटकर 57 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया को तीसरी सफलता दिलाई। इस संकट के समय जो रूट और हैरी ब्रूक ने पारी को संभाला और तेजी के रन बटोरते हुए दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरा किया। चायकाल के समय बारिश के कारण खेल रोके जाने के समय इंग्लैंड ने 45 ओवर में तीन विकेट पर 211 रना लिये थे। स्टंप्स के समय जो रूट 103 गेंदों में आठ चौके लगाते हुए (नाबाद 72) और हैरी ब्रूक 92 गेंदों छह चौके और एक छक्का उड़ाते हुए (नाबाद 78) रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क, माइकल नीसर और स्कॉट बोलैंड ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारत ने द. अफ्रीका को 25 रन से हराया, सूर्यवंशी यूथ वनडे के सबसे युवा कप्तान बने

नई दिल्ली, 4 जनवरी। बेनोनी (साउथ अफ्रीका) भारत ने यूथ वनडे सीरीज के पहले मैच में साउथ अफ्रीका को 25 रन से हराया। बेनोनी के विलोमूर पार्क स्टेडियम में बारिश से प्रभावित इस मैच में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 50 ओवर में सभी विकेट खोकर 301 रन बनाए। 302 रन का टारगेट चेज कर रही साउथ अफ्रीकी टीम ने 27.4 ओवर में 4 विकेट पर 148 रन ही बनाए थे। तभी गरज-लपक के बाद बारिश शुरू हो गई। ऐसे में खेल पूरा नहीं हो सका और भारतीय टीम को डकवर्थ लुईस मैथड़ के तहत विजेता घोषित कर दिया गया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस सीरीज का दूसरा मैच 5 जनवरी और तीसरा मैच 7 जनवरी को इसी मैदान पर खेला जाएगा। वैभव सूर्यवंशी यूथ वनडे में कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के कप्तान बन गए हैं। वैभव की उम्र सिर्फ 14 साल 282 दिन के है। उन्होंने 16 साल से पहले किसी भी फॉर्मेट में अंतरराष्ट्रीय अंडर-19 मैच में टीम की कमान संभालने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

न्यूजीलैंड को लगा झटका, लॉकी फर्ग्यूसन हुए चोटिल

नई दिल्ली, 4 जनवरी। न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन का भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में खेलना संदिग्ध है। फर्ग्यूसन को पिंडली में चोट लग गई है। आईसीसी के अनुसार 34 वर्षीय इस तेज गेंदबाज को 21 दिसंबर को दुबई में एमआई एमिरेट्स के खिलाफ आईएलटी20 लीग मैच में डेजर्ट वाइपर्स के लिए गेंदबाजी करते समय पिंडली में चोट लगी थी। बाद में न्यूजीलैंड के इस क्रिकेटर को आईएलटी20 के शेष मैचों से बाहर कर दिया गया और कप्तानी की जिम्मेदारी इंग्लैंड के सैम करन को सौंप दी गई।

इसके अलावा दाएं हाथ के तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन को मौजूदा बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 टूर्नामेंट से भी बाहर कर दिया गया है, जिससे आगामी आईसीसी टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी पर संदेह पैदा हो गया है। अनुभवी फर्ग्यूसन के टी20 विश्व कप से पहले भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में खेलने की उम्मीद थी। हालांकि, फर्ग्यूसन अभी भी चोट से उबर रहे हैं और न्यूजीलैंड पहले से ही विल ओरूर्के के बिना खेलेगा, जो पीठ की चोट से जूझ रहे हैं।

ऐसे में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी विकल्प और भी कमजोर हो गए हैं। टी20 विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी से हो रही है। इस बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें शुभमन गिल टीम की कप्तानी करेंगे।

वॉर्नर ने टी-20 क्रिकेट में रचा खास कीर्तिमान

सिडनी, 4 जनवरी। डेविड वॉर्नर ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट सेसंन्यास लिया था। 39 वर्षीयवॉर्नर हालांकिअब भी फ्रेंचाइजी क्रिकेट में एक्टिव हैं। वॉर्नर बिग बैश लीग 2025-26 में सिडनी थंडर के लिए खेल रहे हैं। 3 जनवरी (शनिवार) को होबार्ट हरिकेन्स के खिलाफ मुकाबले में वॉर्नर ने शानदार शतक लगाया। डेविड वॉर्नर ने 65 गेंदों पर नाबाद 130 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 11 चौके और नौ छक्के लगाए। यह वॉर्नर का दिसंबर 2011 के बाद पहला बीबीएल शतक रहा। वहीं वॉर्नर के टी20 करियर की ये 9वीं सेंचुरी रही। वॉर्नर अब टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से तीसरेनंबर पर पहुंच गए हैं। डेविड वॉर्नर ने विराट कोहली और रिली रोसोकी बराबरी कर ली। तीनोंके नाम अब नौ-नौ टी20 शतक दर्ज हैं। वॉर्नर अब रोहित शर्मा, अभिषेक शर्मा, माइकल क्लिंगर एरॉन फिंच, फाफ डु प्लेसिस, जोस बटलर और ग्लेन मैक्सवेल से आगे निकल चुके हैं।

बांग्लादेश टी-20 विश्वकप खेलने भारत नहीं आएगा

ढाका, 4 जनवरी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल में खेलने के लिए दी गई एनओसी को तुरंत प्रभाव से रद्द करने का फैसला किया है। यह फैसला बीसीबी अधिकारियों और संबंधित अधिकारियों की एक मीटिंग में लिया गया। इसका मतलब है कि अगर केकेआर अपना फैसला बदलता भी है, तो भी बीसीबी सुरक्षा कारणों से मुस्तफिजुर को आईपीएल खेलने की इजाजत नहीं देगा। इसके अलावा, यह भी समझा जाता है कि बांग्लादेश वर्ल्ड कप में खेलने के लिए भारत नहीं जाएगा। इससे पहले, बीसीबी ने सुरक्षा स्थिति जानने के लिए आईसीसी और बीसीसीआई को पत्र भेजने का फैसला किया था, लेकिन बाद में बोर्ड मीटिंग में अपना मन बदल लिया, जिसमें ज़्यादातर डायरेक्टर मौजूद थे। इससे पहले यह खबर थी कि बंगलादेश आईसीसी से यह अनुरोध करेगा कि उसके टी20 विश्व कप के मैच भारत से हटाकर श्रीलंका में कराए जाएं। भारत और बंगलादेश के बीच बिगड़ते राजनीतिक संबंधों के चलते बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स को निर्देश दिया था कि मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया जाए। इसके बाद ही बीसीबी ने यह फ़ैसला लिया। बंगलादेश को अगले महीने विश्व कप में अपने पहले तीन मुक़ाबले कोलकाता में खेलने हैं। इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड से आईसीसी को पत्र लिखकर कोलकाता में खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंताएं सामने रखेगा। शनिवार को बोर्ड डायरेक्टर्स की ज़ूम पर हुई आपात बैठक के बाद बीसीबी की मीडिया कमिटी के चेयरमैन अमजद हुसैन ने कहा, "हमारे टी20 विश्व कप के तीन मैच कोलकाता में हैं। इसलिए आज जो कुछ हुआ है उसे लेकर हम आईसीसी को पत्र लिखेंगे।" बंगलादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा कि भारत में टीम की सुरक्षा को लेकर उन्हें संदेह है। बीसीसीआई ने मुस्तफिजुर को आईपीएल से हटाने के पीछे "हालिया घटनाक्रम" का हवाला दिया था। नजरुल ने यह भी कहा कि वह बीसीबी को निर्देश देंगे कि वह मैचों को श्रीलंका शिफ़्ट करने को लेकर आईसीसी से संपर्क करे। नजरुल ने अपने आधिकारिक फ़ेसबुक पेज पर लिखा, "मैंने बीसीबी से कहा है कि वह पूरे मामले की जानकारी आईसीसी को दे। बोर्ड को यह बताना चाहिए कि जहां एक अनुबंधित बंगलादेशी क्रिकेटर भारत में नहीं खेल सकता, वहां पूरी बंगलादेशी टीम विश्व कप खेलने के लिए ख़ुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर सकती। मैंने बोर्ड को यह भी निर्देश दिया है कि वह बंगलादेश के विश्व कप मैच श्रीलंका में कराने का अनुरोध करे।" नजरुल ने यह भी जोड़ा कि उन्होंने देश के सूचना और प्रसारण मंत्रालय से बांग्लादेश में आईपीएल का प्रसारण बंद करने का अनुरोध किया है। बीसीसीआई के निर्देशों के बाद केकेआर ने पुष्टि की कि उन्होंने 2026 आईपीएल के लिए अपनी टीम से मुस्तफिजुर को रिलीज कर दिया है। पिछले महीने हुए आईपीएल ऑक्शन में केकेआर ने इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज़ को 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि हाल के दिनों में भारतीय आध्यात्मिक और राजनीतिक नेताओं की ओर से इस चयन को लेकर उन्हें कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था।

जीआर अकादमी ने सोलफील क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित आशा देवी डागा टूर्नामेंट जीता

जयपुर, 4 जनवरी। जीआर अकादमी ने दिव्य गजराज के 71 रन, शुभम पटवाल के 70 रन और रोहित खिचर के 67 रनों की शानदार पारियों की मदद से 253/3 का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में सीजीएसटी मुंबई की टीम 218/8 रन ही बना सकी, जिसमें रोहन मारवाहा ने 97 रन और नदीम शेख ने 28 रन बनाए। गेंदबाज़ी में शुभम पटवाल ने 4 विकेट लिए जबकि रोहित खिचर ने 2 विकेट हासिल किए। शुभम पटवाल को फाइनल का मैन ऑफ द मैच चुना गया। दिव्य गजराज को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ घोषित किया गया और सीजीएसटी मुंबई के दीपक शेट्टी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ का पुरस्कार मिला। शुभम पटवाल को टूर्नामेंट का मैन ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया। आशा देवी डागा टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

ओ एन दीक्षित जिला बैडमिंटन में पदमजा ने सात खिताब, तेजेश्वर, निखिल, अदविता ने तीन-तीन खिताब जीते

जयपुर, 4 जनवरी। ओम दिक्षित मेमोरियल विंटर जिला बैडमिंटन का आज समापन तथा पारितोषिक वितरण समारोह हुआ प्रतियोगिता में पद्मजा सिंह ने सात खिताब तथा तेजेश्वर पूनिया, निखिल नाथ योगी व अद्विता शर्मा ने तीन-तीन खिताब जीते प्रतियोगिता के अंतिम दिन आज 6 फाइनल तथा वेटरन के सभी मैच खेले गए। पदमजा ने आज अपने दोनों फाइनल बड़े आसानी से जीते उन्होंने गर्ल्स सिंगल्स अंडर 15 का फाइनल आराध्या ढींगरा को 21-9, 21-10 से हरा जीता वही वूमेन सिंगल्स का फाइनल अब पदमजा ने 21-12, 21- 12 से ओजस्विता को हराकर जीता पुरुष एकल फाइनल में तेजेश्वर पूनिया ने अपना शानदार गेम का प्रदर्शन करते हुए आयुष यादव को 21-7, 21 -18 से हरा पुरुष एकल खिताब अपने नाम किया बॉयज डबल्स अंदर 17 में आर्यन सिंह और अक्षत शेखावत की जोड़ी ने लंबे चले तीन गेमों में दिनेश चौधरी के

विनय प्रताप की जोड़ी को 18 -21 , 21-16 ,21-12 से परास्त किया एक अन्य फाइनल गर्ल्स डबल्स अंडर-19 में अदविता व गरिमा यादव की जोड़ी ने 21-9 , 23 21 से एंजेल वह वर्षा सिंहकी जोड़ी को हराकर जीता।

पुरुष युगल फाइनल में अंश कटारा व हिमांशु गुप्ता ने आर्यन सिंह अक्षत सिंह शेखावत को 21 -16, 21-16 से हरा फाइनल जीता। ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री अतुल गुप्ता ने बताया कि संस्था के अध्यक्ष अनिल मेहता द्वारा शुरू की गई शांति मेहता स्कॉलरशिप पद्मजा सिंह ,तेजेश्वर पूनिया, सत्यम गुर्जर, आराध्या ढींगरा व वर्षा सिंह को दी गई इसमें तीन खिलाड़ियों को21000 रुपए की राशि तथा दो खिलाड़ियों को 11000 की राशि दी जाएगी। इसके अलावा जस्टिस नरेंद्र कुमार जैन फाऊंडेशन ट्रस्टकी ओर से 20 युवा खिलाड़ियों तथा 10 बुजुर्ग खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरुस्कृत किया गया

जिला सचिव मनोज दासोत के अनुसारआज के मुख्य अतिथि प्रधान निदेशक आयकर अन्वेषण अवधेश कुमार रिटायर्ड चीफ जस्टिस एन के जैन नाबार्ड के जनरल मैनेजरनिखिल पांडे भूतपूर्व मंत्री महेश जोशी तथा दीक्षित परिवार के एस एन दीक्षित, पी एन दीक्षित,रचना दीक्षित तथा ओ एन दीक्षित के पुत्र पकज दीक्षित रहे मेकार्यक्रम के अंत में जिला बैडमिंटन अध्यक्ष अनिल मेहता ने सभीखिलाड़ी उनके परिवार जनों तथा दर्शकों तथा ऑफिशियल को धन्यवाद किया प्रतियोगिता मेंअलका बत्रा लोहिया, संजीव तिवारी, अंशुल जैन था योगेंद्र कौशिक रमेश अरोड़ा सुरेश कुमार मुदित जैन गौरव जैन उपस्थित रहे। पारितोषिक वितरण कार्यक्रम के दौरानके रेफरीके के माथुरजगदीश खत्रीअंपायर धर्मराजतथा मैच कंट्रोलर पंकज सैनी का सम्मान में स्वागत किया गया।

राजस्थान बी डिवीजन फुटबॉल लीग, दूसरे दिन जेरठी एफसी और रेहान एफए जीते

जयपुर, 4 जनवरी। राजधानी के विद्याधर नगर स्थित फुटबॉल एस्ट्रो टर्फ मैदान पर राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में जारी प्रथम राजस्थान बी डिवीजन सीनियर पुरुष फुटबॉल लीग प्रतियोगिता के दूसरे दिन दो लीग मुकाबले खेले गए, संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि सुबह दस बजे पहला मुकाबला राजस्थान फुटबॉल स्कूल और जेरठी एफ सी के मध्य खेला गया, मैच के प्रारंभ से ही दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया और एक बाद एक आक्रमण एक दूसरे पर किए जिसमें सफलता जेरठी एफ सी को मिली जब स्ट्राइकर पंकज शर्मा ने मैच के 45 वें मिनट में शानदार गोल कर बढ़त दिलाई जो अंत में निर्णायक साबित हुई और जेरठी ने यह मुकाबला 1-0 से जीत लिया, मैच में निर्णायक गोल करने वाले पंकज शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

दूसरा मुकाबला रेड स्टोन सिटी एफ सी और रेहान फुटबॉल एकेडमी के मध्य खेला गया, दोनों ही टीमों ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन मैच के 15 वें मिनट में रेहान के युधिष्ठिर चौधरी ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी इसके बाद रेड स्टोन सम्भल नहीं पाई और रेहान के दिव्यांशु ने 29 वें तथा युधिष्ठिर चौधरी ने 34 वें मिनट में एक और गोल कर बढ़त तीन गोल की कर दी जो मध्यांतर तक कायम रही, मध्यांतर के बाद रेड स्टोन ने खेल पर अपनी पकड़ बनाई और एक के बाद एक आक्रमण रेहान के गोलपोस्ट पर किए जिसे रेहान की रक्षा पंक्ति विफल करती रही लेकिन मैच के अंतिम समय में रेड स्टोन के अंकित शर्मा ने 82 वें मिनट में शानदार गोल कर अपनी टीम के लिए उम्मीद जगाई इसके बाद राघव चौधरी ने मैच के अतिरिक्त समय (90.4 मिनट) में एक और गोल कर स्कोर 3-2 कर दिया जो निर्धारित समय समाप्त होने तक कायम रहा और रेयान एफ ए ने यह मुकाबला 3-2 से जीत दर्ज कर लीग में दूसरी जीत अपने नाम की, प्लेयर ऑफ द मैच रेड स्टोन के 6 नंबर जर्सी हर्ष को चुना गया। मैच में भैरूरतन ओझा ने मैच कमिश्नर, विकास चौधरी, हरीश कुमार, जावेद खान और रजत काजला ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

भारत पूरी मजबूती से 2036 ओलंपिक की मेजबानी की तैयारी कर रहा है : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

वाराणसी, 4 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत में आयोजित किए जाएंगे और देश मजबूती से 2036 ओलंपिक की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करने के बेहतर अवसर प्रदान करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वाराणसी में 72वें राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि टीओपी जैसी पहल भारत में खेल जगत को बदल रही हैं जिनमें मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करने, वित्तपोषण तंत्र विकसित करने और युवा खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने कई शहरों में 20 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी की है जिनमें फीफा अंडर-17 विश्व कप, हॉकी विश्व कप और प्रमुख शतरंज टूर्नामेंट शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, "2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत में आयोजित किए जाएंगे और देश 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रयासरत है जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक

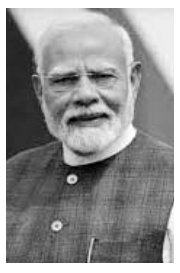

खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करने के बेहतर अवसर प्रदान करना है।"

उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर भी युवा खिलाड़ियों को ओलंपिक खेलों से परिचित कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया अभियान के माध्यम से सैकड़ों युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का मौका मिला है। कुछ ही दिन पहले सांसद खेल महोत्सव का समापन हुआ जिसमें लगभग एक करोड़ युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वाराणसी से सांसद होने के नाते उन्होंने गर्व से बताया कि सांसद खेल महोत्सव के दौरान वाराणसी के लगभग तीन लाख युवाओं ने मैदान पर अपनी ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि उन्हें वाराणसी से सांसद होने के नाते सभी खिलाड़ियों का स्वागत और अभिनंदन करते हुए प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप आज से वाराणसी में शुरू हो रही है। खिलाड़ी अथक परिश्रम के बाद इस राष्ट्रीय टूर्नामेंट तक पहुंचे हैं और आने वाले दिनों में वाराणसी के मैदान पर उनके परिश्रम की परीक्षा होगी। उन्होंने कहा कि देश के 28 राज्यों की टीमें एकत्रित हुई हैं जो एक भारत, श्रेष्ठ भारत का सुंदर चित्र प्रस्तुत करती हैं। प्रधानमंत्री ने चैंपियनशिप के सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वॉलीबॉल कोई साधारण खेल नहीं है बल्कि यह संतुलन और सहयोग का खेल है जहां गेंद को हमेशा हवा में रखने के प्रयास में दृढ़ संकल्प झलकता है। उन्होंने कहा कि वॉलीबॉल खिलाड़ियों को टीम भावना से जोड़ता है, जहां हर खिलाड़ी टीम पहले के मंत्र से प्रेरित होता है। भले ही प्रत्येक खिलाड़ी के पास अलग-अलग कौशल हों लेकिन सभी अपनी टीम की जीत के लिए खेलते हैं। खेल सिखाता है कि कोई भी जीत अकेले प्राप्त नहीं होती बल्कि जीत समन्वय, विश्वास और टीम की तैयारी पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा आज भारत का खेल मॉडल खिलाड़ी-केंद्रित हो गया है जिसमें प्रतिभा की पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, पोषण और पारदर्शी चयन पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि खिलाड़ियों के हितों को हर स्तर पर प्राथमिकता दी जाए।

ऑस्ट्रेलिया पीएम अल्बानीस ने रिटायरमेंट की घोषणा के बाद ख्वाजा की तारीफ की

सिडनी, 4 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस ने अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा को बधाई दी है, जब बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी एशेज टेस्ट से पहले इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा की।

39 साल के ख्वाजा ने कन्फर्म किया कि सिडनी टेस्ट इंटरनेशनल लेवल पर ऑस्ट्रेलिया के लिए उनका आखिरी मैच होगा, जिससे उनके लंबे और शानदार करियर का अंत हो जाएगा। ख्वाजा ने सीरीज के आखिरी टेस्ट की शुरुआत से पहले एससीजी में मीडिया से बात करते हुए यह घोषणा की। इस घोषणा के बाद, प्रधानमंत्री अल्बानीस ने एक्स पर ख्वाजा के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में योगदान और खेल से परे उनके बड़े असर को सराहा।

अल्बानीस ने लिखा, उस्मान, आपने मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के लिए जो कुछ भी किया है और मैदान के बाहर ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए धन्यवाद। आप अपने रिकॉर्ड, अपनी विरासत और उन सभी के लिए जो आपके

नक्शेकदम पर चलेंगे, आपने जो मिसाल कायम की है, उस पर गर्व कर सकते हैं। ख्वाजा 87 टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया को रिप्रेजेंट करने के बाद अपना इंटरनेशनल सफर खत्म करेंगे, इस दौरान उन्होंने 43.39 की एवरेज से 6,206 रन बनाए। उनके टेस्ट करियर में 157 इनिंग्स में 16 सेंचुरी और 28 हाफ-सेंचुरी शामिल हैं, जिससे उन्हें मॉडर्न एरा के ऑस्ट्रेलिया के सबसे भरोसेमंद बैट्समैन में से एक के तौर पर पहचान मिली।

अपने 87-टेस्ट करियर में, ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की कई सबसे अहम सीरीज में अहम रोल निभाया, और अक्सर हाई-प्रेशर सिचुएशन में अच्छा खेला। वह 2022 के पाकिस्तान टूर में ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले प्लेयर थे, जिसमें कराची में एक डबल सेंचुरी भी शामिल है, और इसके बाद श्रीलंका और इंडिया में भी उन्होंने अहम कंट्रीब्यूशन दिया। लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट में, ख्वाजा ने 40 वनडे और नौ टी 20 में ऑस्ट्रेलिया को रिप्रेजेंट किया, जिसमें 1,500 से ज़्यादा इंटरनेशनल व्हाइट-बॉल रन बनाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 में आमंत्रित कंपनियों के प्रतिनिधिमंडलों से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने निवेशकों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में राजस्थान आएं, यहां निवेश की अपार संभावनाएं हैं।

हम राजस्थान को तकनीक व नवाचार का ग्लोबल लीडर बनायेंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने डिजिफेस्ट में आमंत्रित कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे निवेशकों के साथ निरंतर संपर्क स्थापित करके उनके सुझावों और आवश्यकताओं पर त्वरित कार्यवाही करें।**

जयपुर, 4 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों की आवश्यकताओं और सुविधाओं को केंद्र में रखते हुए नीतियों का निर्माण कर रही है। इसी कड़ी में राजस्थान ग्लोबल कैपबिलिटी सेंटर पॉलिसी, राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी, राजस्थान एआई एमएल पॉलिसी जैसी प्रमुख नीतियां लाई गई हैं। ये नीतियां राजस्थान को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में हब बनाएगी।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 में आमंत्रित कंपनियों के प्रतिनिधिमंडल से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग निवेशकों का राजस्थान में विश्वास का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से आव्हान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में राजस्थान आएं, राज्य सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा, हम सब मिलकर राजस्थान को तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निवेशकों के साथ निरंतर संपर्क स्थापित करते हुए उनके सुझाव और आवश्यकताओं पर त्वरित कार्य करने के निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रदेश में अनुकूल औद्योगिक वातावरण का निर्माण हो रहा है। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, राजस्थान डेटा सेंटर, राजस्थान एआई एमएल नीतियों के साथ 7 हजार से अधिक आई स्टार्टअप्स का तंत्र प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं का मजबूत नेटवर्क स्थापित कर रहा है।

कंपनियों के प्रतिनिधियों ने कहा कि आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मेडिकल साइंस, ग्रीन इन्वेस्टमेंट, स्टार्टअप्स, मेन्युफैक्चरिंग, डेटा, स्किल डवलपमेंट, लॉजिस्टिक्स आदि क्षेत्रों के संबंध में सुझाव दिए।

अप्रेल में तमिलनाडु में एनडीए की सरकार बनेगी- अमित शाह

- **केन्द्रीय गृह मंत्री ने रविवार को एक जनसभा में यह दावा किया।**

पुदुक्कोट्टई(तमिलनाडु), 04 जनवरी। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह तमिलनाडु के दौरे पर हैं, उन्होंने रविवार को पुदुक्कोट्टई में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान अमित शाह ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि अप्रैल 2026 में तमिलनाडु के अंदर एनडीए की सरकार बनने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, आने वाले चुनावों में, भाजपा, एआईएडीएमके और हमारी सहयोगी पार्टियों के साथ मिलकर कांग्रेस और डीएमके को आखिरी टक्कर देने के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाने जा रही है। डीएमके सरकार हर मोर्चे पर फेल हो गई है।

लाखेरी में श्रद्धालुओं पर ट्रक पलटा, तीन की मौत

तेज रफ्तार से चल रहा ट्रक सड़क पर बने गहरे गड्ढों से असंतुलित होकर श्रद्धालुओं पर गिरा

- **हादसे की सूचना मिलने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला घायलों से मिलने अस्पताल पहुँचे। उन्होंने कोटा रेंज आईजी को घटना की जाँच करने के निर्देश दिए।**

कोटा, (निसं)। जिला बूंदी के लाखेरी उपखंड क्षेत्र में रविवार को देईखेड़ा थाना इलाके में पापड़ी रेलवे ओवरब्रिज के समीप कपास से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर माताजी के दर्शन करने जा रहे पैदल श्रद्धालुओं पर पलट गया। हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और करीब आठ घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार कोटा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहा कपास से भरा ट्रक पापड़ी ओवरब्रिज के पास पहुंचते ही सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया, और सड़क किनारे पैदल चल रहे श्रद्धालु इसके नीचे दब गए। घटना की सूचना मिलते ही देईखेड़ा और लाखेरी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू कराया। ट्रक के नीचे दबे लोगों को निकालने के लिए क्रेन की सहायता से पलटे ट्रक को सीधा किया गया। एम्बुलेंसों की मदद से घायलों को नजदीकी लाखेरी अस्पताल पहुंचाया गया, बाद में घायलों को कोटा एमबीएस अस्पताल के लिये रैफर कर भर्ती करवाया गया।

हादसे की सूचना मिलते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला घायलों से मिलने के लिये अस्पताल पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी। ओम बिरला ने घटना को दुखद बताया और कोटा रेंज आईजी राजेन्द्र गोयल को पूरे मामले की जांच करने के निर्देश दिये।

जानकारी के अनुसार दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों की भीड़ ने ट्रक पर फैली कपास को आग लगा दी, इसके बाद भी लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और भीड़ ने बाद में ट्रक को ही आग के हवाले कर दिया। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस ने समझाईश की और दमकल बुलाकर ट्रक में लगी आग को बुझाया।

राज्य चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र की ''निर्विरोध'' जीत की जाँच के आदेश दिए

विपक्षी दलों का आरोप है कि सत्ताधारी पार्टी ने करोड़ों रूपए का लालच और धमकी देकर नामांकन वापस कराए

- **महाराष्ट्र नव निर्माण सेना के नेता कह रहे हैं कि राज्य चुनाव आयोग की जाँच के साथ ही निर्विरोध चुनाव प्रक्रिया के खिलाफ कानूनी कार्यवाही पर भी विचार किया जा रहा है।**

मुंबई, 04 जनवरी। महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों से पहले बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना (शिंदे गुट) के उम्मीदवारों का ''निर्विरोध'' चुना जाना विवादों में घिर गया है क्योंकि विपक्षी पार्टियां इस प्रक्रिया को अदालत में चुनौती देने की तैयारी कर रही हैं।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेताओं ने संकेत दिया है कि राज्य चुनाव आयोग की जांच के साथ-साथ निर्विरोध चुनाव प्रक्रिया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी योजना बनाई जा रही है। महाराष्ट्र के विभिन्न नगर निगमों में 67 उम्मीदवार बिना मुकाबले के चुने गए हैं। इनमें से अधिकतर उम्मीदवार भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के हैं। गौरतलब है कि मालेगांव से इस्लाम पार्टी के एक उम्मीदवार को भी बिना मुकाबले के चुना गया है। विपक्षी पार्टियों ने इनकी कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि सत्ताधारी पार्टियों ने करोड़ों रुपये का लालच और डरा-धमकाकर विरोधी उम्मीदवारों को अपना नामांकन वापस लेने के लिए मजबूर किया। राज्य चुनाव आयोग ने इन आरोपों को ध्यान में रखते हुए ऐसे सभी चुनावों की जांच के आदेश दिए हैं।

मेयर ममदानी ने अमेरिकी अभियान को युद्ध की कार्यवाही बताया

न्यूयॉर्क, 04 जनवरी। अमेरिकी शहर न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने वेनेज़ुएला के खिलाफ चलाए गए अमेरिकी अभियान, एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व, को युद्ध की कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय व संघीय कानून का उल्लंघन बताया है। ममदानी ने कहा कि सत्ता परिवर्तन की यह खुलेआम कोशिश न केवल विदेशों में रह रहे अमेरिकी नागरिकों को प्रभावित करती है, बल्कि इसका सीधा असर न्यूयॉर्क निवासियों पर भी पड़ता है, जिनमें वेनेज़ुएला के हजारों नागरिक भी शामिल हैं । मेयर ने वेनेज़ुएला के नागरिकों और हर न्यूयॉर्क वासी की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते कहा कि उनका प्रशासन स्थिति की निगरानी करना जारी रखेगा और इससे संबंधित दिशा-निर्देश जारी करेगा। ममदानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ''एक संप्रभु राष्ट्र पर एकतरफा हमला करना युद्ध की कार्रवाई और संघीय व अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है।''

गौरतलब है कि मादुरो को न्यूयॉर्क शहर के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर (एमडीसी) में भेजा गया है। यह सेंटर अपनी खराब स्थितियों के कारण घिनौना और भयानक बताया जाता है।

भारत ने वेनेज़ुएला में शांति व स्थिरता बनाए रखने का आव्हान किया

विदेश मंत्रालय ने वेनेज़ुएला में मौजूद भारतीयों को स्थानीय यात्रा सीमित करने का आग्रह किया

- **कारावास में भारतीय दूतावास भारतीय समुदाय के संपर्क में है तथा अशांति के इस समय में उन्हें सभी जरुरी मदद करने के लिए तैयार है।**

नयी दिल्ली, 04 जनवरी। भारत ने रविवार को वेनेज़ुएला में हालिया घटनाक्रम पर गहरी चिंता जतायी है और कहा कि वह दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र में बदलती सुरक्षा स्थिति पर करीबी नजर रख रहा है।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर वेनेज़ुएला के लोगों की भलाई और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी और सभी संबंधित पक्षों से बातचीत के जरिये संकट का शांतिपूर्ण समाधान निकालने, क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बनाये रखने का आ ान किया। बयान में यह भी कहा गया है कि कारावास में भारतीय दूतावास भारतीय समुदाय के संपर्क में है और इस अशांत अवधि के दौरान उन्हें सभी जरूरी मदद जारी रखी जायेगी। इससे पहले शनिवार को विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को वेनेज़ुएला की सभी गैर-जरूरी यात्राओं से बचने की सलाह दी थी। सलाह में, वेनेज़ुएला में मौजूद भारतीयों से सतर्क रहने, सार्वजनिक सभाओं से बचने, घर के अंदर रहने और सुरक्षा के मद्देनजर स्थानीय यात्रा सीमित करने का आग्रह किया गया है। यह एडवाइज़री वेनेज़ुएला की सुरक्षा स्थिति में नाटकीय बदलाव के कारण जारी की गयी है, जो कारावास में फोर्ट ट्यूना सैन्य परिसर समेत प्रमुख सैन्य ठिकानों पर अमेरिकी हवाई हमले से पैदा हुई है। विदेश मंत्रालय ने वेनेज़ुएला में भारतीय नागरिकों के लिए विशेष संपर्क विवरण प्रदान किये हैं। इसमें एक आपातकालीन हॉटलाइन और दूतावास ईमेल शामिल हैं।

ममदानी के उमर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया, जिसमें भारत का नाम लेकर कथित तौर पर मुस्लिम समुदायों पर कार्रवाई का उल्लेख किया गया है। भाजपा के एक और प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि ''अगर भारत की संप्रभुता को चुनौती दी गई, तो 140 करोड़ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट खड़े होंगे।''

भाजपा नेताओं की उग्र राष्ट्रवादी भाषा के बावजूद, ममदानी का नोट और अमेरिकी सांसदों के बयान इस मुद्दे को लेकर भारत पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा सकते हैं।

उमर ख़ालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा और मीरान हैदर पर 2020 के दिल्ली दंगों की एक ''बड़ी साजिश'' रचने के केस में कठोर यूएपीए के तहत आरोप लगाए गए हैं, लेकिन अब तक उनका मुकदमा शुरू नहीं हुआ है और उन पर लगे आरोप भी अभी तक साबित नहीं हो पाए हैं।

ममता बनर्जी ने एसआईआर पर फिर चुनाव आयोग को पत्र लिखा

कोलकाता, 04 जनवरी। पश्चिम बंगाल कीमुख्यमंत्री ममता बनर्जी नेविशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकरएक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है। सीएम ममता ने अपने पत्र में बंगाल में एसआईआर के दौरान कथित अनियमितताओं, प्रक्रियात्मक उल्लंघनों और प्रशासनिक खामियों पर चिंता जताई। सीईसी को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि एसआईआर प्रक्रिया से समझौता हुआ है, यह हमारे लोकतंत्र के मूल ढ ांचे और संविधान की भावना पर हमला है। अपने पत्र में ममता बनर्जी ने मांग करते हुए कहा कि मैं आपसे आग्रह करती हूं कि एसआईआर की इन खामियों को तुरंत ठीक करें या इस मनमानी, अनियोजित प्रक्रिया को रोकें। अगर इसे अपने वर्तमान स्वरूप में जारी रहने दिया गया, तो एसआईआर से बहुत ज्यादा नुकसान होगा।

- **उन्होंने कहा कि खामियों को दूर करें या मनमानी, अनियोजित प्रक्रिया रोकें।**

अमेरिका के 100 शहरों में, वेनेज़ुएला पर सैन्य कार्यवाही के विरोध में प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों ने ''वेनेज़ुएला की रक्षा करो, मादुरो को आज़ाद करो'' के नारे लगाए

- **युद्ध विरोध समूह ने कहा कि अमेरिकी युद्ध वेनेज़ुएला के लोगों की मौत व विनाश का कारण बनेगा। यह युद्ध अमेरिकी नागरिकों के टैक्स के पैसों को अकल्पनीय मात्रा में खा जाएगा।**

न्यूयॉर्क, 04 जनवरी। वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने वाली अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के विरोध में रविवार को सैकड़ों लोग मैनहट्टन की सड़कों पर उतरे।

यह मार्च वाशिंगटन, बॉस्टन, लॉस एंजलिस, अटलांटा, शिकागो और मायामी जैसे 100 से अधिक अमेरिकी शहरों में होने वाले ''वेनेज़ुएला पर कोई युद्ध नहीं'' प्रदर्शनों का हिस्सा था।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में एकत्र हुए प्रदर्शनकारियों के हाथों में, वेनेज़ुएला से हाथ हटाओ, कैरिबियन से अमेरिका बाहर निकले, वेनेज़ुएला के तेल के लिए कोई युद्ध नहीं, और अमेरिकी साम्राज्यवाद के खिलाफ वेनेज़ुएला की रक्षा करो, लिखे हुए पोस्टर थे। भीड़ में ''वेनेज़ुएला की रक्षा करो, मादुरो को आजाद करो'' के नारे भी गूंज रहे थे।

मार्च में शामिल न्यूयॉर्क के निवासी कैरन ने कहा, ''यह युद्ध मादक पदार्थों के बारे में नहीं है, यह वेनेज़ुएला के तेल के बारे में है। आपको वेनेज़ुएला में कदम रखने और वहां हमला करने का अधिकार कैसे है? ऐसा महसूस होता है जैसे हम अपराधियों की तरह काम कर रहे हैं। हम यहां यह कहने आए हैं कि यह एक अन्यायपूर्ण कार्रवाई है।''

पाकिस्तान के एक कॉलेज छात्र हसन ने कहा कि विदेशों में अमेरिका के नेतृत्व में सरकार बदलने के प्रयास नए नहीं हैं, लेकिन कम से कम पहले यह नकाब पहनकर किया जाता था, जैसे मध्य पूर्व में लोकतंत्र बहाल करने के नाम पर। उन्होंने कहा कि लेकिन, आज इसने नकाब उतार दिया है। यह कार्रवाई काफी स्पष्ट रूप से तेल और प्राकृतिक संसाधनों के बारे में है।

टाइम्स स्क्वायर रैली में एक वक्ता ने कहा कि वेनेज़ुएला के लोग अपने देश को चलाने वाले या अपने तेल, गैस, सोने या किसी भी संसाधन को चुराने वाले अमेरिका को स्वीकार नहीं करेंगे। वहां कड़ा प्रतिरोध होगा। वह युग अब खत्म हो गया है।

आयोजकों में से एक, आंसर कोअलिशन ने काराकास पर हालिया अमेरिकी बमबारी और मादुरो को पकड़े जाने की निंदा की। उन्होंने अमेरिकियों से एक और अंतहीन युद्ध को नकारने का आ ान किया।

इस युद्ध-विरोधी समूह ने एक बयान में कहा, ''अमेरिकी युद्ध वेनेज़ुएला के लोगों के लिए मौत और विनाश का कारण बनेगा। युद्ध हमारे टैक्स के पैसों की अकल्पनीय मात्रा को खा जाता है, जबकि कामकाजी परिवार गुजारा करने के लिए संघर्ष करते हैं। लोगों को सड़कों पर उतरने और वेनेज़ुएला पर ट्रंप के युद्ध को ना कहने की जरूरत है!''

कांग्रेस व इंडिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि विपक्षी दलों में अपनी संस्थाओं के प्रति सम्मान, आंतरिक संवाद में ईमानदारी और रणनीतिक दृष्टि से विनम्रता नहीं होगी तो यह जड़ता की ओर बढ़ सकती है तथा इसमें नया विकास नहीं होगा। इंडिया ब्लॉक, और खासकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, आज मुद्दों की कमी से पीड़ित नहीं, बल्कि विरोधाभासों की भरमार से उलझी हुई है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों और लगातार विधानसभा चुनावों में हार के बाद, विपक्ष एक सही मायने में चौराहे पर खड़ा है। फिर भी, रणनीति फिर से तय करने या मतदाताओं की भावनाओं से जुड़ने के बजाय, ऐसा लगता है कि यह उन मुद्दों पर और ज़्यादा ज़ोर देने के लिए दृढ़ है, जिन्हें मतदाता पहले ही खारिज कर चुके हैं। इसका नतीजा विरोध नहीं, बल्कि भटकाव है, बदलाव नहीं, बल्कि दोहराव है। ज़मीनी हकीकत से यह अलगाव अब साफ दिख रहा है। नए वर्ष 2026 में प्रवेश कर रही कांग्रेस एक विश्वसनीय विकल्प बनने के बजाय, भाजपा को निशाना बनाने वाली ताकत के रूप में बनी हुई है और इससे उसकी अभी जितनी सीटें हैं उनमें बढ़ोतरी की संभावना खत्म हो सकती है। हो सकता है कि वह मामूली सी बढ़त के साथ 95-98 सीटों तक पहुंच सकती है, लेकिन यह एक ऊपरी सुधार है, जो एक गहरी रणनीतिक विफलता को छिपाता है। हालांकि, विपक्ष के लिये, भूगोल से ज़्यादा नुकसानदायक विचारधारा है। जब सनातन धर्म का मज़ाक उड़ाया जाता है, उसका कार्टून बनाया जाता है या उस पर हमला किया जाता है, तो विपक्षी खेमा साफ तौर पर चुप रहता है, लेकिन जब उमर खालिद जैसे लोगों की बात होती है, जो 2020 से दिल्ली दंगों की साज़िश के मामले में जेल में पड़े हैं, तो विपक्ष तुरंत गुस्सा जाहिर करता है। यह चयनात्मक नैतिकता इस धारणा को मज़बूत करती है कि कांग्रेस अब एक सुसंगत विश्वदृष्टि से नहीं, बल्कि वैचारिक सुविधा और एक्टिविस्ट फैशन से निर्देशित हो रही है।

जैसलमेर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तहसील का रहने वाला है। एटीएस पिछले कई दिनों से मौलवी पर नजर बनाए हुई थी। शनिवार देर शाम जयपुर से आई एटीएस की टीम ने कुरिया बेरी गांव में संदिग्ध को घेरा और उसे अपने साथ ले गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए संदिग्ध को सीधे जयपुर ले जाया गया है। किशनगढ़ फील्ड फायरिंग रेंज और तनोटमाता मंदिर के निकटवर्ती क्षेत्रों में इस तरह की संदिग्ध गतिविधियाँ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से चिंताजनक मानी जा रही हैं।

अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय फायनैंशियल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिस्क बहुत ज्यादा है। भारत में क्रेडिट चक्र अक्सर अति-उत्साह और फिर सख़्ती के बीच झूलते रहे हैं, जिससे बैंकों और कंपनियों पर बोझ बढ़ा है। मज़बूत जाँच-प्रणाली (स्ट्रॉंग अण्डरराइटिंग) और गहरे पूँजी बाज़ार की गैरमौजूदगी में, तेज़ ऋण वृद्धि, टिकाऊ खपत और निवेश को सपोर्ट करने के बजाय, एसैट की कीमतों को बढ़ा सकती है। वहीं, कॉरपोरेट बॉन्ड बाज़ार अब भी कम लिक्विडिटी, नियमों की बिखरी व्यवस्था और सीमित निवेशकों की वजह से कमज़ोर है, इसलिए इसके द्वारा तुरंत बड़े बदलाव होने की उम्मीद पर संदेह बना रहता है।

उद्यमिता (एन्टरप्रैन्योरशिप) और स्टार्ट-अप में तेजी भी इस आशावादी कहानी का केन्द्र हैं। जबकि प्राइवेट कैपिटल इन्फ्लो और डिजिटल तकनीक अपनाने से नए व्यवसाय ज़रूर बढ़े हैं, पर इनका बड़ा हिस्सा उपभोक्ता-केन्द्रित, प्लेटफ़ॉर्म-आधारित मॉडलों में है, जहाँ रोज़गार सृजन कम और मुनाफ़ा अनिश्चित है। वैश्विक नक़दी सख़्त होने से यह साफ़ हो गया है कि यह इकोसिस्टम बाहरी पूँजी पर कितना निर्भर है। जब तक इनोवेशन तेजी से डीप-टैक्नॉलजी, एडवांस्ड मैनुफैक्चरिंग और अनुसंधान-आधारित क्षेत्रों की ओर नहीं मुड़ेगा, तब तक यह वृद्धि टिकाऊ नहीं बन पाएगी।

जनसांख्यिकी (डैमोग्राफिक्स), जिसे अक्सर भारत की सबसे स्थायी ताक़त बताया जाता है, एक ज्यादा मुश्किल तस्वीर भी पेश करती है। युवा और बढ़ता वर्कफोर्स तभी लाभ दे सकता है, जब अर्थव्यवस्था पर्याप्त उत्पादक रोज़गार पैदा करे। महिलाओं की सीमित श्रम-भागीदारी, बड़े पैमाने पर अण्डर एम्प्लॉयमैंट और कौशल की कमी इस बात का ख़तरा बढ़ाते हैं कि जनसांख्यिकीय लाभ बोझ में बदल जाए। प्रति व्यक्ति आय भले ही बढ़े, पर बढ़ती असमानता उपभोग में उछाल को सीमित कर सकती है।

सप्लाई साइड पर, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी मैनुफैक्चरिंग केपबिलिटी बनाना अभी भी एक स्ट्रैटेजिक लक्ष्य है, पक्का नतीजा नहीं है। नीतिगत प्रयासों और प्रोत्साहन योजनाओं के बावजूद,ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग वैल्यू चेन में भारत की हिस्सेदारी पूर्वी एशिया के देशों की तुलना में कम है। जटिल और हाई वैल्यू इण्डस्ट्रीज़ में सफलता के लिए पैमाना, स्थिर नियम और तकनीकी गहराई चाहिए, जहाँ प्रगति एक जैसी नहीं रही है। साथ ही, बढ़ते अनुपालन (कम्प्लायंस) बोझ और गुणवत्ता नियंत्रण के नियम संरक्षणवाद की ओर झुकाव बढ़ा सकते हैं, जिससे निर्यात प्रतिस्पर्धा कमज़ोर पड़ सकती है।

उत्पादकता के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमैंट, खासकर लॉजिस्टिक कॉस्ट को तेजी से कम करने की महत्वाकांक्षा को जरूरी फैक्टर के रूप में सही पहचाना गया है। लेकिन भूमि अधिग्रहण की चुनौतियाँ, वित्तीय सीमाएँ और राज्यों में प्रशासनिक अड़चनें काम की रफ़्तार धीमी कर सकती हैं। निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़े बिना भारी सरकारी निवेश सरकारी खजाने पर जोर डाल सकता है, जिससे लगातार इन्फ्रास्ट्रक्चर आधारित विकास की गुंजाइश सीमित हो जाएगी।

कुल मिलाकर देखें तो भारत की दीर्घकालिक विकास-कहानी को अवश्यंभावी उन्नति के बजाय, शर्तों पर टिकी यात्रा समझना बेहतर है। तेज़ विस्तार के लिए आधार मौजूद है, पर इसकी सफलता लेबर मार्केट, शिक्षा, वित्त और औद्योगिक नीति में गहरे सुधारों पर निर्भर करेगी। इनके बिना भारत शायद कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से तेज बढ़ेगा, लेकिन वो ऐतिहासिक छलांग नहीं लगा पाएगा, अत्यधिक आशावादी अनुमान जिसकी बात करते हैं।

- **अगर, भारत का आई.टी. सैक्टर इस तब्दीली को नहीं पहचान पाया और इसके अनुरुप अपने आप को नहीं ढाल पाया तो आई.टी. सैक्टर की पुरानी सफलता को दोहरा पायेगा, यह विश्वासपूर्वक नहीं कहा जा सकता।**
- **इसी प्रकार यह भी माना जाता है, और काफी ढिंढोरा पीटा जाता है कि भारत में डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर काफी मजबूत हो गया है। यह सच है, पर, यह डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, जैसे यू.पी.आई. के कारण ट्रांजैक्शन खर्च कम हुआ है, पारदर्शिता बढ़ी है तथा इकोसिस्टम एक्टिविटी का फॉर्मलाइज़ेशन तेज हुआ है तथा इस डिजिटल कार्यकुशलता से कंज़म्शन बढ़ा है, पर, बड़े स्केल पर औद्योगिक क्षेत्र में प्रोडक्टिविटी नहीं बढ़ी है। ऐसा ही जोखिम भारत की बहुचर्चित युवा लेबर फोर्स व स्टार्टअप्स के बारे में भी है।**

दिल्ली में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में

नयी दिल्ली, 04 जनवरी। दिल्ली के कई इलाकों में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई जबकि तेज हवाएं चलती रहीं।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीबीसीबी) के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, आज सुबह नौ बजे तक कई निगरानी केंद्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्तर बहुत खराब बना रहा। 301 से 400 के बीच का एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में आता है और इससे सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।

तेज हवाएं चलने के बावजूद राजधानी के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता खराब बनी हुई है। सुबह में हवाओं से प्रदूषण में थोड़ी कमी आई लेकिन यह कमी एक्यूआई को मध्यम स्तर तक लाने में मददगार साबित नहीं हुई।

डेरा प्रमुख राम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे पहले 5 अगस्त, 2025 को उसके जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए इसी तरह की 40 दिन की पैरोल दी गई थी। अगस्त 2017 में बलात्कार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद से यह 15वीं बार होगा जब राम रहीम को पैरोल या फरलो पर जेल से रिहा किया जाएगा। गौरतलब है कि राम रहीम को पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के लिए उम्रकैद की सजा भी सुनाई गई है।

उसे एक अक्टूबर, 2024 को हरियाणा विधानसभा चुनावों से कुछ दिन पहले 20 दिन की पैरोल और अगस्त 2024 में 21 दिन की फरलो दी गई थी। उसे फरवरी 2022 में पंजाब विधानसभा चुनावों से कुछ समय पहले तीन सप्ताह की फरलो दी गई थी। राम रहीम इन रिहाई के दौरान कई मौकों पर उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में डेरा सच्चा सौदा आश्रम में रुका है।

प्रियंका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वर्ष होने वाले असम के विधानसभा चुनाव को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। असम में पिछले दस वर्षों से भाजपा सरकार में है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600